मीराबाई के भजन से निकला माधुरी दीक्षित का 29 साल पुराना ये कल्ट गाना, कविता कृष्णमूर्ति की आवाज ने बनाया क्लासिक

रॉयल बुलेटिन

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

तापमान - अधिकतम - 33
न्यूनतम - 29

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 265 RNI NO.43285/85 संस्करण- नगर मुजफ्फरनगर गुरूवार 24 सितम्बर 2026 भाद्रपद शुक्ल 12 विक्रमी संवत पृष्ठ 12 मूल्य 4 रूपया

बड़ा बदलाव! ट्रेनों के खाने में अब नहीं मिलेगी गंदगी

- चूहे-कॉकरोच दिखे तो एआई कैमरे भेजेंगे सीधा अलर्ट
- मार्च 2027 तक 50 ट्रेनों में लागू होगी निगरानी व्यवस्था

समस्तीपुर (एजेंसी)। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस, बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, वैशाली एक्सप्रेस और बागमती एक्सप्रेस समेत समस्तीपुर होकर चलने वाली प्रमुख ट्रेनों की पैंट्री कार में अब एआई आधारित कैमरों से निगरानी की जाएगी। पैंट्री कार में चूहा, कॉकरोच या गंदगी दिखते ही सिस्टम संबंधित अधिकारियों को अलर्ट करेगा। खाना बनाने से लेकर पैकिंग और यात्रियों तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया पर भी निगरानी रखी जाएगी। पूर्व मध्य रेल के 5 मंडलों के अंतर्गत करीब 50 प्रमुख ट्रेनों की पैंट्री कारों और समस्तीपुर जंक्शन समेत 25

स्टेशनों की कैंटीन में यह व्यवस्था लागू करने की तैयारी है। रेलवे का लक्ष्य मार्च 2027 तक इसे लागू करने का है। महत्वपूर्ण ट्रेनों में पैंट्री की सुविधा उपलब्ध है।

किचन में कैमरों से लगातार निगरानी

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत पैंट्री कार और बेस किचन में कैमरों से लगातार निगरानी की जाएगी। कैमरे की नजर में चूहा, कॉकरोच अथवा गंदगी आने पर सिस्टम अलर्ट जारी करेगा। इसकी सूचना संबंधित अधिकारी और खान-पान सेवा से जुड़ी एजेंसी तक पहुंचाने की व्यवस्था होगी। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित वेंडर या एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई होगी। सिर्फ कीड़े-मकौड़ों ही नहीं, बल्कि पैंट्री कर्मचारियों की स्वच्छता पर भी नजर रहेगी।

कैंटीन और फूड प्लाजा पर भी रहेगी नजर

रेलवे की प्रस्तावित व्यवस्था में पैंट्री कार के अलावा स्टेशन की कैंटीन, जनआहार, फूड प्लाजा और बेस किचन को भी निगरानी के दायरे में लाया जाएगा। कैमरों से मिलने वाले अलर्ट के आधार पर संबंधित एजेंसी को तत्काल कार्रवाई करनी होगी। गड़बड़ी मिलने पर डिजिटल चालान जैसी कार्रवाई की व्यवस्था भी प्रस्तावित है।

संक्षिप्त समाचार

ईशान आनंद बनाए गए बीएसपी के राष्ट्रीय संयोजक

मायावती का बड़ा ऐलान, दो नेताओं से सीखने को कहा

लखनऊ (एजेंसी)। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने ईशान आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है। ईशान आनंद को बीएसपी ने राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। हालांकि ईशान अभी राज्यों में नहीं पार्टी का कामकाज ही देखेंगे। इसके लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता राजाराम और रामजी गौतम से ईशान पार्टी का कामकाज सीखेंगे। इसके लिए मायावती ने वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी तय कर दी है। यूपी में 2027 चुनाव को लेकर बसपा की अहम बैठक

आज लखनऊ में आयोजित की गई। बैठक से पहले ईशान मायावती के पैर छूकर आशीर्वाद लेते दिखे। इसके बाद से ही ईशान को नई जिम्मेदारी मिलने का दावा किया जा रहा था। आखिकार मायावती ने ईशान को नई जिम्मेदारी देने की घोषणा करते हुए ईशान को राष्ट्रीय संयोजक बनाने का ऐलान कर दिया है। ईशान आनंद मायावती के छोटे भतीजे हैं। ईशान आनंद बसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार के छोटे बेटे और आकाश आनंद के छोटे भाई हैं। बड़े भाई आकाश को हटाए जाने के बाद यह जिम्मेदारी मिली है।

यूसुफ पठान को एनसीपीआई में मिली बड़ी जिम्मेदारी

टीएमसी के बागी सांसद को पार्टी ने बनाया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

कोलकाता (एजेंसी)। नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया ने अपने नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की। पार्टी ने 27 नेताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारियां दी हैं। इनमें तृणमूल कांग्रेस छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हुए पूर्व सांसद भी शामिल हैं। पूर्व क्रिकेटर और बहारामपुर के पूर्व टीएमसी सांसद यूसुफ पठान को एनसीपीआई का

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। एनसीपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योतिप्रकाश चटर्जी की ओर से जारी सूची में यूसुफ पठान का नाम उपाध्यक्ष पद के लिए शामिल है। पठान के अलावा पूर्व टीएमसी सांसद अबू ताहिर खान, दीपक अधिकारी देव, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया, रचना बनर्जी और मिताली बाग को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है। बापी हलदर को महासचिव की जिम्मेदारी मिली है। नई राष्ट्रीय टीम में चंद्रिमा पंजा को भी उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उत्तिया कुंडू, सुलेखा भुनिया, विवेक मिश्रा और शुवेंदु चक्रवर्ती को महासचिव बनाया गया है। अविषेक मुखर्जी, कल्लोल चक्रवर्ती, बप्पा सरदार, प्रबीर महता, मृत्युंजय सिन्हा, पल्लव मुखर्जी, दिब्येंदु दास, बिप्लब देब, प्रदीप धर, सुष्मिता भुनिया, स्वाति गोस्वामी बोस और मोनालिसा खातून को सचिव बनाया गया है। स्वरूप जायसवाल और सुदाम जेटी को भी पद दिया गया है।

ग्लेशियर झील से 'रिसाव' शुरू, 'संकट' में लद्दाख

झील भी बढ़ी, सता रहा है नेपाल जैसी बाढ़ का खतरा

अगर दबाव बढ़ा तो झील को तोड़कर निकालेंगे पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख के सबसे बड़े द्रंग-द्रुंग ग्लेशियर के मुहाने पर बनी झील से पानी का रिसाव शुरू हो गया है।

बीते कुछ साल में झील तेजी से बढ़ी है। ऐसे में वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक जांस्कर में ग्लेशियर के पास ही कैंप कर इस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। वैज्ञानिक झील में पानी की मात्रा, गहराई और ग्लेशियर के पिघलने की रफ्तार की रियल टाइम निगरानी कर रहे हैं। पानी बढ़ने से झील पर दबाव खतरनाक स्तर तक पहुंचा तो इसे सुरक्षित तरीके से तोड़कर अतिरिक्त पानी निकालने की भी तैयारी है।

लद्दाख और द्रंग-द्रुंग ग्लेशियर पर असर

लद्दाख का द्रंग-द्रुंग ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ रहा है, जिससे इसके मुहाने पर पानी जमा होकर एक बड़ी अस्थिर झील बन गई है। यह झील कमजोर पत्थरों और मलबे के सहारे टिकी है, जिससे इसके टूटने का डर लगातार बना रहता है। इसके अलावा पिघलती बर्फ से स्थानीय नदी तंत्र और जीव-जंतुओं के प्राकृतिक संतुलन पर भी बुरा असर पड़ रहा है। लद्दाख जैसे ठंडे रेगिस्तान में लोगों की जिंदगी पूरी तरह ग्लेशियर के पिघलने वाले पानी पर निर्भर है। अभी तो बर्फ तेजी से पिघलने की वजह से नदियों में पानी ज्यादा दिख सकता है, लेकिन कुछ सालों बाद जब बर्फ कम हो जाएगी तो गंभीर सूखा पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट से ममता की टीएमसी को झटका

20 बागी एमपी के मामले में फैसले के लिए स्पीकर को नहीं दी समय-सीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी खेमे को बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सर्वोच्च अदालत ने टीएमसी के 20 बागी सांसदों को अयोग्य ठहराए जाने की पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी की मांग वाली याचिका पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को फैसला लेने के लिए कोई समय-सीमा नहीं निर्धारित की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सिर्फ यह मौखिक टिप्पणी की कि लोकसभा स्पीकर से उम्मीद की जाती है कि वह अयोग्यता वाली अर्जी पर जल्द फैसला लें। अभिषेक बनर्जी ने संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत पार्टी के 20 बागी सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग की है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले में बंट गए सुप्रीम जज

एक जज बेंच को भेजने के पक्ष में, दूसरे विरोध में

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून पर बुधवार को बंटा हुआ फैसला दिया है। दो जजों की बेंच को यह फैसला लेना था कि केस पांच जजों की बेंच को भेजा जाए या नहीं।

जस्टिस दीपांकर दत्ता ने मामले को बड़ी बेंच को भेजने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। वहीं जस्टिस एससी शर्मा ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। दोनों जजों ने केस सीजेआई सूर्यकांत के सामने रखने के निर्देश दिए। साथ ही सीजेआई से अनुरोध किया कि वे कि केस की सुनवाई के लिए पांच जजों की स्थायी बेंच बनाने की संभावना पर विचार करें।

- **नियुक्ति पैनल से सीजेआई को हटाने पर सवाल-** याचिकाओं में 2023 के उस कानून की वैधता को चुनौती दी गई है, जो सीईसी और इलेक्शन कमिश्नर्स की नियुक्ति से जुड़ा है। इस कानून में इलेक्शन कमिश्नर्स की नियुक्ति करने वाले चयन पैनल से सीईसी को हटा दिया गया था। इस कानून का बचाव करते हुए केंद्र ने दलीली दी- यह मान लेना गलत होगा कि चयन समिति में संख्या बल होने के कारण प्रधानमंत्री और मंत्री 'बुरी मंशा' से काम करेंगे या लोकतंत्र के खिलाफ जाएंगे। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील पर जस्टिस दत्ता ने कहा कि अदालत प्रधानमंत्री पर भरोसा नहीं करती, ऐसा सवाल ही नहीं है।

आजमगढ़ में पत्नी-बेटे को मारने वाले का एनकाउंटर

- दो पुजारियों की भी की थी हत्या, पूजा कराने से नाराज था

आजमगढ़ (एजेंसी)। यूपी के आजमगढ़ में पत्नी, बेटे और दो पुजारियों की हत्या करने वाला आरोपी एनकाउंटर में मारा गया। पकड़े जाने के डर से उसने अपने 3 बच्चों को कमरे में बंधक बना लिया। 7 घंटे बाद उसने बेटे पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने हत्यारे अरविंद सिंह (42) को मार गिराया। बंधक

बनाने के दौरान ही 7 महीने की बच्ची गोद से गिर गई थी। बुधवार दोपहर को इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। अरविंद के परिवार में अब मां कमला देवी (70), बेटी परी (5) बची है। घटना जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर अहिरौला थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक, परिवार को शक था कि अरविंद को उसके भाई सुनील की आत्मा परेशान कर रही है। इसलिए पत्नी-मां महामृत्युंजय जाप करा रही थीं। इससे अरविंद नाराज था।

आईआईटी बॉम्बे सुसाइड केस में प्रोफेसर डूला को छुट्टी पर भेजा

जांच के लिए 10 सदस्यीय कमेटी बनाई, साहिल के पिता बोले-आरोपियों की गिरफ्तारी हो

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे ने छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड केस में आरोपी प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को छुट्टी पर भेजा है। उन पर साहिल को उकसाने और जातिगत भेदभाव का आरोप है। 21 सितंबर को डूला को डीन ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव अफेयर्स के पद से हटाया था। संस्थान ने जांच के लिए 10 सदस्यीय हाईलेवल कमेटी बनाई है। कमेटी मौत से पहले की परिस्थितियों और आरोपों की जांच करेगी। इसकी अध्यक्षता आईआईटी पलक्कड़ के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. रमेश वेंकटेश्वरन करेंगे। कमेटी एक हफ्ते में रिपोर्ट देगी। साहिल के पिता रविंद्र वाकोडे ने नामजद आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि परिवार को किसी कमेटी से ज्यादा निष्पक्ष जांच और बेटे के लिए न्याय चाहिए। परिवार ने कहा कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी करेंगे। साहिल 18 सितंबर की शाम

हॉस्टल कमरे में फंदे से लटका मिला था। मामले की जांच मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है। क्राइम ब्रांच एग्जाम हॉल, कैंपस और हॉस्टल की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। साहिल के पिता रविंद्र वाकोडे ने कहा कि नामजद दोनों आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मेघालय में 8 यूडीपी विधायक भाजपा में शामिल

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय की यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी के 8 विधायक बुधवार को नई दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। पार्टी हेडक्वार्टर में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। राज्य में पहले भाजपा के 2 विधायक थे। यूडीपी के 8 विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी के विधायकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। इसके साथ ही भाजपा विधानसभा में नेशनल पीपुल्स पार्टी के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। राज्य में मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस की सरकार है। इसमें भाजपा सहित तीनों पार्टियां शामिल हैं। वहीं यूडीपी के विधायकों की संख्या 12 से घटकर 4 रह गई है।

बीजेपी ने किया बड़ा संगठनात्मक बदलाव

- राज्य प्रभारियों और सह-प्रभारियों की नई नियुक्तियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने बुधवार को सभी राज्यों में अपने नए प्रभारियों और सह प्रभारियों का ऐलान किया। पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से जारी लिस्ट के मुताबिक, स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभारी बनाया गया है। राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड की जिम्मेदारी दी गई है। इस लिस्ट में उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के प्रभारियों के भी नाम है। इन तीनों राज्यों के प्रभारियों की नियुक्ति 18 अगस्त को ही कर दी गई थी। बिहार चुनाव जिताने वाले विनोद तावड़े को यूपी का प्रभारी बनाया गया है। पंजाब की जिम्मेदारी सतीश पूनिया को दी गई है। गुजरात का जिम्मा तरुण चुग को सौंपा गया है।

रफ्तार से गुजर रही गाड़ियों पर पहाड़ों से बरस रहे पत्थर

- दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर नहीं थम रही पत्थरबाजी की घटना
- एमपी के रतलाम और झाबुआ में लगातार पहाड़ों से पत्थरबाजी

झाबुआ (एजेंसी)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का कुछ हिस्सा मध्य प्रदेश से होकर गुजरता है। मध्य प्रदेश के हिस्से में लगातार पत्थरबाजी की खबरें आ रही हैं। बीते दिनों रतलाम में वाहनों के ऊपर जबरदस्त पत्थरबाजी हुई थी। इसमें कई वाहनों को नुकसान पहुंचा था। साथ ही कई लोग घायल भी हुए थे। प्रशासन की सख्ती के बावजूद इस पर लगाम नहीं लग रहा है। दरअसल, यह एक्सप्रेसवे रतलाम जिले से भी होकर गुजरती है। रतलाम वाले हिस्से का एक वीडियो सामने आया है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से गाड़ियों

100 किमी से अधिक की स्पीड से गुजरती हैं। ऐसे में आम लोगों और बाइक सवार इस हाईवे पर प्रतिबंधित हैं। इसे लेकर कई जगहों पर नाराजगी है। अब रतलाम होकर इस एक्सप्रेसवे से जो गाड़ियां गुजरती हैं, उन पर लगातार पत्थरबाजी की घटना घट रही है। हाईवे से गुजर रहे एक वाहन चालक ने वीडियो रिकॉर्ड किया है, इसमें दिख रहा है कि पहाड़ों पर खड़े होकर लोग नीचे पत्थर मार रहे हैं।

झाबुआ में भी पत्थरबाजी, पुलिस असफल- दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे झाबुआ के थांदला से भी गुजरती है। यहां भी पत्थरबाजी हो रही है। थांदला के वीडियो में भी दिख रहा है कि लोग पहाडों पर खड़े हैं और गाड़ियों पर पत्थर मार रहे हैं। ऐसे में वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस लाख कोशिशों के बावजूद पत्थरबाजों पर नकेल नहीं कस पा रही है। मध्य प्रदेश में झाबुआऔर रतलाम से होकर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे गुजरता है। यह दूरी करीब 80 किमी है।

कथित रूप से स्थानीय लोगों में है नाराजगी

एक्सप्रेसवे बनने के कारण स्थानीय लोगों में नाराजगी है। हाइवे निर्माण में आदिवासियों की जमीन चली गई है। साथ ही खेतों के रास्ते बंद हो गए हैं। अब इस तरफ से उस तरफ जाने के लिए लोगों को लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। साथ ही दोनों तरफ बारिश के दिनों में जल भराव भी हो जाता है। बीते दिन हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण करने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पहुंचे थे। उनके काफिले की गाड़ियां फुल स्पीड में थीं, तभी कुछ लोग अचानक से सामने आ गए थे। इसकी वजह से बड़ा हादसा टल गया था। गौरतलब है कि पत्थरबाजी रोकने के लिए रतलाम और झाबुआ की पुलिस लगातार कोशिश कर रही है।

टूथपेस्ट, साबुन और शैंपू पर लाल-हरा निशान लगाना जरूरी

देखकर पता चलेगा प्रोडक्ट शाकाहारी है या नहीं, नियम का उल्लंघन करने पर एक साल की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने टूथपेस्ट, साबुन, शैंपू, कॉस्मेटिक्स और अन्य टॉयलेटरीज के

पैकेट पर हरा या लाल/भूरा बिंदु लगाना अनिवार्य कर दिया है। शाकाहारी सामग्री वाले प्रोडक्ट पर हरा, जबकि मांसाहारी सामग्री वाले प्रोडक्ट पर लाल या भूरा डॉट लगाना होगा। यह निशान पैकेट के मुख्य डिस्प्ले पैनल के ऊपरी हिस्से में लगाया जाएगा। सरकार ने लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 में संशोधन कर यह प्रावधान लागू किया है। 21 सितंबर को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नियम प्रभावी हो गए। नारियल, जैतून, एलोवेरा, शीया बटर जैसी सामग्री पौधों से मिलती है। लैनोलिन भेड़ की ऊन से और कोलेजन-जिलेटिन बनते हैं।

अनमोल वचन

व्यक्ति जीवन में अनेक अकार्य करता है, बार-बार करता है, बार-बार पछताता है, फिर उन अकर्तव्यों को न करने की शपथ लेता है, परन्तु उन त्रुटियों को पुनः-पुनः दोहराता है। कारण यह है कि हम उन अकर्तव्यों को, अधर्म को समाप्त नहीं करते। अकर्तव्यों को जनमने वाला 'प्रमाद' है। प्रमाद है – न पूरे जगे हुए होना और न सोये हुए। ऐसे ही जी रहे हैं कि देखने को तो आंखें खुली हुई हैं, कान फिर भी सुन रहे हैं, बातचीत भी कर रहे हैं, पर यह सब करते हुए भी सोया हुआ है। प्रमाद रूपी तंद्रा से जागो और कर्तव्य-अकर्तव्य के अंतर को समझो, फिर अकर्तव्य करोगे ही नहीं। प्रत्येक आत्मा अनन्त शक्तियों का भंडार होती है, क्योंकि आत्मा परमात्मा का अंश है। उसके सारे गुण और सारे सामर्थ्य परमात्मा से उसको मिले हैं, उससे प्राप्त हुए हैं। प्रमाद के कारण तुम अपनी क्षमताओं, अपने गुणों को पहचान ही नहीं पा रहे हो। तुम अभी बुद्ध नहीं हुए, परन्तु बुद्धत्व की संभावनाएं तो हैं। तुम्हारे भीतर ज्ञानी महान नहीं हो, परन्तु महान बनने की कलाएं तुम्हारे भीतर मौजूद हैं। अभी तुम ज्ञानी नहीं हो, परन्तु ज्ञानी बनने की संभावनाएं तो हैं, परन्तु उन क्षमताओं का उपयोग कर ही नहीं पाते, क्योंकि प्रमाद से बाहर निकल ही नहीं पाते।

नहर के पास चेकिंग में पकड़ा गया युवक, तमंचा और कारतूस बरामद

भोपा पुलिस ने जौली तिराहे पर संदिग्धों की जांच के दौरान की कार्रवाई, मोटरसाइकिल भी सीज

मोरना। भोपा थाना पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। आरोपी जिस मोटरसाइकिल पर सवार था, उसे भी पुलिस ने कब्जे में लेकर सीज कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार उच्चाधिकारियों के निर्देश पर भोपा थाना पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ग्राम जौली में अनूपशहर शाखा नहर के निकट तिराहे पर वाहनों और वहां से गुजर रहे संदिग्ध लोगों की जांच कर रही थी।

चेकिंग के दौरान पुलिस टीम को एक युवक संदिग्ध नजर आया। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से अवैध हथियार बरामद होने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान राहुल शर्मा उर्फ मोन्टी पुत्र कृष्णपाल निवासी ग्राम अथाई, थाना भोपा, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। इसके अलावा उसके पास से हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल संख्या यूपी 12 एएम 1110 भी बरामद हुई, जिसे पुलिस ने सीज कर दिया है। अवैध हथियार बरामद होने के बाद भोपा थाने में आरोपी के खिलाफ मु0अ0सं0 249/2026, धारा 3/25 शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की तैयारी में जुटी है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सुमित चौधरी, मुख्य आरक्षी तैजेन्द्र सिंह, मुख्य आरक्षी सतेन्द्र सिंह और मुख्य आरक्षी पवन कुमार शामिल रहे। पुलिस के अनुसार संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग का अभियान आगे भी जारी रहेगा। अवैध हथियारों की बरामदगी और अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय वर्मा के पर्यवेक्षण में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी भोपा राधा रमण सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार के नेतृत्व में की गई।

जनसेवा केंद्र में छह लाख से ज्यादा की चोरी का 48 घंटे में खुलासा, मुठभेड़ में बदमाश घायल

शेरपुर रजवाहे के पास चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर भागे तीन आरोपी, फायरिंग के बाद बाइक गिरी तो जंगल में भागे–समीर गोली लगने से घायल, सुहैल गिरफ्तार; 2.20 लाख रुपये, बैग, बाइक और तमंचा बरामद, तीसरे आरोपी आशिफ की तलाश जारी

मुजफ्फरनगर। रुड़की रोड स्थित जनसेवा केंद्र में हुई लाखों रुपये की चोरी का कोतवाली नगर पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर खुलासा करने का दावा किया है। बुधवार को शेरपुर रजवाहे के पास चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक, बाइक सवार तीन बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि पुलिस ने कॉम्बिंग के दौरान उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया। तीसरा आरोपी जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार और घायल आरोपियों के कब्जे से जनसेवा केंद्र से चोरी की गई 2.20 लाख रुपये की नकदी, एक बैग, घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और अवैध तमंचा बरामद किया गया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस जंगल में कॉम्बिंग कर रही है।

रुड़की रोड के जनसेवा केंद्र में हुई थी चोरी

सीओ सिटी सिद्धार्थ के मिश्रा ने बताया कि 22 सितंबर को शेरपुर निवासी हामिद हसन ने कोतवाली नगर पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि रुड़की रोड स्थित उसके जनसेवा केंद्र में अज्ञात चोरों ने सेंध लगाकर नकदी चोरी कर ली। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 422/2026, धारा 305/331(4) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया था। घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने जल्द खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया था।

शेरपुर रजवाहे के पास पुलिस ने रोकी बाइक, बदमाशों ने खोल दिया मोर्चा

बुधवार को कोतवाली नगर पुलिस टीम शेरपुर रजवाहे के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर तीन युवक आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक सवार रुकने के बजाय मोटरसाइकिल को शेरपुर की ओर

मोड़कर भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो आरोपियों ने कथित तौर पर पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। बदमाशों की गोलीबारी में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस टीम ने पीछा जारी रखा।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर गिरी, जंगल की ओर भागे तीनों

पुलिस के अनुसार, कुछ दूरी पर तेज रफ्तार होने के कारण बदमाशों की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। बाइक गिरने के बाद तीनों बदमाशों ने पुलिस टीम पर दोबारा फायरिंग की और जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस ने उन्हें फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन बदमाशों ने पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए फायरिंग जारी रखी। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में शेरपुर निवासी समीर पुत्र चांद गोली लगने से घायल हो गया। उसके दो साथी मौके से भाग निकले।

कॉम्बिंग में सुहैल दबोचा, आशिफ जंगल में फरार

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने इलाके में कॉम्बिंग शुरू कर दी। कॉम्बिंग के दौरान पुलिस ने सुहैल पुत्र नफीस निवासी ग्राम शेरपुर को गिरफ्तार कर लिया। वहीं तीसरा आरोपी आशिफ पुत्र अदालत निवासी ग्राम शेरपुर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम जंगल और आसपास के इलाके में तलाश कर रही है। पुलिस ने घायल बदमाश समीर को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ कर चोरी की अन्य घटनाओं और उनके साथियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

2.20 लाख रुपये, बैग और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद

पुलिस के मुताबिक आरोपियों के कब्जे से जनसेवा केंद्र से चोरी की गई 2.20 लाख रुपये की नकदी बरामद हुई है। इसके अलावा एक बैग, घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल नंबर यूपी 12 बीसी 0792 और एक तमंचा बरामद किया गया है। तमंचे के साथ एक जिंदा और एक खोखा कारतूस भी मिला है। बरामद नकदी को पुलिस ने कोतवाली नगर में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 422/2026 से संबंधित बताया है। पुलिस अब बरामदगी और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर चोरी की पूरी घटना की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

पुलिस के अनुसार घायल आरोपी समीर के खिलाफ कोतवाली नगर में चोरी और बरामदगी से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं। उसके खिलाफ वर्ष 2024, 2025 और 2026 में मुकदमे दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। वहीं फरार आरोपी आशिफ का भी आपराधिक इतिहास सामने आया है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ कोतवाली नगर और शाहपुर थाने में चोरी, मारपीट, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के विस्तृत आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। जनसेवा केंद्र में चोरी की घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देश पर पुलिस टीमों को आरोपियों की गिरफ्तारी और घटना के खुलासे के लिए लगाया गया था। पुलिस का कहना है कि महज 48 घंटे के भीतर आरोपियों तक पहुंच बनाई गई और बुधवार को मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की नकदी बरामद कर ली गई। पुलिस अब फरार आशिफ की गिरफ्तारी के साथ यह भी पता लगाने में जुटी है कि जनसेवा केंद्र में चोरी की वारदात को किस तरह अंजाम दिया गया और आरोपियों ने इससे पहले किन घटनाओं को अंजाम दिया है।

खतौली में रिश्तों में इंसानियत की अनूठी मिसाल: बेटे की मौत के बाद सास ने बहू को बेटी मानकर कराया दूसरा विवाह

आर्य समाज मंदिर में सादगी से संपन्न हुआ विवाह

खतौली। पति की असमय मौत के बाद विधवा बहू के सामने खड़ी जिंदगी की मुश्किलों को समझते हुए एक सास ने एक ऐसा ऐतिहासिक और भावुक कदम उठाया है, जो समाज में इंसानियत, संवेदना और त्याग की नई मिसाल बन गया है। सास ने अपनी विधवा बहू को बहू नहीं, बल्कि सगी बेटी का दर्जा देते हुए उसका दूसरा विवाह कराया और पूरे सम्मान के साथ उसे नई जिंदगी शुरू करने के लिए विदा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दयालपुरम निवासी रोहित पुत्र ओमपाल का विवाह करीब आठ वर्ष पहले मीनाक्षा पुत्री मोहन के साथ हुआ था। रोहित अपने पिता ओमपाल के साथ राजमिस्त्री का कार्य करता था। करीब एक माह पूर्व रोहित के पिता ओमपाल की कैंसर की गंभीर बीमारी के कारण मृत्यु हो गई थी। पिता की मृत्यु के सदमे को रोहित बर्दाश्त नहीं कर सका और उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पिता और पति के एक के बाद एक चले जाने से परिवार में मातम छा गया और मीनाक्षा के सामने

दो छोटी बेटियों के पालन-पोषण तथा भविष्य का संकट खड़ा हो गया। बेटे के जाने के गम के बीच रोहित की वृद्ध माता ने अपनी बहू मीनाक्षा की कम उम्र और उसके अंधकारमय भविष्य को देखा। उन्होंने रूढ़िवादी सामाजिक सोच की परवाह किए बिना बहू का जीवन फिर से बसाने का दृढ़ संकल्प लिया। उन्होंने मीनाक्षा को बेटी मानते हुए उसके पुनर्विवाह की पहल की। परिजनों की सहमति से मीनाक्षा का पुनर्विवाह नारायणपुर (कोटपुतली क्षेत्र) निवासी योगेश (पुत्र सुरेश) के साथ तय हुआ, जो चाट का व्यवसाय करते हैं। खतौली स्थित आर्य समाज मंदिर में सादगीपूर्ण वातावरण में परिजनों की मौजूदगी में दोनों का विवाह संपन्न कराया गया। विवाह के उपरांत सास ने अपनी बहू को बेटी की तरह दुलार देकर नए जीवन के लिए विदा किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि रिश्ते केवल खून के नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, अपनत्व और संवेदना से बनते हैं। दुखों के पहाड़ के बीच सास का यह फैसला समाज के लिए एक प्रेरणा है। मीनाक्षा की दो छोटी बेटियां हैं। पुनर्विवाह के बाद तय हुआ कि मीनाक्षा अपनी एक बेटी को अपने साथ नए घर ले जाएगी, जबकि दूसरी बेटी की देखरेख और परवरिश की पूरी जिम्मेदारी उसकी दादी (रोहित की माता) ने अपने ऊपर ले ली। इस तरह दादी ने अपने दिवंगत बेटे की निशानी (पोती) की जिम्मेदारी संभालकर परिवार में संतुलन और प्रेम की मिसाल कायम की। सास के इस साहसिक और मानवीय फैसले की पूरे क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों में जमकर सराहना हो रही है।

मीरापुर के गांव बलीपुरा में बंद मकान से लाखों की चोरी: कुंडा काटकर लाखों के नकदी व जेवरों पर हाथ साफ कर गये बदमाश

पुलिस ने एक अन्य घटना के आरोपी को नकदी संग किया गिरफ्तार

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। थाना क्षेत्र के गांव बलीपुरा में अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए। घटना उस समय हुई जब पीड़ित परिवार मजदूरी के सिलसिले में बाहर गया हुआ था। वहीं, एक अन्य मामले में मुस्तैद पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से नकदी और माल बरामद कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, बलीपुरा निवासी खुशीर्दा पत्नी नूर मोहम्मद अपने परिवार के साथ हरियाणा के यमुनानगर स्थित एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने गई हुई थीं। उनका गांव स्थित मकान काफी समय से बंद पड़ा था। पीड़ित महिला ने बताया कि आगामी दो महीने बाद उनकी दो बेटियों का विवाह होना तय हुआ है। बेटियों की शादी के उपहार स्वरूप उन्होंने पाई-पाई जोड़कर लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण बनवाए थे, जिन्हें कमरे के अंदर संदूक में सुरक्षित रखा गया था।

कुंडा काटकर संदूक से उड़ाए आभूषण

देर रात अज्ञात शातिर चोरों ने सूने मकान के मुख्य गेट का कुंडा काट दिया और अंदर दाखिल हो गए। चोरों ने कमरे में रखे संदूक का ताला तोड़कर उसमें रखे सभी कीमती जेवर समेटे और फरार हो गए। जब ग्रामीणों के जरिए परिजनों को कुंडा कटे होने की सूचना मिली, तो परिवार में कोहराम मच गया। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर माल बरामदगी व चोरों को पकड़े जाने की गुहार लगाई है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल के आसपास स्थापित सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

एक तरफ जहां पुलिस बलीपुरा चोरी मामले की जांच कर रही है, वहीं दूसरी ओर 22 सितंबर को गांव कैथोड़ा में पवन रानी के मकान में हुई चोरी का पुलिस ने त्वरित खुलासा कर दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल आरोपी सोनू पुत्र महावीर (निवासी कैथोड़ा) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से चोरी की 1500 रुपये की नकदी और एक तांबे की परात बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उसका चालान कर न्यायालय में पेश कर दिया।

गोगा म्हाड़ी परिसर में महिला से गाली-गलौज और धमकी, मुकदमा दर्ज

वीडियो रिकॉर्डिंग पेनड्राइव में पुलिस को सौंपी, महिला ने आरोपी से भविष्य में भी परेशानी की जताई आशंका

मुजफ्फरनगर। शाहपुर कस्बे में गोगा म्हाड़ी के प्रांगण में एक महिला के साथ सार्वजनिक रूप से गाली-गलौज और धमकी देने का मामला सामने आया है। महिला की शिकायत पर शाहपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग भी पुलिस को साक्ष्य के तौर पर उपलब्ध कराई है। शाहपुर कस्बे के मोहल्ला सानियान निवासी महिला ने थाना शाहपुर में दी तहरीर में बताया कि वह कस्बा शाहपुर स्थित गोगा म्हाड़ी के प्रांगण में थी। आरोप है कि इसी दौरान मोहल्ला सानियान निवासी मनोज सैनी पुत्र रमेश सैनी ने उसके बारे में सार्वजनिक रूप से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज की और धमकी दी।

तहरीर के अनुसार घटना के समय सोनू सैनी तथा मनोज कश्यप निवासी कस्बा शाहपुर सहित अन्य लोग भी मौके पर मौजूद थे। महिला का आरोप है कि सार्वजनिक स्थान पर उसके साथ इस तरह का व्यवहार किए जाने से उसे मानसिक रूप से काफी परेशानी हुई।

वीडियो रिकॉर्डिंग को बनाया साक्ष्य

महिला ने पुलिस को बताया कि घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध है। उसने वीडियो रिकॉर्डिंग को देखा और सुना, जिसमें घटना से संबंधित बातें रिकॉर्ड होने का दावा किया गया है। वीडियो की प्रति पेनड्राइव में सुरक्षित कर पुलिस को प्रार्थना पत्र के साथ साक्ष्य के रूप में सौंप दी गई। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में आशंका जताई कि आरोपी द्वारा भविष्य में भी उसे परेशान किया जा सकता है अथवा उसके साथ कोई अप्रिय घटना हो सकती है। उसने पुलिस से मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के साथ अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने और घटना की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की। शाहपुर पुलिस ने शिकायत और उपलब्ध कराए गए साक्ष्य के आधार पर आरोपी मनोज सैनी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

काकड़ा में परिवार पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला, गला घोंटने का भी आरोप

चाचा और चाची पर मारपीट का आरोप, पिता–माता और बेटी को गंभीर चोटें लगने का दावा; गोली मरवाने की धमकी देने का भी आरोप

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव काकड़ा में पारिवारिक विवाद को लेकर एक परिवार पर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर शाहपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत में चाचा और चाची पर जानलेवा हमला करने तथा गला घोंटकर जान से मारने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया गया है। गांव काकड़ा निवासी युवती ने थाना शाहपुर में दी तहरीर में आरोप लगाया कि उसके चाचा आजादपाल पुत्र सुखवीरा और चाची शीला ने उसके पिता, माता और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि दोनों ने लाठी-डंडों के साथ लात-घूंसों से हमला किया। पीड़िता के अनुसार, हमले के दौरान उसके चाचा ने गला घोंटकर जान से मारने का प्रयास भी किया।

हमले में तीन लोगों के घायल होने का दावा

तहरीर में पीड़िता ने बताया कि मारपीट में उसके पिता के कान, गर्दन, कमर और हाथ में चोटें आईं। उसकी मां के हाथ, पैर और सिर में चोट लगने का आरोप है। वहीं पीड़िता के शरीर पर भी गंभीर चोटें आने की बात कही गई है। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया कि उसका चाचा दबंग और बदमाश किस्म का व्यक्ति है तथा उसे लगातार परेशान करता है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222
e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

सूचना

मेरी हाई स्कूल यूपी बोर्ड वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1230523602 की मार्कशीट खो गई है विनय कुमार S/o बिजेंद्र कुमार बहेड़ी मुजफ्फरनगर

मीरापुर और जानसठ में श्रम विभाग और पुलिस की छापेमारी: 11 किशोर श्रमिक कराए मुक्त

नियम उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठान स्वामियों के खिलाफ नोटिस जारी

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे बाल श्रम मुक्त अभियान के तहत बुधवार को श्रम विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने मीरापुर तथा जानसठ क्षेत्र में विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस दौरान टीम ने 11 किशोर श्रमिकों को बाल श्रम से मुक्त कराया। वहीं नियम उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठान स्वामियों के खिलाफ नोटिस जारी कर कड़ी चेतावनी दी गई है। यह पूरी कार्रवाई जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय वर्मा के निर्देश तथा सहायक श्रम आयुक्त देवेश सिंह के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई। छापेमारी टीम

का नेतृत्व श्रम प्रवर्तन अधिकारी विंध्याचल शुक्ला ने किया। संयुक्त टीम में मानव तस्करी विरोधी इकाई (AHTU) के प्रभारी सत्येंद्र नगर, उपनिरीक्षक जगत सिंह, राम अवतार, गौरव मलिक तथा ग्रामीण समाज विकास केंद्र के प्रतिनिधि गजेंद्र सिंह शामिल रहे।

फर्नीचर और कपड़ों की दुकानों पर दी दबिश

श्रम विभाग की टीम ने मीरापुर क्षेत्र के व्यस्त मदान चौक और पड़ाव चौक में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की।

इस दौरान मीरापुर में दो फर्नीचर दुकानों और चार कपड़ा दुकानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके बाद टीम ने जानसठ क्षेत्र में भी कई दुकानों और कारखानों में औचक निरीक्षण किया। छापेमारी के दौरान कुल 11 किशोर श्रमिक बाल श्रम करते पाए गए, जिन्हें टीम ने तत्काल मुक्त कराया।

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय तहसील जानसठ मुजफ्फरनगर।

वाद स० टी202409550205454 **सन 2024**

1. मौहम्मद अफजाल पुत्र जरीफ निवासी ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।

बनाम

1. इस्लाम पुत्र रूस्तम निवासी ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।
2. रहमु पुत्र अल्लादिया निवासी ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।
3. मौ० शकील पुत्र सईद निवासी ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।
4. मौ० शमीम अहमद पुत्र सईद निवासी ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।
5. मुजफ्फर पुत्र सईद निवासी ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।
6. वसीम पुत्र सईद निवासी ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।
7. मौ० फुरकान पुत्र रमजानी निवासी ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।
8. मौ० इसरार पुत्र रमजानी निवासी ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।
9. मौ० खालिद पुत्र मुन्तियाज निवासी ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।
10. हुसन जहाँ पत्नि गय्यूर निवासी ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।
11. गांव सभा खेडी फिरोजाबाद द्वारा प्रधान गांव सभा खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।

वाद अन्तर्गत धारा 116 उ०प्र०रा०सहिंता 2006 ग्राम खेडी फिरोजाबाद परगना जौली जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।

हरगाह के दायर की लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख के जो 28-09-26 को 10 बजे के असालतम या मार्फत वकील के जो मुकदमे हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुछ उमूर या मुताल्लुकि मुकदमा को जवाब दे सके और उसी रोज अपना जुमला गवाही को जिस की शहादत पर निजि तमाम दस्तावेजो को जिस पर अपनी जवाब देही की ताईद मे इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करे अगर बरोज मजर आप हाजिर न होगे तो मुकदमा बगैर हाजिर आपके मसमूह फैसला होगा। बस्वत मेरें दस्तख्त और मोहर अदालत के आज बतारीख 21.09.26 ई० जारी किया गया। नकारी/उप जिल

नियत तिथि– 28.09.26

उपजिलाधिकारी जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर।

कार्यालय अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड-1, लो०नि०वि०, मुजफ्फरनगर

अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

पत्रांक: 1483 / 8ए **दिनांक: 18.09.2026**

महामहिम राज्यपाल महोदय, उ०प्र० की ओर से अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड-1, लो०नि०वि०, मुजफ्फरनगर द्वारा लोक निर्माण विभाग में A, B, C, D श्रेणी में मार्ग कार्य हेतु पंजीकृत एवं पात्र अनुमोदित तथा अर्ह ठेकेदार से प्रतिशत दर के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता द्वारा एक या समस्त कार्यो के लिए निविदा दी जा सकती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि कृपया नोट कर ले कि कॉन्ट्रैक्ट के अवार्ड हेतु अर्ह के लिए बिडर्स के निर्देश के क्लॉज-4 के अनुसार न्यूनतम अर्हता रखता है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू० में)	धरोहर धनराशि (लाख रू० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य (जीएसटी सहित)	ठेकेदार श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	सहायक अभियंता पंचम के अधीन विभिन्न मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य।	33.50	3.35	06 माह	500+300+144 = 944	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी, डी

3. वेबसाइट **http://etender.up.nic.in** पर निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं विस्तृत शर्तें तथा बिडिंग डॉक्यूमेंट ऑनलाइन देखे जा सकते हैं।
4. निविदा से सम्बन्धित समस्त अभिलेख वेबसाइट **http://etender.up.nic.in** पर दिनांक **30.09.2026** की प्रातः 11.00 बजे से दिनांक **06.10.2026** को मध्याह्न 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकेंगे। निविदादाताओं द्वारा ऑनलाइन निविदा की अपलोडिंग/डाउनलोडिंग तथा समस्त प्रपत्रों को शासनादेश सं० 3070/78-2-2018-42आई०टी०/2017(22) दिनांक 03.01.2018 के अनुसार जमा किया जाएगा। ऑनलाइन प्राप्त समस्त टेक्निकल बिड दिनांक **06.10.2026** को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेंगी।
5. निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेंट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड-1, लो०नि०वि०, मुजफ्फरनगर

UPID No.: 256900 Dt-.23-09-2026
www.upgov.nic.in

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
गुरूवार 24 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

मंसूरपुर में सरेराह युवक पर जानलेवा फायरिंग, छर्रे लगने से घायल

कबाड़ी की दुकान के सामने साथियों संग बैठा था आर्यन, बाइक सवार तीन युवकों ने पहुंचते ही झोंका फायर; घायल की तहरीर पर तीन नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम उस समय सनसनी फैल गई, जब सड़क किनारे कबाड़ी की दुकान के सामने साथियों के साथ बैठे एक युवक पर बाइक सवार तीन युवकों ने कथित तौर पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। फायरिंग में युवक को छर्रे लग गए, जिससे वह घायल हो गया। वारदात के बाद हमलावर बाइक से मौके से फरार हो गए। घायल युवक की तहरीर पर मंसूरपुर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

साथियों के साथ सड़क किनारे बैठा था युवक

पुलिस को दी गई तहरीर में खानूपुर निवासी आर्यन पुत्र मिंटू ने बताया कि 22 सितंबर 2026 को शाम करीब चार बजे वह अपने साथी शुभम पुत्र भारत सिंह और अभिषेक पुत्र रामभूल, दोनों निवासी खानूपुर, के साथ सड़क पर खालीद कबाड़ी की दुकान के सामने बैठा हुआ था। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन युवक वहां पहुंचे।

बाइक से पहुंचे और फायरिंग कर दी

तहरीर के मुताबिक बाइक पर अविष पुत्र गंगाराम जाटव निवासी सुभाष बिहार मिल मंसूरपुर, मोहित पुत्र रविन्द्र निवासी उपरोक्त तथा विशाल पुत्र ब्रजेश निवासी टावर वाली गली मिल मंसूरपुर सवार थे। आरोप है कि तीनों युवक बाइक से वहां पहुंचते ही आर्यन की ओर फायरिंग करने लगे। अचानक हुई फायरिंग से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

छर्रे लगने से घायल हुआ आर्यन

पीड़ित का आरोप है कि फायरिंग के दौरान गोली के छर्रे उसे लग गए, जिससे वह घायल हो गया। वारदात के बाद तीनों आरोपी बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद घायल आर्यन थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

तीन नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

पीड़ित की तहरीर के आधार पर मंसूरपुर पुलिस ने तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। पुलिस वारदात के पीछे के कारणों का भी पता लगा रही है।

घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा सकते हैं

फायरिंग की वारदात के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि फायरिंग में किस हथियार का इस्तेमाल किया गया और आरोपियों के पास हथियार कहां से आया।

आठ गांवों के मृत पशुओं का हड़बाड़ा बना मुसीबत, दुर्गंध और आवारा कुत्तों के आतंक से पलायन की चेतावनी

चार-पांच साल से समस्या जस की तस, मृत पशुओं के अवशेष खुले में छोड़ने का आरोप; नवविवाहिताएं और मेहमान भी गांव में रुकने से करते हैं परहेज, डीएम को ज्ञापन और मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता

मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम नंगला और आसपास के ग्रामीणों ने गांव की आबादी के नजदीक संचालित हड़बाड़े को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले चार-पांच वर्षों से समस्या जस की तस बनी हुई है। हड़बाड़े में कई गांवों के मृत पशु लाए जाने और उनके अवशेष खुले में पड़े रहने के कारण क्षेत्र में लगातार दुर्गंध बनी रहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि खुले में पड़े पशुओं के अवशेषों को आवारा कुत्ते नोचकर गांव की गलियों और आबादी तक ले आते हैं। इससे गंदगी और दुर्गंध के साथ संक्रमण का खतरा भी बना हुआ है। समस्या का समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों ने एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर गांव से पलायन करने की चेतावनी दी है। बुधवार को मीडिया सेंटर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए रतनपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम नंगला निवासी मुरसलीन, आमिर और आकिल समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि नंगला, रियावली, भंडवाड़ा, नाहली, पीटलोककर, कल्याणपुर, छोटी मंडावली और टोढ़ा समेत करीब आठ गांवों के मृत पशुओं को हड़बाड़े में लाया जाता है। ग्रामीणों के अनुसार लगातार मृत पशु आने के कारण हड़बाड़े में अवशेषों का ढेर बढ़ता जा रहा है। आबादी के नजदीक होने के कारण आसपास के लोगों को हर समय दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने हड़बाड़े के ठेकेदार फारुख पुत्र

अब्दुलहक निवासी नंगला पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का दावा है कि मृत पशुओं की खाल निकालने के बाद उनके अवशेषों को खुले में छोड़ दिया जाता है। इसके बाद आवारा कुत्ते इन अवशेषों को नोच-नोचकर खाते हैं और कई बार मांस के टुकड़ों को गांव की गलियों तथा आबादी के आसपास तक ले आते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इससे गांव में गंदगी और दुर्गंध का वातावरण बना रहता है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हड़बाड़े में पड़े मृत पशुओं के अवशेष खाने वाले आवारा कुत्ते हिंसक हो गए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक राहगीरों पर कुत्तों के हमला करने की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष रूप से खतरा बना रहता है। हड़बाड़े के आसपास रहने वाले परिवारों का कहना है कि उन्हें दुर्गंध के साथ-साथ आवारा कुत्तों के हमले की आशंका के बीच रहना पड़ता है। ग्रामीणों ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गांव में मृत पशु डाले जाने के बाद उठने वाली दुर्गंध कई बार इतनी तेज होती है कि घरों में रहना मुश्किल हो जाता है।

ग्रामीणों का दावा है कि गांव में नई शादी होकर आने वाली नवविवाहिताएं तक दुर्गंध के कारण यहां रहने को तैयार नहीं होतीं। वहीं रिश्तेदार और मेहमान भी गांव में आने के बाद ज्यादा समय रुकने से परहेज करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या पिछले चार-पांच वर्षों से बनी हुई है। इस संबंध में एसडीएम, पटवारी और अन्य अधिकारियों को कई बार लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं। ग्रामीणों के मुताबिक थाना रतनपुरी में भी शिकायतें की गईं, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से उनका धैर्य जवाब देने लगा है। प्रेस वार्ता में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि समस्या को लेकर हड़बाड़े के ठेकेदार फारुख से कई बार शिकायत और बातचीत की गई।

विजन ट्रेड इंडिया के नाम पर करोड़ों की साइबर ठगी का खुलासा

विदेशी व्यापारिक ऑर्डर और फर्जी खरीदार दिलाने का झांसा देकर व्यापारियों से ऐंठते थे लाखों रुपये, साइबर क्राइम पुलिस ने तीन शातिरों को दबोचा

मुजफ्फरनगर। विदेशी खरीदार उपलब्ध कराने और बड़े व्यापारिक ऑर्डर दिलाने का झांसा देकर देशभर के व्यापारियों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का मुजफ्फरनगर साइबर क्राइम पुलिस ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने विजन ट्रेड इंडिया नाम की वेबसाइट के जरिए व्यापारियों को अपने जाल में फंसाने वाले तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन, पैन कार्ड, कंपनी से संबंधित दस्तावेज और आईसीई-यूके के फर्जी प्रमाण-पत्र बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह द्वारा विजन ट्रेड इंडिया नाम की वेबसाइट के माध्यम से थोक व्यापारियों को देश-विदेश में सामान बेचने और बड़े व्यापारिक ऑर्डर दिलाने का झांसा दिया जाता था। आरोपियों द्वारा कृषि उत्पाद, कपड़े एवं फैशन सामग्री, वाहन कल-पुर्जे, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर, रसायन सहित अलग-अलग उत्पादों के लिए विदेशी खरीदार और बड़े व्यापारिक ऑर्डर उपलब्ध कराने का

दावा किया जाता था। पुलिस जांच में सामने आया कि व्यापारियों को पहले कंपनी से जुड़ने के लिए सदस्यता और सेवा शुल्क जमा करने के लिए कहा जाता था। व्यापारी जब इनके झांसे में आकर रकम जमा कर देते थे तो इसके बाद उनसे प्रमाण-पत्र और सत्यापन के नाम पर अतिरिक्त रकम मांगी जाती थी। इस तरह अलग-अलग मदों में व्यापारियों से लगातार धनराशि ऐंठी जाती थी।

जीएमपी, आईएसओ और आईसीई-यूके तक के फर्जी प्रमाण-पत्र

जांच के दौरान पुलिस ने जब गिरोह द्वारा व्यापारियों को उपलब्ध कराए गए प्रमाण-पत्रों की ऑनलाइन जांच की तो जीएमपी, आईएसओ और आईसीई-यूके से संबंधित प्रमाण-पत्रों के फर्जी होने की जानकारी सामने आई। आरोप है कि व्यापारियों का भरोसा जीतने के लिए कूटरचित दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जाता था। गिरोह की ठगी का तरीका बेहद सुनियोजित बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक व्यापारियों से रकम हासिल करने के बाद उन्हें लंबे समय तक वास्तविक व्यापारिक सौदे अथवा खरीदार उपलब्ध नहीं कराए जाते थे। जब व्यापारी अपने ऑर्डर अथवा रकम को लेकर संपर्क करते थे तो कुछ समय बाद आरोपी फोन और व्हाट्सऐप संदेशों का जवाब देना बंद कर देते थे।

30 से अधिक शिकायतों में डेढ़ करोड़ की ठगी सामने आई

साइबर क्राइम पुलिस की विस्तृत जांच में अलग-अलग राज्यों से जुड़ी 30 से अधिक साइबर अपराध की शिकायतों में करीब डेढ़ करोड़ रुपये की धोखाधड़ी सामने आई है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य मोबाइल नंबरों, बैंक खातों और दूसरी शिकायतों की भी जांच कर रही है। जांच आगे बढ़ने के साथ ठगी की रकम और पीड़ितों की संख्या बढ़ने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। प्रतिबिम्ब पोर्टल से मिला सुराग पुलिस को इस गिरोह तक पहुंचने में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के ऑनलाइन पोर्टल ह्यप्रतिबिम्बह्न से महत्वपूर्ण सुराग मिला। पोर्टल पर दर्ज मुजफ्फरनगर से संबंधित साइबर अपराध की शिकायतों में ठगी की रकम मुजफ्फरनगर क्षेत्र से एटीएम के माध्यम से निकाले जाने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद साइबर क्राइम पुलिस ने शिकायतों का तकनीकी विश्लेषण शुरू किया और मोबाइल नंबरों तथा बैंक खातों की जांच करते हुए गिरोह तक पहुंच बनाई। फर्जी दस्तावेज और बैंक खातों का करते थे इस्तेमाल

पुलिस के अनुसार आरोपियों द्वारा व्यापारियों को विश्वास में लेने के लिए फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार किए जाते थे। ठगी की रकम हासिल करने के लिए विभिन्न बैंक खातों का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस अब इन खातों के लेन-देन और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

तीन आरोपी गिरफ्तार

साइबर क्राइम पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में विशाल सैनी पुत्र राजेन्द्र सैनी निवासी रिक्शा स्टैंड के पास, पारासौली, थाना बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर, गौरव कुमार पुत्र बच्चा बाबू शाह निवासी डब्ल्यूजेड-721, बाटा चौक, बडियाल मोहल्ला, पालमगांव, नई दिल्ली, मूल निवासी ग्राम बिरौली, थाना बिरोट, दरभंगा, बिहार तथा शिवम कुमार पुत्र गिरजानन्द कुमार निवासी ककरौली हाउसिंग सोसाइटी, द्वारिका, नई दिल्ली, मूल निवासी ग्राम गंगापट्टी, थाना बहादुरपुर, दरभंगा, बिहार शामिल हैं।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत, पांच वर्षीय बच्चा घायल, जड़ौदा के निकट हादसा, उपचार के लिए ले जाते समय महिला ने तोड़ा दम; ट्रक चालक गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में हाइवे पर जड़ौदा के निकट बुधवार को तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार 25 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पांच वर्षीय बच्चा घायल हो गया। घायल बच्चे के हाथ में फ्रैक्चर बताया गया है। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी पूजा अपने पति और पांच वर्षीय बच्चे अमृत के साथ स्कूटी पर मुजफ्फरनगर में रिश्तेदारी में मिलने आई थी। बुधवार को परिवार स्कूटी से वापस दिल्ली लौट रहा था। जैसे ही वे मंसूरपुर थाना क्षेत्र में जड़ौदा के निकट पहुंचे, पीछे से तेज

गति से आए ट्रक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही स्कूटी सवार सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में पूजा को गंभीर चोटें आईं। परिजन और आसपास मौजूद लोगों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वहीं पांच वर्षीय अमृत भी घायल हो गया। उसके हाथ में फ्रैक्चर बताया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही मंसूरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी विपिन त्यागी ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रेलवे स्टेशन की ओर जा रहा था स्मैक बेचने, माल रोड पर पुलिस ने दबोचा

ऑपरेशन सवेरा के तहत सिविल लाइन पुलिस की कार्रवाई, 60 हजार रुपये की तीन ग्राम स्मैक और बिक्री के 640 रुपये बरामद

मुजफ्फरनगर। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा के तहत थाना सिविल लाइन पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक आरोपी को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से तीन ग्राम स्मैक (हेरोइन) बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई गई है। इसके अलावा स्मैक की बिक्री से प्राप्त 640 रुपये की नकदी भी पुलिस ने बरामद की है। आरोपी की गिरफ्तारी माल रोड क्षेत्र से की गई। पुलिस के मुताबिक थाना सिविल लाइन क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ ऑपरेशन सवेरा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 22 सितंबर 2026 की रात पुलिस टीम माल रोड पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से तीन ग्राम स्मैक और बिक्री के 640 रुपये बरामद हुए।

पूछताछ में आरोपी की पहचान सरफराज पुत्र असलम उर्फ लालू, निवासी ए टू जेड रोड, तालाब के पास, किदवई नगर, थाना खालापार के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह खुद स्मैक का सेवन करता है और अपने खर्चे निकालने के लिए स्मैक की खरीद-फरोख्त भी करता है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह स्मैक की एक पुड़िया करीब 300 रुपये में बेचता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने यह भी बताया कि बरामद 640 रुपये उसे स्मैक बेचकर ही मिले थे। वह सुनसान स्थानों पर आने-जाने वाले लोगों को स्मैक बेचता था। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि घटना के समय भी वह स्मैक बेचने के लिए रेलवे स्टेशन की ओर जा रहा था, इसी दौरान पुलिस ने उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी से पुलिस उसके फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक की जानकारी जुटा रही है। जांच का फोकस इस बात पर है कि आरोपी स्मैक कहां से हासिल करता था और इसे किन लोगों तक पहुंचाता था। पुलिस बरामद मादक पदार्थ की सप्लाई से जुड़े अन्य संभावित लोगों की भी जानकारी जुटा रही है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बरामदगी और गिरफ्तारी के संबंध में अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार सरफराज का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ मुजफ्फरनगर के विभिन्न थानों में चोरी, बरामदगी, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट से संबंधित कई मुकदमे दर्ज बताए गए हैं।

पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ थाना भोपा में वर्ष 2020 में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और चोरी की संपत्ति से संबंधित मामले, थाना बुढ़ाना में चोरी और बरामदगी, थाना खतौली में चोरी, बरामदगी और आर्म्स एक्ट तथा थाना कोतवाली नगर में हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट से जुड़े मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा वर्ष 2026 में थाना कोतवाली नगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज होना बताया गया है।

पंचायत चुनावी रंजिश में हत्या के 26 साल पुराने मामले में सात दोषी

पूर्व प्रधान पति समेत सात आरोपितों को अदालत ने ठहराया दोषी, दो को किया दोषमुक्त

मुजफ्फरनगर। चुनावी रंजिश में युवक और उसके साथियों पर हमला कर फायरिंग करने तथा एक व्यक्ति की हत्या के करीब 26 साल पुराने मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय, फास्ट ट्रैक कोर्ट-1 की पीठासीन अधिकारी ज्योत्सना सिवाच की अदालत ने मामले में पूर्व प्रधान के पति बसंत समेत सात आरोपितों को दोषी ठहराया है। वहीं दो आरोपितों को अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर दोषमुक्त कर दिया। मुकदमे के दौरान एक आरोपित गन्ना सोसायटी के पूर्व चेयरमैन धूम सिंह की मौत हो गई थी, जिसके बाद उसके खिलाफ चल रही कार्रवाई समाप्त कर दी गई। दोषी ठहराए गए सभी आरोपितों की सजा के बिंदु पर 26 सितंबर को सुनवाई होगी।

पंचायत चुनाव की रंजिश बनी थी हमले की वजह

अभियोजन पक्ष के अनुसार धीराहेड़ी निवासी जसवीर के कुटुंब के वेदपाल की पत्नी हरवीरी और महमूदपुर माजरा निवासी बसंत की पत्नी ने पंचायत चुनाव लड़ा था। चुनाव में हरवीरी को हार का सामना करना पड़ा था। अभियोजन के मुताबिक हरवीरी का समर्थन करने को लेकर बसंत और उसके पक्ष के लोगों में जसवीर के परिवार से चुनावी रंजिश चली आ रही थी। इसी रंजिश के चलते 20 सितंबर 2000 को खूनी वारदात हुई थी।

स्कूल से घर लौट रहे थे तीन युवक

मामले में जसवीर सिंह ने 20 सितंबर 2000 को भोपा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तहरीर के मुताबिक उनका भतीजा जयविन्द्र पुत्र धर्मवीर गांव के रूपक और गौतम के साथ जनता इंटर कॉलेज भोपा से छुट्टी होने के बाद घर लौट रहा था। तीनों जब गांव धीराहेड़ी में धूम सिंह के मकान के सामने पहुंचे तो वहां मौजूद आरोपितों ने रूपक और गौतम को पकड़ लिया।

दोनों युवकों को पीटकर घर में ले जाने का आरोप

अभियोजन के अनुसार आरोपितों ने रूपक और गौतम के साथ मारपीट की और उन्हें खींचकर धूम सिंह के मकान के अंदर ले गए। जयविन्द्र ने घटना की जानकारी अपने स्वजन को दी। इसके बाद परिवार और गांव के कई लोग दोनों युवकों को आरोपितों के कब्जे से छुड़ाने के लिए मौके पर पहुंचे।

छुड़ाने पहुंचे लोगों पर बरसीं गोलियां

अभियोजन पक्ष के मुताबिक धर्मवीर, सत्यपाल, संजीव, सुरेंद्र, लोटन सिंह, विनोद, रविंद्र और धर्मपाल समेत अन्य लोग दोनों युवकों को छुड़ाने के लिए धूम सिंह के मकान पर पहुंचे। आरोप है कि इसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने बंदूक, पिस्टल और तमंचों से फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई लोग गोली लगने तथा अन्य चोटों से घायल हो गए।

रविंद्र की मेरठ ले जाते समय मौत

फायरिंग की घटना में सुरेंद्र, रविंद्र समेत कई लोग घायल हुए थे। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर हालत के चलते रविंद्र और सत्यपाल को मेरठ रेफर किया गया था। लेकिन मेरठ ले जाते समय रास्ते में ही रविंद्र ने दम तोड़ दिया। इसके बाद मामला हत्या में बदल गया और पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई आगे बढ़ाई।

पुलिस ने 10 आरोपितों के खिलाफ दाखिल किया था आरोप-पत्र

घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू की। विवेचना पूरी करने के बाद पुलिस ने कुल 10 आरोपितों के खिलाफ आरोप-पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। लंबे समय तक चली न्यायिक प्रक्रिया के दौरान अभियोजन पक्ष ने घटना को साबित करने के लिए कुल 12 गवाह न्यायालय के समक्ष पेश किए। गवाहों के बयान और मामले में प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत में सुनवाई आगे बढ़ी।

26 साल बाद अदालत का आया फैसला

करीब 26 वर्ष तक चली सुनवाई के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायालय, फास्ट ट्रैक कोर्ट-1 की अदालत ने मामले में फैसला सुनाया। अदालत ने पूर्व प्रधान के पति बसंत समेत सात आरोपितों को दोषी ठहराया। दोषी ठहराए गए आरोपितों में अनिल, रविंद्र, नवाब, संजीव, पंकज और प्रीतम शामिल हैं।

दो आरोपितों को अदालत ने किया दोषमुक्त

मामले में नामजद धूम सिंह के पुत्र गुलवीर और ओमवीर को अदालत ने दोषमुक्त कर दिया। अदालत के फैसले के बाद दोनों के खिलाफ मुकदमे की कार्रवाई समाप्त हो गई। वहीं मामले के एक अन्य आरोपित और गन्ना सोसायटी के पूर्व चेयरमैन धूम सिंह की मुकदमे की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद उसकी फाइल बंद कर दी गई थी।

26 सितंबर को तय होगी दोषियों की सजा

अदालत द्वारा सात आरोपितों को दोषी ठहराए जाने के बाद अब उनकी सजा के बिंदु पर सुनवाई होगी। अदालत ने इसके लिए 26 सितंबर की तारीख निर्धारित की है। इस दिन अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद अदालत दोषियों को दी जाने वाली सजा पर फैसला करेगी।

अभियोजन ने 12 गवाहों से मजबूत किया पक्ष

जिला शासकीय अधिवक्ता राजीव शर्मा, अपर जिला शासकीय अधिवक्ता अरुण कुमार और अधिवक्ता अनोद बालियान ने अभियोजन की ओर से पैरवी की। अभियोजन पक्ष ने अदालत के सामने घटना से जुड़े 12 गवाह पेश किए और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपों को साबित करने का प्रयास किया। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने सात आरोपितों को दोषी करार दिया।

चुनावी विवाद से शुरू हुआ मामला पहुंचा हत्या तक

करीब ढाई दशक पहले पंचायत चुनाव को लेकर शुरू हुई रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया था। स्कूल से घर लौट रहे युवकों को पकड़ने और उनके साथ मारपीट के बाद उन्हें छुड़ाने पहुंचे लोगों पर फायरिंग हुई थी। इस घटना में कई लोग घायल हुए और रविंद्र की जान चली गई। अब इतने लंबे समय बाद अदालत के फैसले ने इस पुराने हत्याकांड की सुनवाई में एक अहम पड़ाव तय किया है। 26 सितंबर को होने वाली सजा पर सुनवाई के बाद मामले की न्यायिक प्रक्रिया में अगला महत्वपूर्ण फैसला सामने आएगा।

मुजफ्फरनगर में स्वास्थ्य विभाग का निजी अस्पताल पर छापा: ऑपरशन टेबल पर मरीज को छोड़कर भागे डाक्टर, पित्त की थैली के ऑपरेशन की थी तैयारी

अस्पताल में मौजूद तीमारदारों इस छापेमारी का किया विरोध, तो बिना कार्रवाई के वापस लौटी टीम

मुजफ्फरनगर। जनपद में स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलती एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। हिंदू युवा वाहिनी की ओर से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया को एक गंभीर शिकायत दी गई थी कि शहर के काली नदी रोड पर 'स्काई हॉस्पिटल' का संचालन पूरी तरह से अनधिकृत (अवैध) रूप से किया जा रहा है। सबसे खतरनाक बात यह थी कि इस अस्पताल में एक ऐसा चिकित्सक प्रैक्टिस कर रहा था, जिसे स्वास्थ्य विभाग द्वारा पहले से ही प्रतिबंधित किया गया था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ के निर्देश पर डिप्टी सीएमओ डॉ. अजय कुमार ने पुलिस बल और हिंदू युवा वाहिनी के

कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार की शाम स्काई हॉस्पिटल पर औचक छापा मारा। जब स्वास्थ्य विभाग की टीम अस्पताल के अंदर दाखिल हुई, तो वहां हड़कंप मच गया। टीम के निरीक्षण के दौरान सामने आया कि अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में एक मरीज के पित्त की थैली का ऑपरेशन किए जाने की पूरी तैयारी चल रही थी। मरीज को टेबल पर लिटाया जा चुका था। जैसे ही चिकित्सक डॉ. एस.सी. मिश्रा को स्वास्थ्य विभाग की टीम के आने की भनक लगी, वे अपनी नैतिक और चिकित्सीय जिम्मेदारियों को ताक पर रखकर मरीज को ऑपरेशन थिएटर में ही अकेला छोड़कर मौके से फरार हो गए। उस समय अस्पताल में कुछ अन्य मरीज भी भर्ती थे, जिनका इलाज किया जा रहा था। अस्पताल के भीतर जब यह हंगामा चल रहा था, तभी वहां मौजूद कुछ तीमारदारों (मंजूरों के परिजनों) और स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा साथ आए हिंदू युवा वाहिनी के पदाधिकारियों का कड़ा विरोध शुरू कर दिया। विरोध-प्रदर्शन और बिगड़ते माहौल को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बिना किसी ठोस कानूनी कार्रवाई के ही अस्पताल से वापस लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। डाक्टर को तलब किया, तो दी सफाई इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने चिकित्सक डॉ. एस.सी. मिश्रा को तलब किया और उनसे पूछताछ की। पूछताछ के दौरान डॉक्टर ने सफाई दी कि अस्पताल के पंजीकरण के लिए आवेदन किया जा चुका है, हालांकि इस बात का कोई पुख्ता जवाब वे मौके पर नहीं दे सके कि प्रतिबंधित होने के बावजूद वे ऑपरेशन की तैयारी क्यों कर रहे थे। इस घटना के बाद से स्थानीय स्वास्थ्य प्रशासन पर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं।

संपादकीय

अमेरिका में 'दफा हो जाओ मिस्टर सिंह', विवादित पोस्टर, सिख समुदाय में भारी आक्रोश

अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने व्यावसायिक चालकों के खिलाफ विज्ञापन में 'मिस्टर सिंह' का नाम देकर नस्ली पूर्वाग्रह दर्शाया। सिख समुदाय के कड़े विरोध के बाद विवादित पोस्टर वापस लेना पड़ा। इस दौर में 'एक विश्व, एक परिवार' या 'वसुधैव कुटुंबकम्' जैसे नारों के साथ दुनिया के आगे का रास्ता तय करने की बातें की जा रही हैं, उसमें अगर किसी खास समूह या वर्ग को लक्षित करके उसे हाशिये से बाहर करने का संदेश प्रचारित किया जाए, तो इससे ज्यादा अफसोसनाक और क्या हो सकता है।अमेरिका में गृह सुरक्षा विभाग ने बिना लाइसेंस वाले व्यावसायिक चालकों के खिलाफ अपने अभियान को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई छवियों का इस्तेमाल किया, जिसमें सूत्रवाक्य यह दिया गया था कि 'दफा हो जाओ मिस्टर सिंह, तुम्हें वाहन चलाना नहीं आता..!'निश्चित रूप से नियमों को ताक पर रखने वाले चालकों से सड़क पर दूसरों के जीवन के लिए भी खतरा ही होता है। इसलिए इस तरह सड़क पर जोखिम बनने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई पर शायद ही किसी को आपत्ति हो, लेकिन इस बहाने से जिस तरह प्रचार में एक खास समुदाय को चिह्नित करने वाले वाक्यांश का इस्तेमाल किया गया, उसने सड़क को सुरक्षित बनाने के समूचे विज्ञापन को ही सवालों के घेरे में ला खड़ा किया।इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जिस अमेरिका में श्वेत वर्चस्व, नाजीवाद और फासीवाद जैसे नस्ली विचारों का व्यापक विरोध होता रहा है, वहां किसी पोस्टर में दुराग्रहों का ऐसा प्रदर्शन खुद सरकार के मातहत एक विभाग के जरिए हो। स्वाभाविक ही अमेरिका में रहने वाले सिख समुदाय सहित अन्य लोगों ने भी इस पर तीखी आपत्ति जाहिर की और पोस्टर को 'नस्लवादी' और 'भारत विरोधी' बताया।हो सकता है कि अमेरिका में कुछ ऐसे सड़क हादसे हुए हों, जिनमें चालक की पहचान वहां अवैध रूप से रहने वाले भारतीय के रूप में पाई गई हो, लेकिन इसका मतलब यह नहीं हो जाता कि इस बहाने 'सिंह' उपनाम से पहचाने जाने वाले समूचे समुदाय को निशाना बनाया जाए। लेकिन सवाल है कि आधुनिक मूल्यों का वाहक होने का दावा करने वाले अमेरिका में आज भी इस तरह की संकीर्ण नस्ली दृष्टि कैसे फल-फूल रही है कि वह किसी सरकारी महकमे के विज्ञापन में भी अभिव्यक्त हो जाती है!

यह विधेयक अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों पर सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत और चीन इसके निशाने पर हैं। इसके पीछे अमेरिकी रणनीति रूस की ऊर्जा आय को चोट पहुंचाने की है, ताकि यूक्रेन युद्ध के लिए मास्को को मिलने वाले आर्थिक संसाधनों पर दबाव बनाया जा सके। विधेयक में रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों के साथ-साथ प्रतिबंधों से बचने वाले उसके जहाजी बेड़े पर भी शिकंजा कसने का प्रावधान है।

मोदी को 'धमकाना' ट्रंप को पड़ा भारी! रूसी तेल पर अमेरिका के नए दांव का भारत ने दिया करारा जवाब

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि जिस विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, वह करीब डेढ़ साल तक अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं के बीच अटका रहा। लेकिन इस महीने यानि सितंबर 2026 में तस्वीर अचानक बदल गई।

कहने को तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त कहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि शायद वह मोदी को अब तक अच्छे से जान ही नहीं पाए हैं। देखा जाये तो जो लोग नरेंद्र मोदी को जानते नहीं, वह अक्सर धमकियों, प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव के सहारे उन्हें झुकाने का सपना देखते हैं। लेकिन मोदी का संकल्प साफ है कि भारत के हितों से समझौता नहीं होगा और देश को किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने नहीं देना है। उनके हर फैसले में यही दृढ़ता दिखाई देती है। दूसरी ओर, ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से ही भारत पर दबाव बनाने के लिए शुल्क, व्यापारिक दबाव और रूस से तेल खरीद बंद कराने जैसी तमाम कोशिशें कीं, लेकिन नई दिल्ली ने हर बार अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रखा। अब अमेरिका एक बार फिर टैरिफ रूपी आर्थिक हथियार लेकर मैदान में उतरा है, लेकिन मोदी सरकार ने भी बिना देर किए वाशिंगटन को साफ संदेश दे दिया है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हित किसी विदेशी दबाव की कीमत पर तय नहीं होंगे।

हम आपको बता दें कि जिस विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, वह करीब डेढ़ साल तक अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं के बीच अटका रहा। लेकिन इस महीने यानि सितंबर 2026 में तस्वीर अचानक बदल गई। भारत में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ सक्रिय कूटनीतिक भागीदारी के कुछ ही दिनों बाद अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने रूस और ईरान पर नए प्रतिबंधों वाला विधेयक पारित कर दिया। घटनाक्रम का समय भले ही संयोग हो, लेकिन संदेश बेहद स्पष्ट है कि वाशिंगटन रूस से जुड़े देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए अब शुल्क को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने को तैयार है।

लेकिन भारत ने भी अमेरिका को उसी क्षण जवाब दे दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत अपने 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा खरीदता रहेगा। इतना ही नहीं, नई दिल्ली ने अमेरिका को याद दिलाया कि इस कदम के भारत-अमेरिका संबंधों के साथ-साथ पूरे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों के बारे में अमेरिकी पक्ष को पहले ही उच्च स्तर पर स्पष्ट रूप से बताया जा चुका है। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। यानी अमेरिका शुल्क की धमकी दे सकता है, लेकिन भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा की कीमत पर किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने के लिए तैयार नहीं है।

दरअसल, जिस विधेयक को अब 'लिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026' कहा जा रहा है, उसकी कहानी डेढ़ साल पुरानी है। अप्रैल 2025 में लिंडसे ग्राहम और रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रूस के खिलाफ कड़े प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिबंधों की पहल की थी। इसके बाद लंबे समय तक इसे कांग्रेस और प्रशासन के बीच समर्थन जुटाने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। जुलाई 2026 में व्हाइट हाउस से सहमति बनने के बाद इसकी राह खुली। अगस्त में सीनेट ने इसे 86 के मुकाबले 11 मतों से पारित किया और 16 सितंबर को प्रतिनिधि सभा ने 262 के मुकाबले 159 मतों से इसे मंजूरी दे दी।

यह विधेयक अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों पर सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत और चीन इसके निशाने पर हैं। इसके पीछे अमेरिकी रणनीति रूस की ऊर्जा आय को चोट पहुंचाने की है, ताकि यूक्रेन युद्ध के लिए मास्को को मिलने वाले आर्थिक संसाधनों पर दबाव बनाया जा सके। विधेयक में रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों के साथ-साथ प्रतिबंधों से बचने वाले उसके जहाजी बेड़े पर भी शिकंजा कसने का प्रावधान है। लेकिन अमेरिका शायद यह भूल रहा है कि भारत रूस से तेल किसी राजनीतिक एहसान के लिए नहीं खरीद रहा।

भारत की जरूरत है सस्ती, विश्वसनीय और लगातार उपलब्ध ऊर्जा। 2022 में रूस भारत के लिए कोई बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता नहीं था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप द्वारा रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाए जाने से रूस का कच्चा तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ और भारत ने अपने आर्थिक हित में इसे खरीदना शुरू किया। इसके बाद रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया। वित्त वर्ष 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी हिस्सेदारी 30.3 प्रतिशत रही और करीब 134.7 अरब डॉलर के कुल आयात में रूस से आने वाले तेल की कीमत 40.8 अरब डॉलर रही। जुलाई 2026 में तो भारत के आयातित तेल में रूसी हिस्सेदारी आधे से भी ज्यादा पहुंच गई।

इसके अलावा, आज वैश्विक परिस्थितियों को देखें तो वह भी सामान्य नहीं हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध और आपूर्ति संकट ने तेल बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाएं हैं और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत भी दबाव में हैं। भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीदता है, लेकिन रूस और पश्चिम एशिया उसकी ऊर्जा सुरक्षा के मुख्य आधार बने हुए हैं। ऐसे समय में अचानक रूसी तेल बंद करना केवल रूस के खिलाफ फैसला नहीं होगा, बल्कि भारत की अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा असर डाल सकता है।

यही कारण है कि पिछले साल अमेरिकी दंडात्मक शुल्क भी भारत को रूसी तेल से पूरी तरह दूर नहीं कर सके। भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद में बड़ी कटौती तब की जब रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर सीधे प्रतिबंध लगाए गए और व्यापार करना कठिन हो गया। लेकिन जैसे ही पश्चिम एशिया में आपूर्ति संकट गहराया, भारत ने फिर रूसी तेल की खरीद बढ़ा दी। जुलाई में रूसी तेल की खरीद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इससे एक बात साफ होती है कि भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा कोई सौदेबाजी का विषय नहीं है।

यहां इस पूरे घटनाक्रम का सामरिक महत्व सामने आता है। अमेरिका रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना चाहता है। जबकि रूस भारत की ऊर्जा सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। चीन भी रूसी ऊर्जा का बड़ा खरीदार है। साथ ही भारत एक साथ अमेरिका, रूस, चीन, ईरान तथा पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने हितों का संतुलन साध रहा है। ऐसे में नई दिल्ली के सामने चुनौती किसी एक खेमे में जाने की नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बचाए रखने की है।

इसके अलावा, ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी की पुतिन और जिनपिंग के साथ बढ़ती कूटनीतिक निकटता ने जिस बदलती विश्व व्यवस्था की तस्वीर अमेरिका के सामने रखी, उसके कुछ ही दिनों बाद अमेरिकी कांग्रेस का रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने वाला कदम कई सवाल खड़े करता है। सवाल उठता है कि क्या वाशिंगटन को यह स्वीकार करना मुश्किल हो रहा है कि दुनिया अब उसकी शर्तों पर नहीं चलती? देखा जाये तो भारत, रूस और चीन का एक मंच पर आना और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था तथा संप्रभु समानता की वकालत करना उस अमेरिकी वर्चस्ववादी सोच के लिए सीधी चुनौती है, जिसमें लंबे समय से आर्थिक ताकत को कूटनीतिक दबाव के हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन बदलती दुनिया का संदेश साफ है। भारत सहित उभरती शक्तियां अब अपने राष्ट्रीय हितों का फैसला किसी बाहरी राजधानी के इशारे पर नहीं करेंगी।

खैर...अब गेंद ट्रंप के पाले में है। अमेरिकी कांग्रेस ने उन्हें सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने की शक्ति दे दी है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सौ प्रतिशत शुल्क स्वतः लागू हो गया। अंतिम निर्णय ट्रंप को करना है। शुल्क कितना होगा, किन वस्तुओं पर लागू होगा और कब लागू होगा, इन सबका असर भारत-अमेरिका व्यापार पर पड़ेगा। भारत का रुख स्पष्ट है कि ऊर्जा सुरक्षा से समझौता नहीं होगा, विकल्पों का विस्तार जारी रहेगा, अमेरिका से बातचीत जारी रहेगी और राष्ट्रीय हितों पर कोई एकतरफा समझौता नहीं होगा। अमेरिकी शुल्क चाहे जितना बड़ा हो, भारत के लिए असली सवाल किसी एक देश को खुश करना नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और रणनीतिक स्वायत्तता सुरक्षित रखना है। विदेश मंत्रालय पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुका है। भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चीन के साथ मिलकर गुस्ताखी कर रहा था पाकिस्तान, तभी भारत ने सीमा आयुक्त आयोग को ही खारिज कर दिया

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि इस आयोग की पहली बैठक इस्लामाबाद में हुई। पाकिस्तान ने इसे द्विपक्षीय संबंधों की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए सीमा प्रबंधन, संयुक्त सीमा सर्वेक्षण, व्यापारिक प्रवाह और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की बात कही।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संवेदनशील भूभाग को लेकर चीन और पाकिस्तान ने एक बार फिर ऐसी कवायद शुरू की है, जिस पर भारत ने कड़ा ऐतराज जताया है। पाकिस्तान और चीन द्वारा बनाए गए तथाकथित सीमा संयुक्त आयोग की पहली बैठक के बाद भारत ने साफ शब्दों में कहा है कि इस आयोग का कोई कानूनी आधार नहीं है और भारतीय भूभाग को लेकर पाकिस्तान को चीन के साथ किसी भी तरह की व्यवस्था करने का कोई अधिकार नहीं है। भारत ने दो टूक कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं तथा कब्जे वाले भारतीय क्षेत्रों को लेकर चीन-पाकिस्तान की कोई भी गतिविधि भारत की संप्रभुता को प्रभावित नहीं कर सकती।

हम आपको बता दें कि इस आयोग की पहली बैठक इस्लामाबाद में हुई। पाकिस्तान ने इसे द्विपक्षीय संबंधों की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए सीमा प्रबंधन, संयुक्त सीमा सर्वेक्षण, व्यापारिक प्रवाह और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की बात कही। बैठक की सह-अध्यक्षता चीन के विदेश मंत्रालय के सीमा एवं महासागरीय मामलों से जुड़े अधिकारी ली या और पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय में चीन मामलों के महानिदेशक बिलाल महमूद चौधरी ने की।

उधर, भारत ने इस पहल को महज दो देशों के बीच सामान्य सीमा सहयोग मानने से साफ इंकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन और पाकिस्तान के बीच ऐसी कोई सीमा नहीं है, जिसे भारतीय भूभाग के संदर्भ में दोनों देश मिलकर वैध रूप दे सकें। भारत ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्रशासित क्षेत्रों को अपना अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा बताते हुए कहा कि पाकिस्तान को अपने अवैध और बलपूर्वक कब्जे वाले भारतीय क्षेत्रों के बारे में किसी व्यवस्था में प्रवेश करने का अधिकार नहीं है।

देखा जाये तो इस पूरे घटनाक्रम की जड़ 1963 में हुए चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते तक जाती है। उस समझौते के तहत पाकिस्तान ने शक्सगाम घाटी के लगभग 5,180 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को चीन के साथ सीमा निर्धारण की व्यवस्था में शामिल किया था। हालांकि भारत ने इसे कभी मान्यता नहीं दी। भारत सरकार ने संसद में भी स्पष्ट किया है कि वह इस तथाकथित समझौते को अवैध और अमान्य मानती है तथा शक्सगाम घाटी को भारतीय क्षेत्र मानती है।

इसका इतिहास 1947-48 के भारत-पाकिस्तान युद्ध और तत्कालीन जम्मू-कश्मीर रियासत की स्थिति से जुड़ता है। भारत का आधिकारिक रुख है कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर कब्जा किया और बाद में उसी क्षेत्र से चीन के साथ समझौता किया। इसलिए पाकिस्तान द्वारा उस भूभाग के संबंध में चीन के साथ कोई भी समझौता अपने आप में अधिकारहीन है।

हम आपको बता दें कि शक्सगाम घाटी और कराकोरम केवल मानचित्र पर दिखाई देने वाली दूरस्थ पहाड़ी जमीन नहीं हैं। यह इलाका चीन के शिनच्यांग क्षेत्र, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और लद्दाख के बीच स्थित अत्यंत संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्र है। इसी व्यापक भूभाग में चीन-पाकिस्तान संपर्क की महत्वपूर्ण आधारभूत संरचनाएं विकसित हुई हैं। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का एक हिस्सा भी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है, जिस पर भारत लगातार आपत्ति जताता रहा है।

रणनीतिक दृष्टि से इसका महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि भारत एक साथ पश्चिमी और उत्तरी मोर्चों पर क्षेत्रीय दबाव का सामना करता है। भारत-चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पिछले वर्षों में सैन्य तनाव और तैनाती ने इस चुनौती को और गंभीर बनाया है। 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों ने तनाव कम करने की दिशा में कुछ कदम उठाए, लेकिन सीमा विवाद का मूल प्रश्न अभी भी अनसुलझा है।

ऐसे समय में कराकोरम क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान द्वारा संयुक्त सीमा तंत्र को सक्रिय करना केवल प्रशासनिक सहयोग के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसका संभावित रणनीतिक अर्थ यह है कि दोनों देश उस भूभाग में अपने पारस्परिक समन्वय को संस्थागत रूप देना चाहते हैं, जोकि भारत का है। इससे भविष्य में सड़क, व्यापार, आवागमन, सर्वेक्षण और सीमा प्रबंधन जैसी गतिविधियों को अधिक संगठित आधार मिल सकता है।

उधर, भारत का जवाब संप्रभुता की स्पष्ट रेखा खींचने वाला संदेश है। नई दिल्ली ने साफ कहा है कि चीन-पाकिस्तान की ऐसी कोई भी सीमा-संबंधी कवायद भारतीय संप्रभुता पर कोई प्रभाव नहीं डाल सकती।

नाराज फूफाओं के अलावा बेफिक्र मामाओं से भी सावधान

राष्ट्रीय सुरक्षा पर राजनीतिक विमर्श में पारदर्शिता और गोपनीयता के बीच संतुलन की कसौटी हमेशा बनी रहनी चाहिए। विपक्षी दलों पर सरकार के प्रत्येक निर्णय की आलोचना करने, नीतियों की नकारात्मक व्याख्या करने अथवा संदेह पैदा करने के आरोप समय-समय पर सत्ता पक्ष द्वारा लगाये जाते रहे है जिस पर विपक्ष सरकार से सवाल करना लोकतंत्र की अनिवार्य प्रक्रिया का अंग मानकर आरोपों का खण्डन करता रहा है। समस्या विरोध में नहीं बल्कि विरोध के तरीके में खोजी जानी चाहिए।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

जल प्रलय के स्थितियों के बाद अब देश में सांकेतिक प्रहारों की बाढ आ गई है। भारतीय राजनीति में रिश्तों के प्रतीकों का प्रयोग नया नहीं है। कभी कोई नेता स्वयं को जनता का सेवक बताता है, तो कोई परिवार के सदस्य की तरह जनता के सुख-दुःख में साथ होने का दावा करता है। इसी श्रंखला में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष के लिए 'नाराज फूफा' शब्द का व्यंग्यात्मक प्रयोग किया। प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बाद सत्ताधारी भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी विपक्ष की भूमिका को 'नाराज फूफा' से जोड़ते हुए कहा कि देश की प्रगति के बावजूद विपक्ष हर उपलब्धि में आपत्ति तलाशता है। यह व्यंग्य केवल शब्दों का खेल नहीं है। इसके पीछे भारतीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका को लेकर एक गंभीर बहस छिपी है। लोकतंत्र में सरकार के हर निर्णय पर प्रश्न उठाना विपक्ष का अधिकार तो है लेकिन प्रश्न और पूर्वाग्रह, समीक्षा और विरोध, तथ्य और राजनीतिक व्याख्या के बीच अंतर बनाए रखना भी उसका कर्तव्य है। जब हर सरकारी निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति बढ़ती है, तब स्वस्थ लोकतांत्रिक निगरानी और राजनीतिक नकारात्मकता के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर यह अंतर और महत्वपूर्ण हो जाता है। इतिहास गवाह है कि सन् 2025 के ऑपरेशन सिंदूर के बाद विपक्षी दलों ने विशेष संसद सत्र और सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए लगभग 12 विपक्षी दलों ने पहलगाम आतंकवादी हमले, ऑपरेशन सिंदूर, संघर्षविराम और नियंत्रण रेखा की स्थिति पर संसद में चर्चा का नारा बुलंद किया था। यह मांग लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा तो बन सकती थी किन्तु सैन्य अभियानों की वास्तविक समय की जानकारी, सैनिकों की तैनाती तथा संवेदनशील रणनीतिक विवरण सार्वजनिक करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बडा जोखिम भी पैदा कर सकता था। ऐसे में 'गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक करो' और 'सरकार से जवाब मांगो' के बीच का अन्तर समझना भी बेहद जरूरी है। संसद में जवाबदेही मांगना लोकतंत्र अधिकार हो सकता है किन्तु सैनिकों की सुरक्षा अथवा भविष्य की कार्रवाई प्रभावित करने वाली जानकारी का सार्वजनिक करना सुरक्षाबलों को अंधे कुंये में धकेलने जैसा ही होता। ऑपरेशन सिंदूर पर प्रधानमंत्री ने स्वयं लोकसभा में कहा था कि सैन्य नेतृत्व को कार्रवाई के समय, स्थान और तरीके के संबंध में स्वतंत्रता दी गई थी। राष्ट्रीय सुरक्षा पर राजनीतिक विमर्श में पारदर्शिता और गोपनीयता के बीच संतुलन की कसौटी हमेशा बनी रहनी चाहिए। विपक्षी दलों पर सरकार के प्रत्येक निर्णय की आलोचना करने, नीतियों की नकारात्मक व्याख्या करने अथवा संदेह पैदा करने के आरोप समय-समय पर सत्ता पक्ष द्वारा लगाये जाते रहे है जिस पर विपक्ष सरकार से सवाल करना लोकतंत्र की अनिवार्य प्रक्रिया का अंग मानकर आरोपों का खण्डन करता रहा है। समस्या विरोध में नहीं बल्कि विरोध के तरीके में खोजी जानी चाहिए। यदि तथ्य सामने रखकर नीति की कमियां बताई जाएं तो वह लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करता है लेकिन यदि अधूरी जानकारी, अनुमान अथवा मनगढ़ंत व्याख्याओं से जनमानस में भ्रम पैदा किया जाए, तो उसका नुकसान सरकार से कहीं आगे समाज और संस्थाओं तक पहुंच सकता है।

ऐसे में 'नाराज फूफा' की राजनीति का दूसरा छोर 'बेफिक्र मामा' तक भी पहुंचता है। मध्य प्रदेश की राजनीति में 'मामा' संबोधन भी इसी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रहा है। चुनावी राजनीति में जनता को तत्काल राहत देने वाली योजनाएं आकर्षक होती हैं। महिलाओं को प्रत्यक्ष नकद सहायता, मुफ्त वाहन, बिजली, कृषि सहायता अथवा अन्य सुविधाएं देना सामाजिक सुरक्षा का माध्यम हो सकता है, परंतु हर ऐसी योजना का मूल्यांकन उसके दीर्घकालीन वित्तीय प्रभाव के आधार पर भी होना चाहिए। मध्य प्रदेश इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है जहां 'लाड़ली लक्ष्मी' और 'लाड़ली बहना' योजनायें लागू हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना बालिकाओं से संबंधित पुरानी योजना है जबकि महिलाओं को प्रत्यक्ष मासिक सहायता देने वाली मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बाद में लागू की गई। सन् 2026-27 के बजट में लाड़ली बहना योजना के लिए 23,883 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और पंजीकृत महिलाओं की संख्या लगभग 1.25 करोड़ बताई गई है। इसी बजट विश्लेषण के अनुसार राज्य का सन् 2026-27 का राजकोषीय घाटा 71,458 करोड़ रुपये अर्थात जीएसडीपी का 3.9 प्रतिशत अनुमानित है तथा वर्ष के अंत तक बकाया देनदारियां जीएसडीपी के 32.5 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। यहां प्रश्न महिलाओं को सहायता देने का विरोध करना नहीं है बल्कि उसकी स्थिरता का है। पीआरएस के राज्य वित्त संबंधी अध्ययन के अनुसार सन् 2025-26 में 12 राज्यों ने महिलाओं को बड़े पैमाने पर बिना शर्त नकद हस्तांतरण वाली योजनाएं लागू कीं। इन पर राज्यों का संयुक्त अनुमानित खर्च 1.68 लाख करोड़ रुपये था जो सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0.5 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश में भी सन् 2026 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेधावी छात्राओं के लिए लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत शीघ्र ही मुफ्त स्कूटी वितरण की घोषणा की जो सन् 2022 के विधानसभा चुनाव के वादों में शामिल था। सरकारों को किसी भी मुफ्त सुविधा के साथ खरीद, वितरण, रखरखाव और भविष्य के वित्तीय भार का आकलन भी करना चाहिये। गरीब परिवार की छात्रा की स्कूटी के रखरखाव, परिचालन का भार उसके तंगहाल परिवार के वित्तीय प्रबंधन पर पडेगा। उत्तर प्रदेश का सन् 2026-27 बजट लगभग 8.51 लाख करोड़ रुपये के व्यय और 1.18 लाख करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे का अनुमान रखता है। राज्य की बकाया देनदारियां जीएसडीपी के 23.1 प्रतिशत अनुमानित हैं। इन कल्याणकारी योजनाओं का खर्च उत्पादक निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन की क्षमता को पूरी तरह प्रभावित करता है। देश के लोकतंत्र को न 'नाराज फूफाओं' की जरूरत है और न ऐसे 'बेफिक्र मामाओं' की जो आज की लोकप्रियता के लिए कल के वित्तीय बोझ की चिंता छोड़ दें। विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से सवाल करे, लेकिन प्रमाण और वैकल्पिक नीति के साथ। सरकार का दायित्व है कि वह जनकल्याण करे लेकिन घोषणाओं के साथ वित्तीय अनुशासन और परिणामों का हिसाब भी दे। राजनीति में विरोध जरूरी है, कल्याण भी जरूरी है मगर उससे भी कहीं अधिक जरूरी है दोनों की मर्यादायें और विवेक।

ककरौली में जमीयत उलेमा ने लगाया रक्तदान शिविर, उलेमा और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने की पहल, उलेमा ने कहा–रक्तदान मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण उदाहरण

मुजफ्फरनगर। जमीयत उलेमा जिला मुजफ्फरनगर के तत्वावधान और जीवान्श ब्लड बैंक, रामपुरम गेट, मुजफ्फरनगर के सहयोग से मदरसा सिराजुल उलूम ककरौली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उलेमा, जिम्मेदार लोगों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साह के साथ रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए अपनी भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता में सहयोग करना और समाज में सेवा-भाव को बढ़ावा देना रहा।

मौलाना मुकर्रम अली कासमी के निर्देश पर हुआ आयोजन

रक्तदान शिविर का आयोजन जमीयत उलेमा जिला मुजफ्फरनगर के अध्यक्ष मौलाना मुकर्रम अली कासमी के निर्देश पर किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में जमीयत उलेमा जिला मुजफ्फरनगर के महासचिव मौलाना अब्दुलखालिक कासमी मौजूद रहे। उन्होंने रक्तदान करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ाया और इसे जरूरतमंदों की मदद के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया।

मौलाना सुहैल अख्तर रहीमी ने संभाली व्यवस्थाएं

जमीयत उलेमा जिला मुजफ्फरनगर के सचिव एवं इस्लाह-ए-मुआशरा कमेटी के संयोजक मौलाना सुहैल अख्तर रहीमी शिविर के संयोजक रहे। उन्होंने पूरे कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की निगरानी की। वहीं मदरसा सिराजुल उलूम ककरौली के प्रबंधक मौलाना मुफ्ती मुहम्मद इंतजार और जामिया अजहर ककरौली के प्रबंधक मौलाना बदर अख्तर मजाहिरी की निगरानी में शिविर संपन्न हुआ।

मौलाना बदर अख्तर और मौलाना मुहम्मद रिजवान ने किया पहला रक्तदान

शिविर का शुभारंभ जामिया अजहर ककरौली के प्रबंधक मौलाना बदर अख्तर मजाहिरी और जमीयत उलेमा तहसील जानसठ के अध्यक्ष मौलाना मुहम्मद रिजवान ने सर्वप्रथम रक्तदान करके किया। इसके बाद अन्य उलेमा, जिम्मेदार लोगों और स्थानीय नागरिकों ने भी रक्तदान किया। रक्तदाताओं ने कहा कि जरूरत के समय किसी मरीज की जान बचाने में रक्त की अहम भूमिका होती है, इसलिए स्वस्थ लोगों को आगे आकर इस सामाजिक कार्य में योगदान देना चाहिए।

रक्तदान को बताया मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम

शिविर के दौरान उलेमा ने कहा कि रक्तदान केवल एक चिकित्सकीय आवश्यकता को पूरा करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का भी महत्वपूर्ण उदाहरण है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी या ऑपरेशन जैसी परिस्थितियों में मरीज को तत्काल रक्त की आवश्यकता पड़ सकती है। ऐसे समय पर रक्त उपलब्ध होना किसी जरूरतमंद की जान बचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उन्होंने स्वस्थ लोगों से चिकित्सकीय मानकों के अनुसार नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। साथ ही अपने परिवार, रिश्तेदारों और मित्रों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

समाज में सेवा-भाव बढ़ाने पर जोर

आयोजकों ने कहा कि रक्तदान जैसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम समाज में आपसी सहयोग और सहानुभूति की भावना को मजबूत करते हैं। रक्त किसी फैक्टरी में तैयार नहीं किया जा सकता, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति के स्वैच्छिक रक्तदान से ही इसकी जरूरत पूरी होती है। ऐसे में प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए।

जीवान्श ब्लड बैंक के सहयोग की सराहना

शिविर के सफल आयोजन पर जमीयत उलेमा जिला मुजफ्फरनगर के पदाधिकारियों ने जीवान्श ब्लड बैंक के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठनों और रक्त बैंक के बीच सहयोग से भविष्य में भी जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने की दिशा में बेहतर काम किया जा सकता है।

उलेमा और स्थानीय लोगों की रही भागीदारी

शिविर में मौलाना मुजफ्फरुल्लाह, सचिव जमीयत उलेमा जिला मुजफ्फरनगर, मौलाना मुहम्मद इमरान, मुफ्ती मुहम्मद नवेद, मौलाना इसराइल, कारी फरकान सहित बड़ी संख्या में उलेमा, जिम्मेदारान और स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में रक्तदान करने वाले सभी लोगों, उलेमा-ए-किराम, आयोजकों और उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान शिविर का उद्देश्य केवल एक दिन रक्त एकत्र करना नहीं, बल्कि लोगों के बीच नियमित रक्तदान के प्रति जागरूकता पैदा करना है, ताकि जरूरत के समय किसी मरीज को रक्त की कमी के कारण परेशानी का सामना न करना पड़े।

किशोरी से छेड़छाड़ और अपहरण के प्रयास में तीन दोषियों को तीन साल की कठोर सजा

माता के जागरण से लौटते समय वारदात का प्रयास, किशोरी के हाथ बांधने की कोशिश और छेड़छाड़, शोर मचाने पर भागे थे आरोपी, अदालत ने 12-12 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया

मुजफ्फरनगर। किशोरी के साथ छेड़छाड़ और अपहरण के प्रयास के करीब आठ साल पुराने मामले में न्यायालय ने तीन दोषियों को तीन-तीन साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने तीनों दोषियों पर 12-12 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार आरोपियों ने माता के जागरण में शामिल होने आई किशोरी को रास्ते में रोककर उसका अपहरण करने का प्रयास किया था। एक आरोपी ने किशोरी के हाथ रस्सी से बांधने की कोशिश की, जबकि दूसरे आरोपी पर उसके साथ छेड़छाड़ करने का आरोप था। किशोरी के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गए थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार घटना 11 नवंबर 2018 की रात करीब 11:30 बजे नगर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में हुई थी। किशोरी अपनी मां और बहन के साथ पड़ोस में आयोजित माता के जागरण में शामिल होने गई थी। जागरण के दौरान किशोरी वहां से उठकर लघुशंका के लिए गई थी। इसी दौरान मोहल्ले के ही बाइक सवार तीन युवक वहां पहुंच गए। आरोप है कि तीनों ने किशोरी को रोक लिया और उसके अपहरण का प्रयास किया।

हाथ बांधने की कोशिश, छेड़छाड़ का भी आरोप

अभियोजन के मुताबिक आरोपियों में से एक ने किशोरी के हाथ रस्सी से बांधने का प्रयास किया, जबकि दूसरे आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ की। आरोपियों के इस कृत्य से घबराई किशोरी ने शोर मचाना शुरू कर दिया। किशोरी के शोर मचाने पर आसपास के लोगों के आने की आशंका को देखते हुए तीनों आरोपी मौके से भाग निकले। घटना के बाद किशोरी ने अपनी मां को पूरी जानकारी दी। घटना के बाद किशोरी की मां की ओर से नगर कोतवाली में तहरीर दी गई। पुलिस ने मामले में आशू उर्फ सुभाष पुत्र सतीश, सचिन पुत्र राजेंद्र और उसके साथी अनुज पुत्र जोगिंदर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। इसके बाद मामला न्यायालय में विचाराधीन रहा और अभियोजन पक्ष की ओर से गवाहों एवं साक्ष्यों को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायालय की पीठासीन अधिकारी मंजुला भालोटिया की अदालत में हुई। बुधवार को सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायालय ने तीनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को तीन-तीन साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 12-12 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। डीजीसी राजीव शर्मा ने बताया कि अभियोजन की ओर से अदालत में घटना से संबंधित साक्ष्य और गवाह पेश किए गए। अभियोजन ने आरोपियों द्वारा किशोरी के साथ की गई छेड़छाड़ और अपहरण के प्रयास को अदालत के समक्ष रखा। सुनवाई के दौरान सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने तीनों को दोषी माना।

मुजफ्फरनगर में गूंजे हनुमान जी के भजन: प्राचीन शिव मंदिर में गीता पाठ, भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु

जीओ गीता परिवार के तत्त्वावधान में हुआ गीता पाठ

मुजफ्फरनगर। उत्तरी सिविल लाइन्स स्थित प्राचीन शिव मंदिर के प्रांगण में श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के तत्त्वावधान में निःशुल्क गीता पाठ एवं भव्य भजन संध्या का भक्तिमय आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरा मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की उपस्थिति से खचाखच भरा रहा और हर तरफ भक्ति का माहौल बना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ बगलामुखी उपासक पंडित संजय मिश्रा द्वारा विधिवत पूजन और दीप प्रज्वलित करके किया गया। इसके पश्चात श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के सचिव अतुल गर्ग ने गणेश वंदना से गीता पाठ की शुरूआत कराई। श्रद्धालुओं ने एकाग्रचित्त होकर 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' महामंत्र का जाप किया। इसके साथ ही श्री कृष्ण कृपाअमृत का पाठ और अष्टादश श्लोकी गीता पाठ का वाचन किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से गुंजायमान हो उठा। गीता पाठ के उपरांत आयोजित भजन संध्या में भक्ति रस की धारा बही। गायक अजय गर्ग, विपिन गुप्ता और महिला मैत्री मंडल की सदस्याओं ने श्री हनुमान जी के एक से बढ़कर एक सुंदर भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजनों की धुन पर मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमने लगे। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

इसके बाद सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण कर कार्यक्रम को विश्राम दिया गया।

"स्वार्थी नहीं, परमार्थी बनकर जीओ"

संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबीर सिंह ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन में परमार्थ का बहुत महत्व है। हमें स्वार्थ से ऊपर उठकर परमार्थी बनना चाहिए। उन्होंने बताया कि श्रीमद्भगवद्गीता का नियमित पाठ करने से मन की एकाग्रता बढ़ती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पितृपक्ष के सभी 15 दिनों के गीता पाठ हुए बुक

संस्था के सचिव अतुल कुमार गर्ग ने एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि आगामी श्राद्ध पक्ष (पितृपक्ष) के सभी 15 दिनों के लिए गीता पाठ की बुकिंग पहले ही पूर्ण हो चुकी है। इससे क्षेत्रवासियों में गीता पाठ के प्रति अटूट श्रद्धा और उत्साह का पता चलता है।

मातृ शक्ति की गरिमामयी उपस्थिति

इस आध्यात्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में मातृ शक्ति और गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में अतुल गर्ग, रामबीर सिंह, अजय गर्ग, विपिन गुप्ता, सुभाष गोयल, नीति सिंगल, मीरा मित्तल, दीपक गौतम, मोहिनी गुप्ता, महिमा कौशिक, रेनू शर्मा, सरोज वर्मा, मंजू, भारती, ममता, संतोष शर्मा, अनीता गर्ग, रिचा गुप्ता, सुमन अग्रवाल, शिवम गुप्ता, कमलेश, मीनाक्षी गर्ग, परिणीता देवी, रीना गोयल, रिशु मित्तल, देवेंद्र शर्मा, सुरेशचंद्र शर्मा, संजय सचदेवा, राधा मिश्रा तथा पंडित कृष्णानन्द शुकतीर्थ सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खतौली में भाषण प्रतियोगिता: छात्राओं ने व्यक्त किए 'सपनों का भारत' पर विचार, मुस्कान, अदिति और मरियम बनीं विजेता

चौधरी हरबंस सिंह कन्या डिग्री कॉलेज में छात्राओं ने रखे राष्ट्र निर्माण पर विचार

खतौली (मुजफ्फरनगर)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्थानीय चौधरी हरबंस सिंह कन्या डिग्री कॉलेज में "सपनों का भारत" विषय पर एक भव्य भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया और अपने ओजस्वी विचारों से भारत के उज्ज्वल भविष्य की रूपरेखा प्रस्तुत की।

राष्ट्र निर्माण और स्वावलंबन पर जोर

प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने अपनी वाकपटुता का परिचय देते हुए शिक्षा के प्रसार, महिला सशक्तिकरण, स्वावलंबन, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े विविध महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपने विचार रखे। प्रतिभागियों ने बताया कि एक सशक्त और समर्थ भारत के निर्माण में युवाओं, विशेषकर नारियों की भूमिका अत्यंत निर्णायक है।

मुस्कान, अदिति और मरियम ने मारी बाजी

छात्राओं के बीच हुए कड़े और रोचक मुकाबले के बाद निर्णायकों द्वारा संकायवार विजेताओं की घोषणा की गई, जिनमें बी.एससी. संकाय की मुस्कान, बी.कॉम. संकाय की अदिति और बी.ए. संकाय की मरियम विजेता विजेता घोषित की गई। सभी विजेता छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट अभिव्यक्ति और प्रभावी प्रस्तुतीकरण के लिए सराहा गया।

प्राचार्य ने किया उत्साहवर्धन

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सारिका शर्मा ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने छात्राओं को निरंतर अध्ययनशील रहने, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा जीवन में आगे बढ़कर देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्राओं में अभिव्यक्ति की क्षमता, सकारात्मक सोच और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

शिक्षिकाओं का रहा विशेष योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्रवक्ता परिवार का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर कुमारी भावना, कुमारी सोनिका, कुमारी ज्योत्सना, कुमारी कामिनी, श्रीमती अनुराधा तंवर, श्रीमती रितु मलिक, श्रीमती उषा, श्रीमती अंजलि सहित अन्य शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

खतौली में दसलक्षण महापर्व की धूम: श्रद्धालुओं ने की उत्तम त्याग धर्म की आराधना, आत्मशुद्धि का लिया संकल्प

खतौली (मुजफ्फरनगर)। दसलक्षण महापर्व के आठवें दिन बुधवार को नगर के विभिन्न जिन मंदिरों में 'उत्तम त्याग धर्म' की श्रद्धा एवं भक्तिभाव से आराधना की गई। इस पावन अवसर पर मंदिरों में प्रातःकाल से ही महापूजा, विधान, आरती, स्वाध्याय, प्रवचन एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही, जिसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

श्री 1008 चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर पीसनोपाड़ा में अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में मुख्य धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। प्रातःकाल श्रद्धालुओं ने परम पवित्र भाव से भगवान जिनेंद्र देव का प्रक्षालन किया और तत्पश्चात सामूहिक पूजन एवं विधान संपन्न किया। पूजन के उपरांत धर्मसभा को संबोधित करते हुए पंडित शाश्वत शास्त्री ने उत्तम त्याग धर्म के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य परिग्रह (संग्रह वृत्ति) और आंतरिक आसक्ति से दूर होता है, तभी वह आत्मशुद्धि, परम संतोष और आध्यात्मिक उन्नति के पथ पर आगे बढ़ सकता है। परिग्रह और आसक्ति का त्याग ही जीव को परम संतोष और आत्मशुद्धि की ओर ले जाता है। धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला में चिराग शास्त्री के सानिध्य में 'इष्टोपदेश' ग्रंथ पर गहन चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त बच्चों के ज्ञानवर्धन हेतु 'ज्ञान की पाठशाला' तथा 'तत्त्वार्थ सूत्र शिविर' का सफल आयोजन हुआ। संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में ह्यआप अगर होते तो क्या करतेह्न विषय पर प्रस्तुत नाटिका व चर्चा ने उपस्थित श्रद्धालुओं का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर उत्तम त्याग धर्म के सिद्धांतों को अपने व्यावहारिक जीवन में उतारने तथा संयम व संतोष के मार्ग पर चलने का दृढ़ संकल्प लिया।

पीसनोपाड़ा मंदिर के अलावा नगर के अन्य जिन मंदिरों में भी उत्तम त्याग धर्म पर विशेष पूजा-अर्चना आयोजित की गई। महापूजा के अवसर पर पंडित अशोक शास्त्री ने अपने सारगर्भित प्रवचनों में त्याग धर्म की महत्ता बताई और सभी से अपनी सामर्थ्य अनुसार दान व त्याग करने का आह्वान किया। इस संपूर्ण आयोजन में समाज के गणमान्य नागरिकों व मातृशक्ति की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। कार्यक्रम में कलपेन्द्र जैन, अनन्त वीर्य, हितेश, अंकित, संजय जैन, मदन जैन, अरुण जैन, सुशील जैन, विनय जैन, शशांक जैन, सम्यक जैन, शिल्पी जैन, रजनी जैन, अंजलि जैन, अंजू जैन, मंजू जैन, सरिता जैन, आयुषी जैन, साधना जैन, बीना जैन तथा डॉ. ज्योति जैन सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब सखी द्वारा शाहपुर में शिक्षिकाओं का सम्मान

शाहपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब सखी द्वारा शाहपुर स्थित शाहपुर कन्या इंटर कॉलेज एवं राज एकेडमी शाहपुर में शिक्षिकाओं के सम्मान हेतु विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण, मेहनत एवं निष्ठा के साथ कार्य कर रही शिक्षिकाओं के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त करना रहा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्याम पाल (भाई जी), वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व चेयरमैन परमेश सैनी तथा रोटरी क्लब मेरठ से भरत राम अग्रवाल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यालय की शिक्षिकाओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर रो. नीतू अग्रवाल, खतौली, नित्या अग्रवाल, प्रेसिडेंट रोटरेक्ट क्लब खतौली, रोटरी क्लब सखी की पूर्व प्रेसिडेंट नीलम गुप्ता, सेक्रेटरी शशि सिंघल, वरिष्ठ रोटेरियन लोचन बंसल सहित रोटरी क्लब के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ रोटेरियन लोचन बंसल ने कहा कि रोटरी क्लब सखी द्वारा शाहपुर कन्या इंटर कॉलेज एवं राज एकेडमी शाहपुर को समय-समय पर कंप्यूटर तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी दोनों शिक्षण संस्थानों के विकास एवं विद्यार्थियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए हरसंभव सहयोग प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि श्याम पाल (भाई जी) ने कहा कि शाहपुर कन्या इंटर कॉलेज लगभग 45 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं प्रदान करने वाली संस्था है और उनका इस संस्था से बहुत पुराना जुड़ाव रहा है। उन्होंने विद्यालय की शैक्षिक एवं सामाजिक भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि यह शाहपुर क्षेत्र के प्रमुख एवं उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों में से एक है। वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व चेयरमैन परमेश सैनी ने विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय निरंतर प्रगति करता रहे और दिन दूनी, रात चौगुनी तरक्की करे।

रंग संसार

मीराबाई के भजन से निकला माधुरी दीक्षित का 29 साल पुराना ये कल्ट गाना, कविता कृष्णमूर्ति की आवाज ने बनाया क्लासिक

नई दिल्ली। बॉलीवुड में कई ऐसे गाने हैं जिनका रीमेक बनाकर उन्हें मॉर्डन तरीके से दूसरी फिल्मों में इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा कई बार इसे सीधे रीमेक न करके रिमिक्स या फिर नए दौर की धुनों, रैप के साथ जोड़कर बदला जाता है। आज हम आपको ऐसे ही एक गाने के बारे में बताने वाले हैं जिसकी रचना सदियों पुरानी है। इसे कृष्ण भक्ति में भगवान के प्रति अपना प्यार जाहिर करने के लिए भी गाया जाता है। हम बात कर रहे हैं साल 1997 में आई फिल्म 'कोयला' की जिसमें शाह रुख खान और माधुरी दीक्षित लीड रोल में नजर आए थे।इसका पॉपुलर गाना ह्यसांसों की माला' आज भी उतना ही लोकप्रिय है जितना की सालों पहले था। इसके बोल इंदीवर ने लिखे थे और कविता कृष्णमूर्ति) ने इसे अपनी आवाज से सजाया था। राजेश रोशन ने इसका संगीत दिया था। कोयला के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर राकेश रोशन थे। कहा तो ये तक जाता है कि सांसों की माला' को नुसरत फतेह अली खान ने सबसे पहले 1979 में ऋषि-कपूर और नीतू सिंह की शादी से जुड़े एक कार्यक्रम में गाया था। अपने अंदाज में इस गीत को गाकर उन्हें हमेशा के लिए अमर कर दिया था। बाद में यह कलाम उनकी पहचान का हिस्सा बन गया।हालांकि रेडिट पर मौजूद जानकारी के अनुसार तुफैल होशियारपुरी की एक रचना से भी इसके तार जुड़े हैं। बाद में लोक संगीत और मीराबाई के भजनों के साथ जोड़कर इसे बड़े स्तर पर गाया गया। इसे महान कव्वाल नुसरत फतेह अली खान ने जब गाया तो ये और भी लोकप्रिय हो गया है। इसके करीब 18 साल बाद इसे फिल्म कोयला में इस्तेमाल किया गया। इस गाने को बॉलीवुड के सबसे रोमांटिक गीतों में गिना जाता है। इसकी सबसे दिलचस्प बात ये है कि इसमें सूफी और भक्ति रंग दोनों मिला हुआ है जो इस रोमांटिक गाने को अन्य सभी से अलग बनाता है।

राज काज

मिसाइल बनाने वाली मिनीरत्न IAF के लिए बनाएगी ग्लाइड बम, मिला 800 करोड़ का बड़ा ऑर्डर; शेयर पकड़ेंगे रफ्तार?

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना (IAF) की लंबी दूरी से सटीक हमला करने की क्षमता को मजबूत करने के लिए भारत डायनामिक्स लिमिटेड (BDL) के साथ 810.79 करोड़ रुपए का एक महत्वपूर्ण अनुबंध किया है। इस समझौते के तहत वायुसेना के लिए 160 सैटेलाइट स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड वेपन्स (एसएटी-एसएएडब्ल्यू) और संबंधित उपकरणों की खरीद की जाएगी। इस बड़े ऑर्डर के मिलने के बाद कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिल सकती है। बुधवार 23 सितंबर को इसके शेयर इरए पर -0.76% टूटकर 1162 रुपये (Bharat Dynamics Share Price) के स्तर पर बंद हुए थे। रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह खरीद 'बाय इंडियन-इंडिजिनसली डिजाइन्ड, डेवलप्ड एंड मैन्युफैक्चर्ड' श्रेणी के अंतर्गत की जा रही है। अनुबंध पर हस्ताक्षर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हुए। एसएटी-एसएएडब्ल्यू एक एयर-टू-ग्राउंड प्रिसिजन-गाइडेड ग्लाइड बम है, जिसे जगुआर, हॉक और सुखोई-30 एमकेआई जैसे लड़ाकू विमानों से दागा जा सकता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह दुश्मन के एयरफील्ड को काफी दूरी से निशाना बनाने में सक्षम है, जिससे लड़ाकू विमान दुश्मन की वायु रक्षा प्रणाली की सीमा में प्रवेश किए बिना हमला कर सकते हैं। यह प्रणाली रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित की गई है। मंत्रालय के अनुसार, इसमें लगभग 60 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। साथ ही इनिशियल मेजरमेंट यूनिट, लॉन्च इम्पैक्ट डिले फ्यूज और ट्विन स्टोर कैरियर जैसे उप-प्रणालियों का भी स्वदेशीकरण किया गया है, जिससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को और बढ़ावा मिलेगा।कब तक की जाएगी आपूर्ती? रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एसएटी-एसएएडब्ल्यू की आपूर्ति 2027-28 और 2028-29 के दौरान की जाएगी। इसके शामिल होने से भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और किसी भी संघर्ष की स्थिति में निर्बाध हवाई अभियान चलाने की क्षमता और मजबूत होगी।

दैनिक राशिफल गुरूवार 24 सितम्बर 2026

मेष – सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है।

वृष – परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्ययभार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं।

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी।

कर्क – पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी।

सिंह– दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कूषचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

कन्या – अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी।

तुला – कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी।

वृश्चिक – कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

धनु – संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं।

मकर – शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे।

कुंभ – विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते हैं जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है।

मीन – व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देंगे। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा।

दैनिक पंचांग

24 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरूवार 2026 वर्ष का 267 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 23.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 10.35 बजे को समाप्त।
योग धृति 15.55 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.10 बजे तदनन्तर तैतिल 23.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 12.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 23'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872842
जूलियन दिन 2461307.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी
तारीख 12
विशेष गुरु प्रदोष व्रत।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कन्या में	तुला	07.34 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृश्चिक	09.49 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	12.05 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.10 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.57 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.29 बजे से
शनि	मीन में	मेष	19.00 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.40 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.38 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.52 बजे से
1.30 से 3.00		सिंह	03.08 बजे से
बजे तक		कन्या	05.20 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

पूर्व सांसद अमीर आलम और पूर्व विधायक नवाजिश आलम ने थामा कांग्रेस का हाथ

हजारों समर्थकों के साथ दिल्ली पहुंचे पिता-पुत्र, प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और सांसद इमरान मसूद की मौजूदगी में ग्रहण की सदस्यता; अमीर बोले- मुस्लिम वोटों का स्थानांतरण कराने की क्षमता इमरान मसूद में

दिल्ली/मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में बुधवार को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया। पूर्व सांसद अमीर आलम खान और उनके बेटे पूर्व विधायक नवाजिश आलम खान ने अपने समर्थकों के साथ दिल्ली पहुंचकर कांग्रेस का दामन थाम लिया। दोनों नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर अपनी नई राजनीतिक पारी की शुरूआत की। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और सांसद इमरान मसूद समेत पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे। अमीर आलम खान और नवाजिश आलम खान ने 18 सितंबर को आजाद समाज पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया था। इसके बाद दोनों नेताओं ने 23 सितंबर को कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की थी। कांग्रेस में शामिल होने के लिए अमीर आलम और नवाजिश आलम अपने समर्थकों के साथ दिल्ली पहुंचे। इस दौरान समर्थकों में खासा उत्साह दिखाई दिया। दोनों नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उनकी लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक सक्रियता के संदर्भ में देखा जा रहा है। सदस्यता ग्रहण करने के बाद अमीर आलम खान ने इमरान मसूद को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि मुसलमानों के वोटों का स्थानांतरण कराने की क्षमता सिर्फ इमरान मसूद में है। उनका यह बयान कांग्रेस में शामिल होने के मौके पर चर्चा का विषय बना। यह बयान अमीर आलम का राजनीतिक आकलन है, जिसे उन्होंने स्वयं व्यक्त किया है। पूर्व सांसद अमीर आलम खान का राजनीतिक सफर लंबा रहा है। उन्होंने 1985 में पहली बार थानाभवन से विधानसभा चुनाव जीता। इसके बाद 1989 में मोरना और 1996 में फिर थानाभवन से विधायक रहे। आगे चलकर वह कैराना लोकसभा सीट

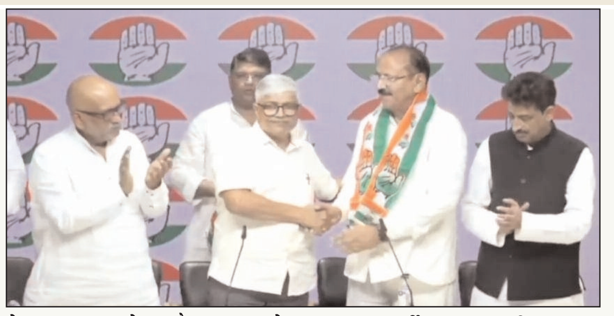

से सांसद बने और बाद में समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सदस्य भी रहे। नवाजिश आलम खान ने भी सक्रिय राजनीति में अपनी पहचान बनाई। वह 2012 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर बुढ़ाना विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे। वर्ष 2017 में उन्होंने मीरापुर विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा, हालांकि उन्हें जीत नहीं मिली। वर्ष 2018 में पिता-पुत्र राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हुए थे। अमीर आलम और नवाजिश आलम ने वर्ष 2025 में आजाद समाज पार्टी का रुख किया था। करीब डेढ़ वर्ष बाद दोनों ने सितंबर 2026 में आसपा से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद कांग्रेस में जाने की घोषणा की गई। नवाजिश आलम ने आसपा में अपेक्षित सम्मान नहीं मिलने की बात कही थी, जबकि अमीर आलम ने भी पार्टी नेतृत्व से जुड़े कुछ मुद्दे उठाए थे। इन कारणों पर अलग-अलग राजनीतिक दावे सामने आए हैं। पिता-पुत्र के कांग्रेस में शामिल होने के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। खास तौर पर मुजफ्फरनगर और शामली क्षेत्र में अमीर आलम परिवार की राजनीतिक सक्रियता को देखते हुए इस घटनाक्रम पर राजनीतिक दलों और कार्यकताओं की नजर है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद की मौजूदगी में अमीर आलम और नवाजिश आलम के कांग्रेस में शामिल होने को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कांग्रेस में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम राजनीतिक नेतृत्व को लेकर इमरान मसूद की सक्रिय भूमिका पहले भी सामने आती रही है। जुलाई 2026 में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम ने भी पार्टी के भीतर इमरान मसूद की भूमिका को लेकर सार्वजनिक रूप से चर्चा की थी। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अमीर आलम और नवाजिश आलम का कांग्रेस में शामिल होना पश्चिमी यूपी के राजनीतिक परिदृश्य में एक नया घटनाक्रम है।

आधी रात घर से बाहर निकलते ही युवक पर फायरिंग, बाल-बाल बचा

बाइक सवार दो युवकों पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने का आरोप, गाली-गलौज और धमकी देकर फरार होने का दावा, नई मंडी थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के सुभाषनगर इलाके में आधी रात घर से बाहर निकले एक युवक पर बाइक सवार दो युवकों द्वारा फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। युवक ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उसे जान से मारने की नीयत से गोली चलाई, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। घटना के बाद आरोपी गाली-गलौज और धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर नई मंडी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिवनगर निवासी विशु पुत्र सतीश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि की रात करीब एक बजे वह अपने घर पर मौजूद था। किसी काम से जैसे ही वह घर से बाहर निकला, तभी बाइक सवार दो व्यक्ति वहां पहुंचे। आरोप है कि बाइक सवार युवकों ने विशु को निशाना बनाकर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। गोली से वह बाल-बाल बच गया। फायरिंग के बाद दोनों आरोपी कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए उसे धमकी देकर बाइक से फरार हो गए। तहरीर में विशु ने दोनों आरोपियों को पहचानने का दावा किया है। उसके अनुसार एक आरोपी भानू पुत्र दलीप कुमार, शिवनगर क्षेत्र का रहने वाला है, जबकि दूसरे की पहचान मनीष उर्फ चूग्गा पुत्र मूलचंद, गली नंबर छह, अंकित बिहार निवासी के रूप में बताई गई है। पीड़ित का आरोप है कि दोनों युवक बाइक पर सवार होकर आए थे और फायरिंग के बाद धमकी देते हुए मौके से निकल गए। फायरिंग से इलाके में मची हलचल आधी रात हुई कथित फायरिंग की घटना से इलाके में हलचल मच गई। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। घटना को लेकर पुलिस द्वारा मौके और आसपास के क्षेत्र से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है।

नई मंडी पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा विशु की तहरीर के आधार पर थाना नई मंडी पुलिस ने नामजद दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियार, घटना के समय आरोपियों की मौजूदगी तथा वारदात से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

न्याजुपुरा में गाली-गलौज के बाद भिड़े दो पक्ष, लाठी-डंडों से मारपीट और जान से मारने की धमकी के आरोप, क्रॉस मुकदमे दर्ज

एक पक्ष ने युवक व उसके परिवार पर हमला करने का लगाया आरोप, दूसरे पक्ष ने भी नौ लोगों समेत अज्ञात के खिलाफ दी तहरीर, पुलिस जांच में जुटी

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के न्याजुपुरा में 13 सितंबर की रात गाली-गलौज को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला करने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। दोनों ओर से दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर पुलिस ने क्रॉस मुकदमे दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पहले पक्ष का आरोप-गाली देने का विरोध किया तो शुरू कर दी मारपीट

न्याजुपुरा की पुलिया निवासी रजत पुत्र नन्दकिशोर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 सितंबर 2026 की रात करीब 10 बजे उर-की गली में रहने वाला लक्ष्या उर्फ सर्वेश पुत्र ब्रिजेश उसे और उसके परिवार के लोगों को कथित तौर पर गालियां दे रहा था। रजत के अनुसार उसने गाली-गलौज का विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीछा छुड़ाकर भागा, फिर परिवार पर हमला करने का आरोप रजत ने बताया कि वह किसी तरह वहां से अपना पीछा छुड़ाकर भाग गया। आरोप है कि इसके बाद मनोज उर्फ कर्फ और राजकुमार उर्फ फौजी, दोनों पुत्र सुरेश, निवासी गली नंबर आठ न्याजुपुरा, उसके घर पहुंचे और उसके पिता नन्दकिशोर, माता मुन्नी, बहनों पलक व राधिका तथा पत्नी नीलम के साथ मारपीट और गाली-गलौज करने लगे।

तहरीर के मुताबिक, आरोपियों ने पुलिस में शिकायत करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। रजत का कहना है कि घटना के बाद वह काफी डर गया था, जिसके कारण तत्काल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने नहीं पहुंचा। बाद में हिम्मत जुटाकर उसने 21 सितंबर 2026 को पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

दूसरे पक्ष ने भी लगाया हमला करने का आरोप

वहीं दूसरे पक्ष की ओर से राजकुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी गली नंबर आठ, न्याजुपुरा पुलिया के पास रामलीला टीला ने पुलिस को दी तहरीर में अलग घटनाक्रम बताया। राजकुमार के मुताबिक, 13 सितंबर की रात करीब 10 बजे वह अपने घर के बाहर खड़ा था। आरोप है कि इसी दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने उस-के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। लाठी-डंडों से हमला, सिर में चोट लगने का दावा

राजकुमार ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर कई लोगों ने उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। मारपीट में उसके सिर में काफी चोटें आईं। आरोप है कि हमलावरों ने उसे धमकी दी कि यदि उसने पुलिस में शिकायत करने थाने गया तो उसे जान से मार दिया जाएगा।

डर के चलते तत्काल नहीं पहुंचा थाना

दूसरे पक्ष के शिकायतकर्ता ने भी पुलिस को बताया कि धमकी के कारण वह डर गया था और तत्काल रिपोर्ट दर्ज कराने थाने नहीं पहुंचा। बाद में हिम्मत करके उसने पुलिस को तहरीर दी और नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

लोक लेखा समिति की बैठक में पंकज मलिक की सहभागिता, विकास प्राधिकरणों से जुड़े मुद्दों पर हुआ मंथन

बैठक में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा, मेरठ विकास प्राधिकरण समेत अन्य प्राधिकरणों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा

मुजफ्फरनगर। चरथावल विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक पंकज मलिक ने बुधवार को लखनऊ विधानसभा भवन में आयोजित लोक लेखा समिति की बैठक में सहभागिता की। बैठक में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। खास तौर पर मेरठ विकास प्राधिकरण सहित प्रदेश के अन्य विकास प्राधिकरणों से जुड़े मामलों को बैठक में चर्चा के दायरे में रखा गया।

विकास प्राधिकरणों के कामकाज से जुड़े विषयों पर चर्चा

लोक लेखा समिति की बैठक में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा के दौरान विकास प्राधिकरणों से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विचार किया गया। बैठक का फोकस विभागीय कार्यों, विकास प्राधिकरणों से संबंधित विषयों और उनसे जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर रहा। विधायक पंकज मलिक ने भी समिति की बैठक में सहभागिता करते हुए चर्चा में हिस्सा लिया। मेरठ विकास प्राधिकरण का मामला भी चर्चा में बैठक में मेरठ विकास प्राधिकरण से जुड़े विषयों को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला। मेरठ में हाल के दिनों में विकास प्राधिकरण की आवासीय योजनाओं को लेकर किसान संगठनों की ओर से प्रतिकार समेत विभिन्न मांगें उठाई गई हैं। सितंबर में लोहियानगर, वेदव्यासपुरी और गंगानगर

आवासीय योजनाओं के किसानों ने मेडा कार्यालय में विरोध प्रदर्शन भी किया था। इसके अलावा मेरठ विकास प्राधिकरण से जुड़े मामलों पर न्यायिक स्तर पर भी हालिया गतिविधियां सामने आई हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में मेडा उपाध्यक्ष से संबंधित एक मामले की सुनवाई सितंबर में हुई और अगली सुनवाई 30 सितंबर निर्धारित की गई है।

आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से जुड़े मामलों पर मंथन

बैठक के दौरान आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न मामलों पर समिति के सदस्यों ने चर्चा की। विकास प्राधिकरणों की कार्यप्रणाली और उनसे संबंधित विषयों को लेकर उपलब्ध जानकारी पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विभिन्न मामलों को समिति के समक्ष रखकर उनके संबंध में चर्चा की गई।

लोक लेखा समिति की भूमिका भी महत्वपूर्ण

विधानसभा की लोक लेखा समिति महत्वपूर्ण समितियों में शामिल है। इसके माध्यम से सरकारी विभागों और सार्वजनिक संस्थाओं से जुड़े वित्तीय मामलों की समीक्षा की जाती है। ऐसे में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग तथा उसके अंतर्गत आने वाले विकास प्राधिकरणों से संबंधित मामलों की बैठक में चर्चा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चरथावल क्षेत्र से जुड़े विधायक की समिति में सक्रिय भागीदारी

चरथावल विधायक पंकज मलिक की बैठक में सहभागिता के दौरान प्रदेश के विकास प्राधिकरणों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। विधायक की विधानसभा समिति में भूमिका के चलते क्षेत्रीय स्तर पर भी इससे जुड़े विषयों को लेकर चर्चा बनी हुई है।

पुलिसकर्मी सीख रहे सांकेतिक भाषा, बधिर-मूक लोगों से संवाद में नहीं आएगी परेशानी

अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर रिजर्व पुलिस लाइन में एक दिवसीय प्रशिक्षण, विभिन्न थानों के पुलिसकर्मियों ने लिया हिस्सा; प्रशिक्षण पूरा होने पर प्रमाण-पत्र देकर किया उत्साहवर्धन

मुजफ्फरनगर। अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन, मुजफ्फरनगर में पुलिसकर्मियों के लिए एक दिवसीय सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्था की ओर से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को बधिर एवं मूक व्यक्तियों से प्रभावी ढंग से संवाद करने में सक्षम बनाना और जरूरत के समय उन्हें सहज एवं बेहतर पुलिस सहायता उपलब्ध कराना रहा।

विभिन्न थानों से पहुंचे पुलिस अधिकारी और कर्मचारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थानों से पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। प्रशिक्षकों ने पुलिसकर्मियों को सांकेतिक भाषा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देने के साथ उसके व्यावहारिक इस्तेमाल का भी प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों ने सांकेतिक भाषा के माध्यम से संवाद स्थापित करने की प्रक्रिया को समझा

और प्रशिक्षकों से आवश्यक जानकारी हासिल की। प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों को बताया गया कि बधिर एवं मूक व्यक्तियों से संवाद के दौरान सांकेतिक भाषा उनके लिए अपनी बात रखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। पुलिसकर्मियों को सांकेतिक संकेतों के माध्यम से उनकी शिकायत, समस्या और आवश्यकता समझने तथा उन्हें आवश्यक पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के तरीके बताए गए।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस और बधिर एवं मूक व्यक्तियों के बीच संवाद की बाधा को कम करना रहा। प्रशिक्षण के माध्यम से पुलिसकर्मियों को इस तरह तैयार किया गया कि जरूरत पड़ने पर वे सांकेतिक भाषा की मदद से ऐसे लोगों की शिकायत समझ सकें और उन्हें पुलिस सेवाओं से जोड़ सकें। इससे पुलिस सेवाओं को अधिक समावेशी, सुगम और जनसुलभ बनाने की दिशा में मदद मिलने की उम्मीद है। प्रशिक्षकों ने पुलिसकर्मियों को केवल सांकेतिक भाषा की जानकारी ही नहीं दी, बल्कि वास्तविक परिस्थितियों में इसका उपयोग किस तरह किया जाए, इसकी भी जानकारी दी। पुलिसकर्मियों को बधिर एवं मूक व्यक्तियों से संवाद स्थापित करते समय आवश्यक सावधानियों और प्रभावी संवाद के तरीकों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ और प्रतिसार निरीक्षक ऊदल सिंह ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रशिक्षण से मिली जानकारी को पुलिस कार्यप्रणाली में उपयोग करने पर जोर दिया।

यह प्रशिक्षण पुलिस और समाज के ऐसे वर्ग के बीच संवाद स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है, जिन्हें सामान्य संवाद में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सांकेतिक भाषा का ज्ञान होने से पुलिसकर्मी शिकायत दर्ज कराने, सहायता मांगने या किसी घटना की जानकारी देने वाले बधिर एवं मूक व्यक्तियों की बात बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। इससे जरूरतमंद लोगों तक पुलिस सहायता पहुंचाने में भी सुविधा होगी।

चोरी की स्कूटी पर सवार होकर घूम रहे थे दो आरोपी, सिविल लाइन पुलिस ने दबोचा

पचेंडा पुल के नीचे चेकिंग के दौरान गिरफ्तारी, दोनों के कब्जे से अलग-अलग नाजायज चाकू बरामद; पुलिस खंगाल रही चोरी और हथियारों के नेटवर्क के तार

मुजफ्फरनगर। थाना सिविल लाइन पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी की स्कूटी के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी चोरी की स्कूटी पर सवार थे और उनके कब्जे से अलग-अलग दो नाजायज चाकू भी बरामद किए गए। पुलिस ने स्कूटी और दोनों चाकुओं को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक रात थाना सिविल लाइन क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की स्कूटी पर दो संदिग्ध युवक पचेंडा पुल के नीचे मौजूद हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस के अनुसार मौके से दो संदिग्धों को पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर दोनों के पास से अलग-अलग एक-एक नाजायज चाकू बरामद हुआ।

जिस स्कूटी पर दोनों सवार थे, उसकी जांच की गई तो वह चोरी की निकली। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अब्दुल वाजिद पुत्र मोहम्मद अशरफ, निवासी मोहल्ला कायस्थवाड़ा, मंगलौर चौकी, देवबंद, सहारनपुर तथा रविन्द्र उर्फ टुनटुन पुत्र सत्यदेव यादव, निवासी मुलतान नगर, ठेके वाली गली, थाना ट्रांसपोर्ट नगर, मेरठ, मूल निवासी ग्राम चोड़िहा, थाना लार, जिला देवरिया के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से चोरी की स्कूटी संख्या यूपी80डीडी5191 तथा दो नाजायज चाकू बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। अब्दुल वाजिद के खिलाफ थाना खुर्जा नगर, बुलंदशहर में वर्ष 2022 में चोरी, बरामदगी और धोखाधड़ी से संबंधित मुकदमा दर्ज बताया गया है। उसी वर्ष उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके अलावा थाना सिविल लाइन में वर्ष 2026 में बीएनएस की धारा 317(5) और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज बताया गया है। वहीं रविन्द्र उर्फ टुनटुन के खिलाफ थाना गाजियाबाद कोतवाली में धोखाधड़ी से संबंधित मुकदमा दर्ज बताया गया है। इसके अलावा थाना टीपी नगर, मेरठ में आर्म्स एक्ट का मुकदमा भी दर्ज है। थाना सिविल लाइन में वर्ष 2026 में उसके खिलाफ भी बीएनएस की धारा 317(5) और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज बताया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक की जांच की जा रही है। जांच के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि चोरी की स्कूटी कहां से चोरी की गई थी और आरोपी इसे किस उद्देश्य से लेकर घूम रहे थे। इसके साथ ही दोनों के पास नाजायज चाकू होने के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

18 साल से सेवा, फिर भी संविदा पर ! नियमितीकरण को लेकर एनएचएम कर्मियों का आंदोलन का ऐलान

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद समेत कई संगठनों ने दिया समर्थन, मांगें पूरी न होने पर 8 से 10 अक्टूबर तक कार्य बहिष्कार और 12 अक्टूबर को प्रदेश मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत लंबे समय से संविदा पर सेवाएं दे रहे कर्मचारियों ने नियमितीकरण समेत विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। बुधवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. सचिन जैन के नेतृत्व में एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को शासन तक पहुंचाने और शीघ्र समाधान की मांग की। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के नियमित कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर एनएचएम कर्मचारियों के आंदोलन का समर्थन किया।

ज्ञापन कार्यक्रम में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष संजीव लांबा, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के मंत्री मनोज त्यागी एवं अनिल कुमार, स्टाफ नर्स एसोसिएशन की अध्यक्ष सरिता चौधरी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय कुमार व कोषाध्यक्ष सुमित कुमार तथा एडीआरओ आनंद कुमार समेत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी पहुंचे। सभी ने एनएचएम संविदा कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि यदि संविदा कर्मचारियों का उत्पीड़न किया गया तो नियमित कर्मचारी भी उनके साथ आंदोलन में शामिल होंगे। एनएचएम कर्मचारी संघ ने ज्ञापन में कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कर्मचारी प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कई कर्मचारी 18 वर्षों से अधिक समय से लगातार संविदा पर कार्यरत हैं। कर्मचारियों का कहना है कि ग्रामीण और

दुर्गम क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, इसके बावजूद उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान सुविधाएं और वेतन नहीं मिल रहा है। संगठन की सबसे प्रमुख मांग एनएचएम संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण है। कर्मचारियों ने मांग की कि 18 वर्षों से अधिक समय से निरंतर सेवा दे रहे कर्मचारियों को स्वास्थ्य विभाग में नियमित किया जाए। कर्मचारियों ने दूसरी प्रमुख मांग समान कार्य-समान वेतन की रखी है। उनका कहना है कि जब तक नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक समान कार्य-समान वेतन के सिद्धांत के आधार पर वर्तमान वेतन में तत्काल वृद्धि की जाए, ताकि वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों को सम्मानजनक वेतन मिल सके। ज्ञापन में एनएचएम संविदा कर्मचारियों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों के लिए कम से कम 10 लाख रुपये की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई। कर्मचारियों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं देने वाले कर्मचारियों को स्वयं और परिवार के इलाज के लिए बेहतर चिकित्सा सुरक्षा मिलनी चाहिए। संविदा कर्मचारियों ने महंगाई भत्ता, ईपीएफ की प्रभावी सुविधा एवं नियमानुसार अंशदान, एनपीएस और ग्रेच्युटी का लाभ देने की भी मांग रखी। कर्मचारियों ने कहा कि लंबे समय तक सेवा करने वाले संविदा कर्मियों के सामाजिक और आर्थिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए इन सुविधाओं को लागू किया जाना जरूरी है।

मीरापुर में अवैध पटाखा फैक्टरी का पदार्फाश: लाखों रुपये के पटाखे व आतिशबाजी उपकरण बरामद

मुझेडा के जंगल में बंद कमरे में चल रहा था कारोबार

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव मुझेडा के समीप जंगल में लंबे समय से बंद पड़े एक कमरे में अवैध रूप से संचालित की जा रही पटाखा फैक्टरी का पुलिस ने बुधवार को पदार्फाश किया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में बने हुए पटाखे और पटाखे बनाने की सामग्री व उपकरण जब्त किए हैं। बरामद पटाखों की अनुमानित कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने दी दबिश जानकारी के अनुसार, बुधवार को स्थानीय पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव मुझेडा के समीप जंगल में स्थित एक सुनसान व बंद कमरे में बड़े पैमाने पर अवैध आतिशबाजी और पटाखे तैयार किए जा रहे हैं। सटीक सूचना मिलते ही थाना पुलिस की टीम ने बिना समय गंवाए बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर औचक छापेमारी की। जैसे ही पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी, कार्रवाई की भनक लगते ही वहां पटाखे बना रहे आरोपी मौके का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग निकले। पुलिस टीम ने कमरे के अंदर तलाशी ली, तो वहां भारी मात्रा में तैयार किए गए पटाखे, बारूद और उन्हें बनाने वाले कई उपकरण बिखरे पड़े मिले। पुलिस ने सभी सामग्री को अपने कब्जे में लेकर सील कर दिया। पुलिस के अनुसार, गांव मुझेडा के जंगल में बंद कमरे से भारी मात्रा में पटाखे और उपकरण मिले हैं। बरामद सामान की कीमत लाखों में है। फरार आरोपियों की पहचान कर

उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह अवैध कारोबार किसके संरक्षण में चल रहा था और पटाखों की आपूर्ति कहां-कहां की जानी थी। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सुसंगत धाराओं में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अमरोहा में विधायक के फार्म हाउस पर युवती से गैंगरेप: मुजफ्फरनगर के दो पुलिसकर्मी समेत दरोगा और सीआरपीएफ इंस्पेक्टर गिरफ्तार

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में एक बेहद शर्मनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। हरियाणा की रहने वाली 23 साल की एक युवती के साथ विधायक के फार्म हाउस पर सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) की वारदात को अंजाम दिया गया। इस घटना में हसनपुर कोतवाली में तैनात एक मुजफ्फरनगर निवासी पुलिसकर्मी समेत दरोगा, सिपाही और सीआरपीएफ के दो अधिकारी/कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

इस तरह से रची गई साजिश और हरियाणा से लाई गई युवती

पुलिस दर्ज एफआईआर के अनुसार, पीड़िता हरियाणा के फतेहाबाद जिले की रहने वाली है। 20 सितंबर को उसकी बात एक सहेली से हुई थी, जिसने उसे सीआरपीएफ के हेड कॉन्स्टेबल मोहित से मिलने के लिए सोनीपत बुलाया था। मोहित मूल रूप से मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। 21 सितंबर को युवती सोनीपत पहुंची, जहां से मोहित उसे अपनी ब्रेजा कार से मेरठ ले गया और रास्ते में अपने साथी सीआरपीएफ इंस्पेक्टर लालाराम यादव को भी बैठा लिया। यहां से आरोपी युवती को लेकर हसनपुर कोतवाली पहुंचे, जहां गेट पर सिविल कपड़ों में तैनात दरोगा संजय तोमर उनकी गाड़ी में सवार हो गया। इसके बाद सभी लोग झुलपुरी स्थित विधायक के 'डी डी ब्रदर्स फार्महाउस' पहुंचे। यह फार्म हाउस उत्तराखंड के खानपुर से निर्दलीय विधायक उमेश शर्मा का बताया जाता है।

शराब पार्टी के बाद कमरे में घुसकर किया कुकर्म

पुलिस के अनुसार, फार्म हाउस पर पहुंचने के बाद आरोपियों ने दो कमरे

बुक किए। कुछ देर बाद हसनपुर थाने का सिपाही प्रमोद, जो कि मुजफ्फरनगर के फुगाना थाना क्षेत्र के खेड़ा मस्तान गांव का रहने वाला है भी वहां खाना और शराब लेकर पहुंचा। इसके बाद सभी ने मिलकर शराब पार्टी की। मोहित, लालाराम यादव और दरोगा संजय तोमर युवती के कमरे में जबरन घुस आए और उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। बाद में जब चौथा आरोपी सिपाही प्रमोद अंदर आया, तो पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए उसे धक्का देकर बाहर किया और अंदर से कुंडी बंद कर ली। इसके बाद युवती ने मोबाइल पर गूगल सर्च कर अमरोहा पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों की कार्रवाई और बयान

सूचना मिलने के बाद रात में ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। दिनभर मामला दबाए रखने के आरोपों के बीच जब दबाव बढ़ा, तो पुलिस ने शाम 4:20 बजे चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

पुलिस अधीक्षक का बयान

अमरोहा के एसपी लाखन सिंह यादव ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता का मेडिकल करा लिया गया है और सभी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुरादाबाद के डीआईजी मुनिराज जी. भी अमरोहा पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सीआरपीएफ दिल्ली पांचवीं बटालियन का हेड कॉन्स्टेबल मोहित, असम की 156वीं बटालियन के इंस्पेक्टर लालाराम यादव, हसनपुर कोतवाली के दरोगा संजय तोमर और सिपाही प्रमोद शामिल हैं।

पार्किंग में वाहन खड़ा करने को लेकर छात्रों और गार्डों में भिड़ंत, डंडे लेकर खड़े गार्डों का वीडियो वायरल

छात्रों ने लगाया अभद्रता और बदसलूकी का आरोप, छात्र संघ नेता विशू मलिक धरने पर बैठे, डायरेक्टर बोले–जांच में गार्ड दोषी मिला तो हटाया जाएगा

मुजफ्फरनगर। नई मंडी क्षेत्र स्थित एसडी मैनेजमेंट संस्थान में बुधवार को पार्किंग में वाहन खड़ा करने को लेकर छात्रों और सुरक्षा गार्डों के बीच विवाद हो गया। वाहन खड़ा करने को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते विवाद में बदल गई। छात्रों ने सुरक्षा गार्डों पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने, हाथों में डंडे लेकर बदसलूकी करने और धमकाने के आरोप लगाए। घटनाक्रम से जुड़ा वीडियो भी छात्रों ने अपने मोबाइल फोन से बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद मामला गरमा गया और छात्र संघ नेता विशू मलिक मौके पर पहुंचकर छात्रों के समर्थन में धरने पर बैठ गए। बताया गया कि संस्थान में छात्र अपने वाहनों से पहुंचे थे। पार्किंग में वाहन खड़ा करने को लेकर छात्रों और सुरक्षा गार्डों के बीच विवाद शुरू हुआ। छात्रों का आरोप है कि गार्डों ने वाहन खड़ा करने को लेकर उनके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। बात बढ़ने पर सुरक्षा गार्ड हाथों में डंडे लेकर खड़े हो गए, जिसके बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। छात्रों ने आरोप लगाया कि

मामूली पार्किंग विवाद को लेकर उनके साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वह शिक्षण संस्थान के माहौल के अनुरूप नहीं है। जड़ौदा निवासी छात्र वंश त्यागी समेत अन्य छात्रों ने सुरक्षा गार्डों के व्यवहार पर आपत्ति जताई। छात्रों का आरोप है कि पार्किंग को लेकर हुए विवाद में गार्डों ने उनके साथ अभद्रता की और डंडे लेकर उन्हें डराने-धमकाने का प्रयास किया। छात्रों ने पूरे घटनाक्रम की वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर ली। बाद में यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिसमें कुछ सुरक्षा गार्डों के हाथों में डंडे दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। गार्डों ने छात्रों पर लगाया शराब पीने का आरोप

वहीं दूसरी ओर गार्डों की ओर से छात्रों पर पार्किंग परिसर में शराब पीने का आरोप लगाए जाने की बात भी सामने आई है। बताया गया कि इसी आरोप को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद और ज्यादा बढ़ गया। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। दोनों पक्षों के अपने-अपने आरोपों के चलते संस्थान परिसर में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामला तेजी से चर्चा में आ गया। छात्रों ने वीडियो के माध्यम से सुरक्षा गार्डों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई।

साइकिल करतब देखने पहुंचे लोगों में विवाद, दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे

शराब के नशे में एक युवक के विवाद करने के बाद बिगड़ा माहौल, दोनों पक्षों के 10-10 लोगों पर कार्रवाई; चार के खिलाफ भी निरोधात्मक कार्रवाई, गांव में पुलिस बल तैनात

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के परेई गांव में मंगलवार रात साइकिल से करतब दिखाने वाले नट का कार्यक्रम देखने के दौरान दो पक्षों के लोगों में विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी ने मारपीट का रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चलने लगे। मारपीट में एक पक्ष के कुछ लोगों को सामान्य चोटें आने की जानकारी है, जिनका पुलिस ने मेडिकल कराया है। घटना के बाद गांव में हंगामे की स्थिति बन गई। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है, जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छपार थाना प्रभारी मोहित सहरावत के अनुसार, 22 सितंबर 2026 की रात करीब साढ़े नौ बजे पुलिस को ग्राम परेई में कुछ लोगों के बीच झगड़े की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली।

पुलिस जांच में सामने आया कि गांव में साइकिल से करतब दिखाने वाले नट का कार्यक्रम चल रहा था। कार्यक्रम देखने के लिए जाटव समाज और जाट समाज के लोग एकत्र हुए थे। दोनों पक्षों के लोग मौके पर कार्यक्रम देख रहे थे। इसी दौरान शराब के नशे में बढ़ेड़ी गांव से आए एक व्यक्ति ने विवाद कर दिया। विवाद बढ़ा तो दोनों पक्षों में हुई मारपीट पुलिस के मुताबिक, एक व्यक्ति द्वारा विवाद किए जाने के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ से मारपीट शुरू हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने लाठी-डंडे उठा लिए और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। घटना के दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कुछ लोगों के बीच मारपीट का वीडियो भी बनाया गया, जो बाद में सामने आया। वीडियो में लोगों के बीच विवाद और मारपीट होती दिखाई दे रही है।

एक पक्ष के लोगों को आई सामान्य चोटें

पुलिस के अनुसार मारपीट में एक पक्ष के लोगों को सामान्य चोटें आई हैं। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया है। पुलिस का कहना है कि घटना के संबंध में सामने आए तथ्यों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की

कार्रवाई की जा रही है।

दोनों पक्षों के 10-10 लोगों पर कार्रवाई

मामले में पुलिस ने विवाद को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की है। थाना प्रभारी के मुताबिक दोनों पक्षों के 10-10 लोगों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 125/135 के तहत कार्रवाई की गई है। इसके अलावा चार लोगों के खिलाफ धारा 170 बीएनएसएस के तहत भी कार्रवाई की गई है। घटना के बाद पुलिस ने गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती। मौके पर एमएसके टीम को भी लगाया गया। टीम ने जाटव समाज और जाट समाज की महिलाओं को एकत्र कर काउंसलिंग की और आपसी तनाव को खत्म करने का प्रयास किया। मारपीट की घटना के बाद एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। थाना प्रभारी मोहित सहरावत ने बताया कि पुलिस लगातार मौके की निगरानी कर रही है। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था कायम है और स्थिति नियंत्रण में है। मारपीट की घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस उसकी भी जांच कर रही है। वीडियो में दिखाई देने वाले लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता कर रही है कि विवाद की शुरूआत किस बात को लेकर हुई और मारपीट में कौन-कौन लोग शामिल थे। प्रारंभिक पुलिस जांच में सामने आया है कि बढ़ेड़ी गांव से आए एक व्यक्ति द्वारा शराब के नशे में विवाद किए जाने के बाद मामला बढ़ा। हालांकि पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि मौके पर तत्काल पहुंचकर स्थिति को संभाल लिया गया और दोनों पक्षों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई कर शांति व्यवस्था बनाए रखने के इंतजाम किए गए हैं। पुलिस की निगरानी में गांव का माहौल परेई गांव में साइकिल करतब देखने के दौरान हुए विवाद के बाद पुलिस ने एहतियाती कदम उठाए हैं। पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ दोनों पक्षों के लोगों से बातचीत की जा रही है, ताकि दोबारा किसी तरह का विवाद न हो। फिलहाल पुलिस के अनुसार गांव में पूरी तरह शांति है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

पोक्सो कानून के प्रावधानों और कानूनी परिणामों पर अधिकारियों को किया गया जागरूक

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में बाल यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण से संबंधित पोक्सो अधिनियम, 2012 के प्रावधानों और उसके कानूनी परिणामों को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य संबंधित विभागों के अधिकारियों और बाल संरक्षण से जुड़े तंत्र को पोक्सो कानून के प्रति संवेदनशील बनाना तथा गांधी जयंती के अवसर पर प्रस्तावित विशेष जागरूकता कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित करना रहा। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ से अनुपालन में गांधी जयंती के अवसर पर पोक्सो अधिनियम के संबंध में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। इसी क्रम में माननीय प्रभारी जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशानुसार संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा और आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में पोक्सो अधिनियम के प्रावधानों, बाल यौन अपराधों से जुड़े मामलों में अपनाई जाने वाली कानूनी प्रक्रिया तथा कानून के उल्लंघन की स्थिति में होने वाले कानूनी परिणामों के संबंध में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रस्तावित जागरूकता कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानूनों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जा सके। बैठक की अध्यक्षता सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने की। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ पोक्सो अधिनियम से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए विशेष जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बाल संरक्षण, शिक्षा, पुलिस, प्रोबेशन और विधिक सेवा से जुड़े विभागों की भूमिका को लेकर भी समन्वय स्थापित करने पर चर्चा हुई। बैठक में बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष रीना पंवार, सदस्य पिंकी, जिला विद्यालय निरीक्षक के प्रतिनिधि आशीष द्विवेदी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय यादव, जिला सूचना अधिकारी नरसिंह, थाना एएचटी के उपनिरीक्षक जगत सिंह, जिला बाल परियोजना अधिकारी सोनम चौधरी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पीएलवी गौरव मलिक सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि पोक्सो कानून की जानकारी केवल संबंधित विभागों तक सीमित न रहे, बल्कि जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों और आम लोगों तक भी पहुंचाई जाए। अधिकारियों ने कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सहयोग और समन्वय का भरोसा दिया।

यूजीसी के नियमों के विरोध में सवर्ण समाज का शक्ति प्रदर्शन, टाउन हॉल से डीएम कार्यालय तक पैदल मार्च

बड़ी संख्या में समाज के लोग हुए शामिल, प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर नियमों पर पुनर्विचार की मांग; मांग पूरी न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

मुजफ्फरनगर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी 2026 के नियमों को लेकर सवर्ण समाज का विरोध अब सड़क पर दिखाई देने लगा है। बुधवार को संयुक्त सवर्ण समाज के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोगों ने टाउन हॉल से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के नियमों के विरोध में नारेबाजी करते हुए सरकार से इन नियमों को वापस लेने अथवा इन पर पुनर्विचार करने की मांग उठाई। बुधवार दोपहर करीब एक बजे टाउन हॉल से पैदल मार्च शुरू हुआ। हाथों में मांगों से संबंधित तख्तियां और बैनर लेकर प्रदर्शनकारी मुख्य मार्गों से होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। यहां प्रदर्शनकारियों

ने यूजीसी के नियमों को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं और जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यूजीसी की ओर से बनाए गए नए नियमों को लेकर सवर्ण समाज के एक वर्ग में असंतोष है। उनका कहना है कि उच्च शिक्षा की व्यवस्था में सभी वर्गों के साथ समान व्यवहार और समान अवसर की भावना सुनिश्चित होनी चाहिए। यूजीसी ने उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी विनियम, 2026 जनवरी में अधिसूचित किए थे। इन नियमों का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव से निपटना और समानता को बढ़ावा देना है। हालांकि, इन नियमों के कुछ प्रावधानों को लेकर विभिन्न पक्षों की ओर से आपत्तियां उठाई गईं। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और अगस्त 2026 में केंद्र ने अदालत को बताया था कि इन नियमों पर पुनर्विचार किया जा रहा है। पैदल मार्च का नेतृत्व अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि सरकार को सवर्ण समाज की मांगों और आपत्तियों को गंभीरता से सुनना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि समाज की ओर से अपनी बात सरकार तक पहुंचाने के प्रयासों में भी बाधाएं सामने आई हैं। विजय प्रताप सिंह ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के मुजफ्फरनगर आगमन का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उस दौरान सवर्ण समाज के कुछ नेताओं को ज्ञापन देने से रोकने के लिए उनके घरों के बाहर पुलिस तैनात की गई थी और करीब 18 घंटे तक उन्हें नजरबंद रखा गया।

अजनान की मौत पर पीड़ित परिवार के घर पहुंचे नूर सलीम राणा, एक लाख रुपये की मदद

निर्धना में तालाब में डूबने से 17 वर्षीय अजनान की हुई थी मौत, रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी समेत कई नेता रहे मौजूद, मौलवी मुस्तफा कुटेसरा ने भी दी आर्थिक सहायता

मुजफ्फरनगर। चरथावल क्षेत्र के गांव निर्धना में तालाब में डूबने से 17 वर्षीय अजनान की मौत के बाद रालोद नेताओं ने पीड़ित परिवार के बीच पहुंचकर दुख साझा किया। चरथावल के पूर्व विधायक एवं रालोद नेता नूर सलीम राणा ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और अपनी ओर से एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस दौरान रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी भी मौजूद रहे। बताया गया कि 27 जुलाई को अजनान तालाब में डूब गया था। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार और ग्रामीणों के साथ पुलिस व अन्य लोगों ने उसकी तलाश शुरू की थी। करीब 18 घंटे तक चले खोज अभियान के बाद 28 जुलाई को अजनान का शव तालाब से बरामद किया गया था। शव मिलने

के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराते हुए उसे परिजनों को सौंप दिया था। घटना के बाद से ही परिवार में मातम का माहौल बना हुआ है। पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान पूर्व विधायक नूर सलीम राणा ने अजनान की मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने परिवार की आर्थिक सहायता करते हुए एक लाख रुपये प्रदान किए। पीड़ित परिवार की मदद के लिए मौलवी मुस्तफा कुटेसरा भी आगे आए। उन्होंने परिवार को 11 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस दौरान मौजूद लोगों ने परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए अजनान की मौत पर दुख व्यक्त किया। पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद निर्धना गांव में रालोद के नवनियुक्त जिला सचिव मल्लू त्यागी के आवास पर स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे रालोद नेताओं और कार्यकताओं का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। मल्लू त्यागी को नई जिम्मेदारी मिलने पर उपस्थित लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और संगठन को मजबूत करने की उम्मीद जताई। स्वागत कार्यक्रम में विदित मलिक, फरमान त्यागी कुटेसरा, शंभू मेंबर चरथावल, रब्बान त्यागी चरथावल, गयूर मेंबर चरथावल, हाजी मतलूब राइन, हाजी नईम बुढ़ाना और जुनेद समेत कई साथी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों और क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने को लेकर भी चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने मल्लू त्यागी को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए उनके साथ सहयोग का भरोसा दिलाया।

रोहाना मिल परिसर से कॉलोनी तक चला विशेष स्वच्छता अभियान, साफ-सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

मुजफ्फरनगर। स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 के अंतर्गत इंडियन पोटाश लिमिटेड की शुगर यूनिट रोहाना कलां में स्वच्छता को लेकर लगातार विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में 23 सितंबर 2026 को मिल परिसर और कॉलोनी क्षेत्र में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यूनिट परिसर के विभिन्न स्थानों पर सफाई कर कूड़ा-कचरा और अनुपयोगी सामग्री को हटाया गया। इस दौरान स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। विशेष स्वच्छता अभियान के दौरान मिल परिसर के साथ-साथ कर्मचारियों की कॉलोनी के विभिन्न हिस्सों को भी साफ किया गया। अभियान में उन स्थानों पर विशेष ध्यान दिया गया, जहां कूड़ा-कचरा या अनुपयोगी सामग्री एकत्रित थी। सफाई के बाद कचरे को व्यवस्थित तरीके से हटाया गया, जिससे परिसर का वातावरण स्वच्छ और बेहतर नजर आए। इकाई प्रबंधन की ओर से अभियान के दौरान केवल साफ-सफाई तक सीमित न रहकर परिसर को लगातार स्वच्छ बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने-अपने कार्यस्थल तथा कॉलोनी परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई।

इकाई प्रबंधन ने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान को केवल एक दिन की गतिविधि न मानें, बल्कि इसे अपनी दैनिक कार्यशैली और जीवन का हिस्सा बनाएं। कार्यस्थल पर कूड़ा इधर-उधर न डालने और आसपास के वातावरण को साफ रखने के लिए सभी से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की गई। अभियान के दौरान स्वच्छता ही सेवा के संदेश को दैनिक जीवन में अपनाने पर जोर दिया गया। प्रबंधन की ओर से कहा गया कि स्वच्छ वातावरण का सीधा संबंध स्वस्थ जीवन से है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई को लेकर जिम्मेदारी निभाए तो सामूहिक रूप से स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार किया जा सकता है। मिल परिसर और कॉलोनी में चलाए गए विशेष सफाई अभियान के माध्यम से कर्मचारियों और उनके परिवारों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। अभियान में साफ-सफाई के साथ-साथ परिसर को व्यवस्थित रखने की आवश्यकता पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। इंडियन पोटाश लिमिटेड, शुगर यूनिट रोहाना कलां में स्वच्छता संबंधी गतिविधियों को निरंतर संचालित किया जा रहा है। प्रबंधन का उद्देश्य कार्यस्थल और कॉलोनी में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के साथ कर्मचारियों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 के तहत आगे भी विभिन्न गतिविधियां जारी रखने पर जोर दिया जा रहा है।

महिला से छेड़छाड़ का आरोपी लंगड़ाता और हाथ जोड़कर माफी मांगता नजर आया

वीडियो वायरल के बाद सीसीटीवी और अन्य माध्यमों से हुई पहचान, गिरफ्तारी के बाद आरोपी, महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

खतौली। सोशल मीडिया पर महिला के साथ छेड़छाड़ का वीडियो वायरल होने के बाद खतौली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वायरल वीडियो में एक युवक महिला के साथ छेड़छाड़ करता दिखाई दे रहा था। वीडियो पुलिस के संज्ञान में आने के बाद महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देश पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों से आरोपी की पहचान होने के बाद पुलिस ने बुधवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। मामला थाना खतौली क्षेत्र का है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में एक युवक महिला के साथ छेड़छाड़ करता नजर आ रहा था। वीडियो सामने आने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना खतौली में संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया। पुलिस के अनुसार महिला के प्रति अपराध के मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तत्काल पुलिस टीमों को लगाया गया।

एसएसपी के निर्देश पर आरोपी की तलाश तेज

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद थाना खतौली पुलिस ने आरोपी की पहचान के लिए वायरल वीडियो के साथ-साथ क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। पुलिस ने अन्य उपलब्ध माध्यमों से भी आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी की पहचान से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिले।

सीसीटीवी से हुई आरोपी की पहचान

पुलिस के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों से वीडियो में दिखाई दे रहे युवक की पहचान भूरा उर्फ कामिल पुत्र इलियास के रूप में हुई। पहचान होने के बाद पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। बुधवार

को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी इस्लामाबाद भूड़, कस्बा एवं थाना खतौली, मुजफ्फरनगर का निवासी बताया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में आरोपी लंगड़ाता हुआ और हाथ जोड़कर माफी मांगता नजर आ रहा है। उसके आसपास पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं। आरोपी किस वजह से लंगड़ाता हुआ दिखाई दे रहा है, इस संबंध में पुलिस की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। वहीं, हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आ रहे आरोपी का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ दर्ज मुकदमे में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार मामले में थाना खतौली पर मु0अ0सं0 312/2026, धारा 74 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब मुकदमे की विवेचना और अन्य विधिक प्रक्रिया पूरी कर रही है। सात सदस्यीय पुलिस टीम ने की गिरफ्तारी

आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मनीष कुमार, हेड कांस्टेबल धीरेन्द्र कुमार, कांस्टेबल प्रवीण कुमार, हेड कांस्टेबल मुनीश शर्मा, कांस्टेबल श्यौवीर तेवतिया, कांस्टेबल विवेक कुमार और हेड कांस्टेबल विकास कुमार शामिल रहे।

वीडियो सामने आते ही पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने पूरे मामले को पुलिस के संज्ञान में पहुंचाया, जिसके बाद पुलिस ने वीडियो की जांच करते हुए आरोपी तक पहुंचने का प्रयास शुरू किया। सीसीटीवी और अन्य माध्यमों से पहचान होने के बाद आरोपी की गिरफ्तारी की गई। पुलिस के मुताबिक मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है। पुलिस आरोपी से घटना के संबंध में आवश्यक पूछताछ कर रही है। साथ ही वायरल वीडियो और तहरीर के आधार पर सामने आए तथ्यों को विवेचना में शामिल किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूपी की हर छत बने ऊर्जा का स्रोत, हर घर बने हरित विकास का साथी

स्वच्छ ऊर्जा • आत्मनिर्भरता • सतत विकास

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य को हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर करने के लिए प्रतिबद्ध है। सौर ऊर्जा नीति-2022 के माध्यम से प्रदेश में घरों, किसानों, उद्योगों और सरकारी संस्थानों तक स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा पहुंचाने का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह पहल न केवल बिजली की बढ़ती मांग को पूरा कर रही है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन कम करने, रोजगार सृजन, किसानों की आय बढ़ाने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को भी नई गति दे रही है।

घर-घर सौर ऊर्जा

- अपनी छत को ऊर्जा उत्पादन का माध्यम बनाइए।
- बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत।
- केंद्र एवं राज्य सरकार की सब्सिडी का लाभ।
- नेट मीटरिंग के माध्यम से अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने की सुविधा।
- ऑनलाइन आवेदन एवं पारदर्शी प्रक्रिया।

किसान बने ऊर्जा उत्पादक (पीएम-कुसुम)

- सौर पंपों से कम लागत में सिंचाई।
- डीजल एवं पारंपरिक बिजली पर निर्भरता में कमी।
- खाली अथवा अनुपयोगी भूमि पर सोलर प्लांट स्थापित कर अतिरिक्त आय का अवसर।
- दिन में निर्बाध सिंचाई के लिए स्वच्छ ऊर्जा।

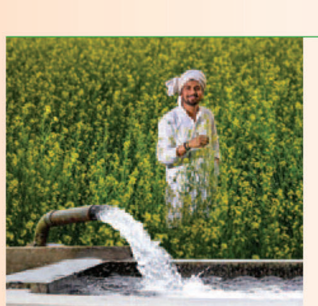

सोलर पंप योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2017- 18 से 2025 के बीच किसानों के खेतों में अलग- अलग क्षमता के 91,104 सोलर पंप लगाए गए।

पीएम सूर्य घर योजना से जगमग प्रदेश

कुल आवेदन (संख्या): 11,53,455

कुल इंस्टॉलेशन (संख्या): 6,99,303

कुल लाभान्वित परिवार (संख्या): 7,06,883

कुल स्थापित क्षमता: 2,356.78 मेगावाट (MW)

जारी की गई सब्सिडी: ₹4,652.73 करोड़

हरित शहर एवं ऊर्जा-सक्षम गांव

सोलर सिटी अवधारणा को बढ़ावा।

फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विकास।

सरकारी भवनों एवं संस्थानों में सौर ऊर्जा का विस्तार।

ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाइट एवं सार्वजनिक सुविधाओं का विकास।

उद्योगों के लिए ग्रीन एनर्जी

- उत्पादन लागत में कमी।
- ओपन एक्सेस एवं कैप्टिव सोलर परियोजनाओं को बढ़ावा।
- पर्यावरण-अनुकूल उद्योगों को प्रोत्साहन।
- कार्बन फुटप्रिंट घटाकर सतत विकास की दिशा में मजबूत कदम।

उत्तर प्रदेश सरकार की प्रमुख पहलें

- उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति-2022 के माध्यम से बड़े निवेश एवं सौर परियोजनाओं को प्रोत्साहन।
- रूफटॉप सोलर, ओपन एक्सेस, कैप्टिव एवं फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं के लिए अलग-अलग प्रावधान।
- पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।
- पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से किसानों के लिए सौर सिंचाई एवं ऊर्जा उत्पादन के नए अवसर।
- राज्य में फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं और ऊर्जा भंडारण आधारित सोलर प्रोजेक्ट्स को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

आज ही सौर ऊर्जा अपनाइए और उत्तर प्रदेश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कीजिए।

ADVERTORIAL

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी कार्यालय में पंचकर्म विभाग का सांसद ने किया शुभारंभ

गौतमबुद्धनगर। आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आज क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों को आयुर्वेद की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पंचकर्म विभाग का शुभारंभ माननीय सांसद डॉ. महेश शर्मा जी द्वारा फीता काटकर किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी द्वारा माननीय सांसद डॉ. महेश शर्मा जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद की उपयोगिता, उसके महत्व तथा स्वस्थ जीवनशैली में आयुर्वेद की भूमिका पर लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही आयुर्वेद एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

पंचकर्म विभाग का शुभारंभ क्षेत्रवासियों के लिए आयुर्वेद आधारित पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं को और सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे लोगों को आयुर्वेद की पंचकर्म चिकित्सा पद्धति से संबंधित सेवाओं की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने का अवसर मिलेगा।

आयुर्वेद दिवस के अवसर पर जनसामान्य में आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। माननीय सांसद डॉ. महेश शर्मा जी एवं मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में आयुष विभाग के अधिकारियों, चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने सहभागिता की। रैली के माध्यम से आमजन को आयुर्वेद, स्वस्थ जीवनशैली तथा आयुष चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. बंदना रानी, वैद्य अच्युत त्रिपाठी तथा आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी डॉ. दीपिका त्यागी सहित आयुष विभाग के अधिकारी, चिकित्सक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आमजन ने भी सहभागिता की।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने आयुर्वेद की उपयोगिता को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना दनकौर पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन आरोपियों के कब्जे से और उनकी निशानदेही पर चोरी के 10 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। इसके साथ ही इनके पास से दो अवैध चाकू भी बरामद हुए हैं। ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी संतोष कुमार के मुताबिक, इन आरोपियों को सुपरटेक अपकंट्री तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शोभित सिंह और रामजी उर्फ कपिल के रूप में हुई है। इनमें से शोभित सिंह की उम्र 27 साल है। वहीं, दूसरे आरोपी रामजी उर्फ कपिल की उम्र 23 साल है। ये दोनों आरोपी मूल रूप से शाहजहांपुर के रहने वाले हैं। वर्तमान समय में ये दोनों आरोपी कासना क्षेत्र में रह रहे थे।पुलिस पूछताछ में पता चला है कि ये आरोपी पहले दोपहिया वाहनों की रैकी करते थे। इसके बाद जैसे ही इन्हें मौका मिलता था, ये एनसीआर और आसपास के जिलों से वाहनों को चोरी कर लेते थे। चोरी के इन वाहनों को छिपाने के लिए वे जंगल और झाड़ियों का सहारा लेते थे। पुलिस को बरामद हुए वाहनों में से दो मोटरसाइकिलें दनकौर थाने में दर्ज मुकदमों से संबंधित पाई गई हैं।

दर्ज किए गए मुकदमेः पुलिस ने इन दोनों आरोपियों के खिलाफ वाहन चोरी करने और अवैध चाकू रखने के आरोप में मुकदमे दर्ज किए हैं। पुलिस अब बरामद किए गए अन्य वाहनों के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही पुलिस इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

डिफेंस कंपनी की छवि खराब करने का आरोप

नोएडा। सेक्टर-8 स्थित अकिला टेक्नोलॉजीज एंड इंटीग्रेशन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने लिंक्डइन पर संचालित एक प्रोफाइल के खिलाफ साइबर अपराध थाने में शिकायत दी है। यह कंपनी रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में काम करती है। कंपनी के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार मागो की ओर से 22 सितंबर को दी गई शिकायत में सर्गेई मोसिएन्को नाम के प्रोफाइल से कंपनी और भारतीय रक्षा क्षेत्र से संबंधित भ्रामक एवं प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री प्रसारित करने का आरोप लगाया गया है।

शिकायत के अनुसार प्रोफाइल से लगातार आरआईएमसीओ के उत्पादों का प्रचार किया जा रहा है। साथ ही भारतीय रक्षा कंपनियों, ड्रोन बनाने वाली कंपनियों और भारतीय सशस्त्र बलों से जुड़े लोगों के संबंध में विभिन्न टिप्पणियां और दावे किए जा रहे हैं।

कंपनी का आरोप है कि प्रोफाइल पर प्रकाशित सामग्री से उसकी प्रतिष्ठा, कारोबारी हित और ग्राहकों का विश्वास प्रभावित हो सकता है। कंपनी ने शिकायत में दावा किया है कि प्रोफाइल से भारतीय रक्षा क्षेत्र की कंपनियों पर सेना को गुमराह करने, बिना जानकारी के चीनी उपकरणों का इस्तेमाल करने और मेक इन इंडिया के संबंध में गलत दावे करने जैसे आरोप लगाए गए हैं। इस तरह की सामग्री से उसकी तकनीकी क्षमता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं। इससे कारोबार, संभावित अवसरों और प्रतिष्ठा को आर्थिक नुकसान होने की आशंका भी जताई गई है।शिकायतकर्ता ने साइबर अपराध पुलिस से प्रोफाइल संचालक की पहचान, उसकी संबद्धता और खाते के नियंत्रण की जांच करने का अनुरोध किया है। साथ ही संबंधित सामग्री और डिजिटल अभिलेखों की जांच कर यह पता लगाने की मांग की गई है कि मामला मानहानि, धोखाधड़ी, भ्रामक सूचना के प्रसार या किसी अन्य अपराध के दायरे में आता है या नहीं। कंपनी ने शिकायत में यह भी स्पष्ट किया है कि उसके आरोपों को जांच के बिना स्थापित तथ्य नहीं माना जाए। उसने पुलिस से उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके लिए एक टीम बनाई गई है। विदेशी नागरिक की प्रोफाइल का अध्ययन किया जा रहा है।

आकृति शांति निकेतन में फेलिक्स मेडिकल रूम का शुभारंभ, मिलेगी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा

नोएडा। सेक्टर 143बी स्थित आकृति शांति निकेतन सोसाइटी में बुधवार को फेलिक्स हॉस्पिटल्स की ओर से संचालित फेलिक्स मेडिकल रूम का विधिवत शुभारंभ किया गया। फेलिक्स हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता और प्रबंध निदेशक डॉ. रश्मि गुप्ता ने मेडिकल रूम का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान अपने संबोधन में डॉ. डीके गुप्ता ने कहा कि फेलिक्स मेडिकल रूम की स्थापना का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को समुदाय के करीब लाना है। ताकि लोगों को छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए दूर के अस्पतालों तक भागदौड़ न करनी पड़े। यह पहल फेलिक्स हॉस्पिटल्स की उस दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विभिन्न रिहायशी क्षेत्रों में

इसी तरह की सुविधाएं स्थापित की जा रही हैं। यह मेडिकल रूम नियमित रूप से क्रियाशील रहेगा और भविष्य में यहां स्वास्थ्य जांच शिविर, टीकाकरण अभियान तथा जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। संस्थान का लक्ष्य केवल इलाज उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समुदाय में समग्र स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना भी है। वहीं प्रबंध निदेशक डॉ. रश्मि गुप्ता ने कहा कि महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए त्वरित और भरोसेमंद चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना संस्थान की प्राथमिकता है। मेडिकल रूम में प्रशिक्षित स्टाफ की तैनाती की जाएगी, जिससे आपात स्थिति में भी तत्काल प्राथमिक उपचार मिल सकेगा। इस दौरान लोगों को 'प्रिविलेज कार्ड' उपलब्ध कराने की भी घोषणा की। जिसके माध्यम से सोसाइटी के निवासी फेलिक्स हॉस्पिटल्स की विभिन्न सेवाओं पर विशेष छूट और सुविधाएं प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा एक क्यूआर कोड भी प्रदर्शित किया गया। जिसे स्कैन कर लोग मेडिकल रूम और उसकी सेवाओं से जुड़ी अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

स्थानीय निवासियों ने इस पहल का खुले दिल से स्वागत किया। सोसाइटी के कई सदस्यों ने कहा कि अब तक मामूली स्वास्थ्य जांच और प्राथमिक उपचार के लिए भी उन्हें दूर स्थित अस्पतालों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब यह सुविधा उनके घर के नजदीक ही उपलब्ध हो सकेगी। कार्यक्रम में मौजूद बुजुर्ग निवासियों ने विशेष रूप से आपातकालीन सेवाओं के त्वरित उपलब्ध होने पर संतोष जताया।

पीएनजी कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में घरेलू एलपीजी से पीएनजी में स्थानान्तरण हेतु समन्वय बैठक आयोजित

गौतमबुद्धनगर। जिला पूर्ति अधिकारी गौतमबुद्धनगर निलेश उत्पल की अध्यक्षता में पीएनजी कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों एवं सोसाइटियों में घरेलू एलपीजी से पीएनजी में स्थानान्तरण के संबंध में समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित सीजीडी कंपनी इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), ऑयल कंपनियों (आईओसीएल, बीपीसीएल एवं एचपीसीएल) तथा जनपद के एलपीजी वितरकों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों एवं प्रक्रिया के अनुसार पीएनजी उपलब्ध सोसाइटियों की पहचान, एलपीजी उपभोक्ताओं का सत्यापन एवं पीएनजी कनेक्शन हेतु पंजीकरण की प्रगति पर चर्चा की गई। यह स्पष्ट किया गया कि पात्र उपभोक्ताओं को निर्धारित प्रक्रिया एवं

नोटिस अवधि का पालन सुनिश्चित करते हुए घरेलू एलपीजी से पीएनजी में स्थानान्तरित किया जाएगा।

जनपद में ऐसी सोसाइटियां, जहां पीएनजी नेटवर्क स्थापित है तथा नोटिस दिए हुए तीन माह से अधिक हो चुके हैं, उनमें से प्रथम चरण में चयनित 20 सोसाइटियों में यह अभियान पायलट प्रोजेक्ट के रूप में संचालित किया जाना है। चयनित सोसाइटियों का विवरण निम्नवत हैः

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए चिन्हित सोसाइटियों में पीएनजी कनेक्शन हेतु जागरूकता एवं सुविधा शिविर आयोजित किए जाएंगे। उपभोक्ताओं को पीएनजी पंजीकरण एवं आवश्यक औपचारिकताओं के संबंध में नोटिस, एसएमएस/व्हाट्सऐप एवं अन्य माध्यमों से सूचना दी जाएगी। निर्धारित नोटिस अवधि एवं अन्य वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त संबंधित घरेलू एलपीजी कनेक्शनों के संबंध में शासन के निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुए घरेलू एलपीजी कनेक्शनों को अस्थाई रूप से बंद कर दिया जाएगा।

सभी आरडब्ल्यूए/एओए एवं सोसाइटी प्रबंधन समितियों से कहा गया कि पीएनजी के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन में आईजीएल एवं संबंधित ऑयल मार्केटिंग कंपनी (ओएमसी) की टीमें आपस में समन्वय करते हुए आयात पर निर्भर घरेलू एलपीजी से घरेलू उत्पादन वाली पीएनजी में परिवर्तन की प्रक्रिया को सुगम बनाने एवं प्रोत्साहित करने के लिए संबंधित सीजीडी कंपनी, ऑयल कंपनियों (आईओसीएल, बीपीसीएल एवं एचपीसीएल) तथा एलपीजी वितरकों को सहयोग प्रदान करें।

इससे जनहित एवं शासन की अधिसूचना के प्रभावी क्रियान्वयन को सफल बनाने, जनपद में घरेलू एलपीजी पर निर्भरता कम करने तथा घरेलू उत्पादन वाली पीएनजी के उपभोक्ताओं में क्रमशः वृद्धि सुनिश्चित करने में सहयोग प्राप्त होगा।

ग्रेटर नोएडा में उद्यमियों और ईपीएफओ अधिकारियों के बीच हुई जागरूकता बैठक

नोएडा। इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (आईबीए), गौतमबुद्धनगर और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय ग्रेटर नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र बिंदु ईपीएफओ की नवीनतम गाइडलाइन और योजनाएं रहीं, जिन पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों को भविष्य निधि से जुड़े नए नियमों, महत्वपूर्ण बदलावों, ऑनलाइन सेवाओं और नई योजनाओं की पूरी जानकारी देना था, ताकि उद्योगों को किसी भी प्रकार की कानूनी, प्रशासनिक और आर्थिक कठिनाइयों से बचाया जा सके और सभी वैधानिक प्रावधानों का समयबद्ध अनुपालन पूरी तरह से सुनिश्चित किया जा सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम वैभव सिंह मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उनके साथ प्रवर्तन अधिकारी रमाकांत यादव ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया और उद्यमियों को भविष्य निधि से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रवर्तन अधिकारी ने उद्यमियों के मन में आ रही जिज्ञासाओं का संतोषजनक समाधान भी किया। इस कार्यक्रम की मेजबानी करने वाली कंपनी एक्सेडी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हिदेताका एंडो और मानव संसाधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक प्रदीप कुमार शर्मा ने सभी आए हुए अतिथियों और उद्यमियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान रखा गया प्रश्नोत्तर सत्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसमें उद्यमियों ने भविष्य निधि से संबंधित अपनी व्यावहारिक समस्याओं, नियमों और अनुपालन से जुड़े कई सवाल सीधे अधिकारियों के सामने रखे। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम वैभव सिंह और प्रवर्तन अधिकारी रमाकांत यादव ने इन सभी सवालों के बहुत ही सरल और व्यावहारिक समाधान बताए। इससे उद्यमियों को भविष्य में अपने यहां बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करने और विभागीय योजनाओं का सही लाभ उठाने की महत्वपूर्ण जानकारी मिली। आईबीए अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय ने अपने विचार रखते हुए कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य केवल समस्याओं को उठाना नहीं है, बल्कि उनके समयबद्ध समाधान की दिशा में लगातार प्रयास करना भी है। उन्होंने आगे कहा कि जागरूकता ही बेहतर अनुपालन की एक बहुत महत्वपूर्ण कुंजी है। आईबीए अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय ने बताया कि उद्यमियों को विभागीय नियमों और नई योजनाओं की समय पर सही जानकारी मिलने से अनावश्यक नोटिस, ब्याज, दंड और कानूनी विवादों से आसानी से बचाया जा सकता है। आईबीए भविष्य में भी विभिन्न सरकारी विभागों के सहयोग से ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित करता रहेगा। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम वैभव सिंह ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि ईपीएफओ का उद्देश्य केवल कानून का अनुपालन सुनिश्चित कराना नहीं है, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी को सामाजिक सुरक्षा का अधिकार उपलब्ध कराना भी है।

गांव में परखेंगे इमारतों की मजबूती, निर्माण के बाद देनी होगी स्ट्रेचरल सेफ्टी रिपोर्ट

नोएडा। गांवों में बनी और निर्माणाधीन इमारतों की सुरक्षा को लेकर नोएडा प्राधिकरण अब सख्ती करने जा रहा है। इन इमारतों के लिए स्ट्रक्चरल सेफ्टी रिपोर्ट अनिवार्य करने की तैयारी है। इसके लिए शासन को भेजी गई यूनिफाइड पॉलिसी में एक विशेष क्लॉज जोड़ा गया है। हालांकि यह पॉलिसी मुख्य रूप से इंडस्ट्री से संबंधित है, लेकिन ग्रामीण आबादी की सुरक्षा को देखते हुए इसमें इमारतों की संरचनात्मक सुरक्षा का प्रावधान शामिल किया गया है।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने बताया कि यूनिफाइड पॉलिसी में ग्रामीण क्षेत्रों की इमारतों की स्ट्रक्चरल सेफ्टी को लेकर प्रावधान किया गया है। शासन से पॉलिसी को मंजूरी मिलने के बाद इसे आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। बोर्ड की मंजूरी के बाद इसे लागू किया जाएगा। दिल्ली में इमारत गिरने की घटना के बाद नोएडा के गांवों में भी जर्जर और असुरक्षित इमारतों का सर्वे कराया जा रहा है। चिन्हित इमारतों पर नोटिस भी चस्पा किए जा रहे हैं। नोएडा के गांवों में प्राधिकरण की नक्शा नीति लागू है, लेकिन बड़ी संख्या में निर्माण होने के कारण भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा का मुद्दा सामने आता रहा है।

बनी और निर्माणाधीन इमारतों की होगी जांचः नई व्यवस्था लागू होने के बाद गांवों में बनी और निर्माणाधीन इमारतों की स्ट्रक्चरल सेफ्टी की जांच का रास्ता साफ होगा। रिपोर्ट के जरिए यह देखा जा सकेगा कि इमारत संरचनात्मक रूप से सुरक्षित है या नहीं। सर्फाबाद, भंगेल, सलारपुर, बरौला समेत नोएडा के कई गांवों में बड़ी संख्या में बहुमंजिला इमारतें बनी हैं और कई जगह निर्माण जारी है। ऐसे में इनकी संरचनात्मक सुरक्षा को लेकर प्राधिकरण का नया प्रावधान अहम माना जा रहा है।

सिर पर सामान गिरने से सुपरवाइजर की मौत

नोएडा। शहर की जेपी स्टार कोर्ट सोसाइटी में निर्माण कार्य के दौरान सामान ढोने वाली लिफ्ट से अचानक कुछ भारी सामान नीचे खड़े सुपरवाइजर के सिर पर गिर गया। गंभीर हालत में उसको नजदीक के एक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सेक्टर बीटा-2 कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दिल्ली निवासी 50 वर्षीय जगजीत सिंह बतौर सुपरवाइजर जेपी स्टार कोर्ट सोसाइटी में चल रहे निर्माण कार्य को देख रहे थे। वह बुधवार की सुबह साइट पर मौजूद थे। इसी दौरान ऊंचाई पर जा रही एक मालवाहक लिफ्ट से भारी सामान अचानक उनके ऊपर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है। परिजनों की तरफ से इस संबंध में अभी कोई शिकायत नहीं की गई है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नोएडा में 'युवा कनेक्ट' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गौतमबुद्धनगर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत MY Bharat, गौतमबुद्धनगर द्वारा जिले के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 'युवा कनेक्ट' कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रारंभ किए गए 100 सप्ताह के 'नशा मुक्त युवा–विकसित भारत' संकल्प अभियान के प्रति युवाओं को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही युवाओं को VBYLD 2027, MY Bharat की विभिन्न युवा पहलों तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं अभियानों जैसे कि 'वोकल फॉर लोकल', मतदाता जागरूकता, सड़क सुरक्षा, टीबी मुक्त भारत सहित अन्य महत्वपूर्ण अभियानों एवं पहलों की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुंचाई जा रही है।

इसी क्रम में आज राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नोएडा में युवा

कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें माननीय विधायक नोएडा पंकज सिंह मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि माननीय जिला अध्यक्ष नोएडा महानगर महेश चौहान उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और 'नशे को ना' कहने का संदेश देते हुए नशामुक्त युवा शक्ति के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में LDM राम विनोद कुमार, टीबी सेल से अंबुज पांडेय, महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. डॉ. अनीता निशा, MY Bharat के उप निदेशक शिवेंद्र सिंह तथा हस्स कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता गौतम सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान युवाओं की सहभागिता से जागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की गईं। MY Bharat द्वारा आगामी दिनों में जेपी इंस्टीट्यूट नोएडा, IILM विश्वविद्यालय, द्रोणाचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, KCC इंस्टीट्यूट, गलगोटियास विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भी युवा कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिले में मिहिर भोज कॉलेज, दादरी तथा शारदा विश्वविद्यालय में युवा कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को नशामुक्त जीवन, राष्ट्र निर्माण, VBYLD 2027 में सहभागिता तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं युवा-केंद्रित पहलों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः अनिल रॉयल
फोनः (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

गोदाम से 5 लाख के ऑप्टिकल फाइबर पाइप चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। बादलपुर थाना क्षेत्र में एक कंपनी के गोदाम से लाखों रुपये के ऑप्टिकल फाइबर प्लास्टिक पाइप चोरी होने का मामला सामने आया था। पुलिस ने इस मामले में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से चोरी किए गए करीब पांच लाख रुपये की कीमत के ऑप्टिकल फाइबर प्लास्टिक पाइप के सभी 10 बंडल बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, इन आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम ने मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद ली। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को काशीराम पार्क के पास से धर दबोचा। थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि इस चोरी की घटना को लेकर 9 सितंबर को कंपनी के अधिकारी लोकेश ने बादलपुर थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

कंपनी अधिकारी लोकेश ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया था कि कुछ अज्ञात चोर उनके गोदाम से ऑप्टिकल फाइबर प्लास्टिक पाइप के 10 बंडल चोरी करके ले गए हैं। इस शिकायत के मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। आरोपियों को पकड़ने और चोरी का माल बरामद करने के लिए पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

पूछताछ में हुआ चोरी का खुलासा: बादलपुर पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए बुधवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नीरज कुमार पुत्र कुमरजीत और रामबहादुर पुत्र गंगाराम के रूप में हुई है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों से पूछताछ करने के बाद उनकी निशानदेही पर चोरी किया गया पूरा माल बरामद कर लिया गया है। बरामद किए गए इन 10 बंडलों की अनुमानित कीमत करीब पांच लाख रुपये आंकी गई है। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि चोरी की इस वारदात में उनकी भूमिका और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की पूरी जानकारी जुटाई जा सके।

संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए सपा प्रतिबद्ध

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में बुधवार शाम दलित महासम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष इन्दर प्रधान ने की। मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन रहे।

रामजी लाल सुमन ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने संविधान में सभी को बराबरी का अधिकार दिया। उन्होंने पिछड़े, शोषित और वंचित वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की। सुमन ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान में बदलाव कर लोगों के अधिकार छीनना चाहती है। उन्होंने कहा कि सपा संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।।सुमन ने बताया कि 15 नवंबर को आगरा में दलित महासम्मेलन होगा। इसमें सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने गौतमबुद्ध नगर के कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में सम्मेलन में पहुंचने की अपील की।

छोटे एवं सीमांत किसानों को मिलेगा 6 लाख रुपए तक का दीर्घकालीन ऋण

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदेश के छोटे एवं सीमांत किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा कृषि आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना एवं भारत टैक्सी का शुभारंभ लखनऊ में किया गया। उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विकासखंड जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर में बड़ी संख्या में उपस्थित कृषकों द्वारा देखा गया। इस अवसर पर माननीय विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा ब्लॉक प्रमुख, जेवर मुन्नी देवी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। सजीव प्रसारण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कृषकों को मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना की पात्रता, ऋण सीमा, ब्याज दर, ब्याज अनुदान, ऋण अवधि एवं आसान मासिक किस्तों सहित योजना के विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही भारत टैक्सी योजना के संबंध में भी कृषकों को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का संचालन उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड (एलडीबी) के माध्यम से किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत छोटे एवं सीमांत किसानों तथा नियमित रूप से ऋण की अदायगी करने वाले पात्र पूर्व ऋणी सदस्यों को 6 लाख रुपए तक का दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। ऋण की अवधि 5 वर्ष अथवा उससे अधिक तथा प्रभावी ब्याज दर 6 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

योजना की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि ऋण की किस्तों का समय से भुगतान करने वाले पात्र किसानों को राज्य सरकार द्वारा ब्याज अनुदान का लाभ प्रदान करते हुए करते हुए 6% की दर पर लोन दिया जाएगा, इससे किसानों पर ऋण की लागत कम होगी तथा उन्हें आसान मासिक किस्तों (ईएमआई) के माध्यम से ऋण चुकाने की सुविधा प्राप्त होगी।

शासन द्वारा योजना के लिए 384 करोड़ रुपए की धनराशि का प्रावधान किया गया है तथा आगामी पांच वर्षों में लगभग 5 लाख किसानों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना के अंतर्गत कृषि के साथ-साथ कृषि आधारित गतिविधियों एवं पात्र अकृषि गतिविधियों के लिए भी ऋण सुविधा उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों द्वारा कृषकों को योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा पात्र कृषकों से संबंधित बैंक/भूमि विकास बैंक शाखा से योजना की पात्रता एवं आवश्यक अभिलेखों की जानकारी प्राप्त कर आवेदन करने की अपील की गई।

कार्यक्रम के संयोजक नरेश अमराला डायरेक्टर, यूपीआरएनएसएस रहे। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी जेवर, भूमि विकास बैंक जेवर के प्रतिनिधि मुरलीधर शर्मा, शाखा अध्यक्ष भूमि विकास बैंक, डीसीबी जेवर के शाखा प्रबंधक, सहकारिता विभाग के अधिकारीगण तथा क्षेत्र के बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

भाकियू कृषक शक्ति ने पैदल मार्च निकालकर सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में पांच सूत्रीय मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (कृषक शक्ति) के कार्यकर्ताओं और किसानों ने बुधवार को पैदल मार्च निकालकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। किसानों ने जमकर नारेबाजी की और जिलाधिकारी के नाम सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारी किसान जिलाधिकारी से सीधे वार्ता करने की मांग पर अड़े रहे। अधिकारियों की ओर से किसानों को निर्धारित समय में जिलाधिकारी से वार्ता कराने का आश्वासन दिया गया।

बुधवार सुबह मोजर बीयर कंपनी के गोल चक्कर के पास किसान एकत्र हुए। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमन ठाकुर के नेतृत्व में किसान पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हुए। किसान अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते रहे। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर किसान मुख्य गेट के अंदर पहुंचे और परिसर में धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारी जिलाधिकारी से सीधे वार्ता कराने की मांग की। जिलाधिकारी के मौजूद नहीं होने पर सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार ने किसानों से ज्ञापन लिया। अधिकारियों ने किसानों को 29 तारीख के बाद जिलाधिकारी से वार्ता कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया। यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमन ठाकुर ने कहा कि जिले के किसान अपनी समस्याओं को लेकर लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। किसानों का आरोप है कि तीनों प्राधिकरण उनकी समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसी वजह से किसानों को अपनी मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च करना पड़ा। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा में किसानों की मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो भारतीय किसान यूनियन (कृषक शक्ति) जिलाधिकारी कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेगी।

आईएमएस नोएडा में इंटरनल हैकाथॉन का आयोजन

नोएडा। आईएमएस नोएडा में इंटरनल हैकाथॉन टेकस्प्रिंट 2026 का सफल आयोजन हुआ। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2026 की तैयारियों के तहत विद्यार्थियों को नवाचार, तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच एवं समस्या समाधान के लिए तैयार करना है। संस्थान के स्कूल ऑफ आईटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों की 17 टीम ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए आईएमएस नोएडा के सलाहकार प्रोफेसर डॉ. जेके शर्मा ने कहा कि आज के तकनीकी युग में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में समस्याओं को समझने, नए विचार विकसित करने और उन विचारों को व्यावहारिक समाधान में बदलने की क्षमता भी आवश्यक है। हमारी कोशिश है कि विद्यार्थियों में अपनी स्किल का प्रयोग करने, असफलताओं से सीखने और नवाचार को वास्तविक रूप देने की समझ विकसित हो। वहीं स्कूल ऑफ आईटी की विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका दीक्षित बाजपेयी ने कहा कि टेकस्प्रिंट-2026 विद्यार्थियों के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सीखने, सहयोग करने और अपने तकनीकी विचारों को वास्तविक समाधान में बदलने का अवसर है।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. ज्योति के. त्रिपाठी ने बताया कि आज के कार्यक्रम के दौरान 17 टीमों की भागीदारी यह दर्शाती है कि हमारे विद्यार्थियों में नवाचार और तकनीकी समस्या समाधान के प्रति गहरी रुचि है। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों को ऐसा शैक्षणिक वातावरण मिले, जहां वे नई तकनीकों के साथ प्रयोग करते हुए आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा आयोजित इंटरनल हैकाथॉन में डीआरडीओ के कंसल्टेंट डॉ. आशुतोष मिश्रा एवं संस्थान के प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार गुप्ता ने बतौर निर्णायक की भूमिका निभायी। निर्णायकों ने टीमों की छात्रों की प्रस्तुतियों, विचारों में नवीनता, तकनीकी व्यवहार्यता एवं समस्या समाधान की क्षमता का मूल्यांकन किया तथा प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण सुझाव एवं रचनात्मक मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रतियोगिता के दौरान टीम पार्थ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि टीम स्टैक स्प्रिंटर्स ने द्वितीय और टीम हेवी कोडर्स ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों ने प्रभावी टीमवर्क, तकनीकी दक्षता और समस्या वक्तव्यों को व्यावहारिक तकनीकी समाधानों में बदलने की क्षमता का प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त समाचार

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 में 28 सितंबर को आयोजित होगा पश्चिमी मैदानी जोन का जनपद स्तरीय एक दिवसीय किसान मेला

गौतमबुद्धनगर। मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी ने जनपद के समस्त कृषकों को बताया कि कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम योजनान्तर्गत वर्ष 2026-27 में एग्रोक्लाइमेटिक जोन स्तर के पश्चिमी मैदानी जोन का जनपद स्तरीय एक दिवसीय किसान मेला 28 सितंबर 2026 को प्रातः 12:00 बजे से उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के एक्सपो मार्ट, हॉल संख्या-2, जनपद गौतमबुद्धनगर में आयोजित किया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि उक्त किसान मेले में पश्चिमी मैदानी जोन से संबद्ध जनपद मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, हापुड़ एवं शामली के कृषक प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को कृषि संबंधी तकनीकी जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त उपरोक्त जनपदों के प्रगतिशील एवं अचीवर कृषकों द्वारा भी प्रतिभाग किया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद के समस्त कृषकों से अपील की है कि वे उक्त किसान मेले में अधिकाधिक संख्या में प्रतिभाग कर कृषि वैज्ञानिकों से तकनीकी जानकारी प्राप्त करें तथा कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों, नवाचारों एवं उन्नत कृषि पद्धतियों से लाभान्वित हों।

ग्रामीणों ने पशुओं को जहर देकर मारने के आरोपी को पकड़ा

नोएडा। ग्रामीणों ने पाली गांव में जहर देकर पशुओं को मारने के आरोपी को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने उससे पुलिस को सौंप दिया। सोशल मीडिया पर आरोपी से बातचीत का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिन से गांव में एक के बाद एक कई पशुओं की मौत हो गई। ग्रामीणों ने इस बारे में पुलिस से शिकायत की, लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। इस बीच ग्रामीणों की सूझबूझ के बाद मंगलवार को एक आरोपी को गांव में रंगे हाथ पकड़ा गया। ग्रामीणों ने उससे पूछताछ की तो आरोपी ने अपना नाम लाला निवासी गाजियाबाद बताया।

उसने कहा कि वह चारे में जहर डाल देता था, जिससे पशु की मौत हो जाती थी। इसके लिए उसे तीन हजार रुपये मिलते थे। गिरोह के सरगना के कहने पर वह यह काम कर रहा था। ग्रामीणों ने आरोपी से बातचीत करते हुए वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। ग्रामीणों ने आसपास के लोगों को भी जागरूक किया और बताया कि इस तरह के लोग गांव में आकर पशुओं को मार रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी गांव में कपड़े बेचने के बहाने आता और मौका पाकर पशुओं के चारे में जहर मिला देता था। महज तीन हजार रुपये के लिए वह किसान के लाखों रुपये कीमत के पशुओं की जान ले रहा था। ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस को सौंप दिया। सूरजपुर कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस गिरोह के सरगना की तलाश में जुटी है।

ट्रक की टक्कर से घायल बाइक सवार की मौत

नोएडा। फेज-3 क्षेत्र स्थित एसआरएस अस्पताल के निकट करीब 25 दिन पहले ट्रक की टक्कर लगने से घायल बाइक सवार युवक की मौत हो गई। उसके भाई ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के मयूर विहार फेज-3 निवासी विकास गुप्ता ने पुलिस को बताया कि उसका भाई विशाल गुप्ता नोएडा में दुकान चलाता था। वह 28 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे बाइक से बाजार जा रहा था। जैसे ही वह एसआरएस अस्पताल के पास पहुंचा तो एक ट्रक के चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी।

टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक मौके से भाग गया। स्थानीय लोगों ने घायलावस्था में विशाल को नजदीक के एसआरएस अस्पताल में पहुंचाया, जहां से उसे सेक्टर-71 स्थित कैलाश अस्पताल में रेफर कर दिया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से ट्रक नंबर की पहचान कर आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गोल्फ होम्स की लिफ्टों में इंटरकॉम लगना शुरू

नोएडा। आम्रपाली गोल्फ होम्स सोसाइटी के लोगों की लिफ्ट से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। करीब दो साल के प्रयास के बाद सोसाइटी की लिफ्टों में इंटरकॉम लगाने का काम शुरू हो गया। इससे लिफ्ट में किसी भी आपात स्थिति में फंसने वाले लोगों को तत्काल सुरक्षा टीम या संबंधित जिम्मेदार व्यक्ति से संपर्क करने में मदद मिलेगी। इंटरकॉम की सुविधा शुरू होने से पहले पिछले महीने सभी लिफ्टों में कैमरे भी लगाए जा चुके हैं। कैमरे और इंटरकॉम की सुविधा मिलने के बाद लिफ्टों की निगरानी और आपातकालीन मदद, दोनों व्यवस्थाएं मजबूत होंगी।

एओए टीम और कोर्ट रिसीवर कार्यालय की ओर से लंबे समय से इस व्यवस्था को लागू कराने के लिए प्रयास किए जा रहे थे।एओए के अध्यक्ष अमरनाथ शर्मा और सचिव मयंक चौधरी के साथ पूरी एओए टीम इस व्यवस्था को लागू कराने में जुटी रही। एओए पदाधिकारियों के मुताबिक लिफ्ट में तकनीकी खराबी या किसी अन्य कारण से व्यक्ति के फंसने की स्थिति में इंटरकॉम काफी उपयोगी साबित होगा। निवासियों का कहना है कि खासकर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को आपात स्थिति में मदद मिलने का भरोसा बढ़ेगा।

आयुर्वेद दिवस पर ईशान आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में हुए विविध कार्यक्रम

नोएडा। 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर ईशान आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में 15 सितंबर से 23 सितंबर तक विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में संस्थान के बीएएमएस छात्र-छात्राओं एवं फैकल्टी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाने और विद्यार्थियों को भारतीय चिकित्सा पद्धति की समृद्ध परंपरा से जोड़ने के उद्देश्य से पूरे सप्ताह विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत श्लोक पारायण सत्र से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने आयुर्वेद एवं भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े श्लोकों का पाठ किया। इस अवसर पर औषधीय पौधों का रोपण एवं संरक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने औषधीय वनस्पतियों के महत्व, उपयोग एवं संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। साथ ही आमजन के लिए निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया, जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। विद्यार्थियों के ज्ञान एवं रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए अकादमिक क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद के महत्व एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता पोस्टर एवं स्लोगन रैली निकाली गई। कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं भाषण/स्पीच गतिविधियों के माध्यम से आयुर्वेद, स्वस्थ जीवनशैली, औषधीय पौधों तथा भारतीय चिकित्सा परंपरा के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज में आयुर्वेद के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। पूरे आयोजन के दौरान विद्यार्थियों एवं फैकल्टी सदस्यों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रमों ने न केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि आयुर्वेद की उपयोगिता और उसके संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्थान की ओर से बताया गया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को आयुर्वेद की मूल भावना से जोड़ने के साथ-साथ समाज में 'आयुर्वेद–स्वस्थ जीवन की आधारशिला' के संदेश को व्यापक स्तर तक पहुंचाना है।

12 करोड़ से अधिक के नशीले पदार्थ नष्ट कराए

नोएडा। पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन दहन के तहत 12 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के नशीले पदार्थ नष्ट कराए। न्यायालय की अनुमति के बाद 22 सितंबर को गठित समिति की निगरानी में यह कार्रवाई हुई। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में हुई कार्रवाई के दौरान दो हजार 254 किलोग्राम गांजा, 20.87 किलोग्राम चरस, दो किलोग्राम डोडा, 27 ग्राम स्मैक, 3206 नशीली गोलियां और 51 ग्राम नशीला पाउडर नष्ट कराया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमत करीब 12 करोड़ 43 लाख 42 हजार 750 रुपये थी। जांच के दौरान तस्करों से इन्हें बरामद किया गया था।

इनके बारे में एनडीपीएस ऐक्ट के 224 केस दर्ज थे।पुलिस अधिकारियों के अनुसार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कमिश्नरेट पुलिस लगातार अभियान चला रही है। कार्रवाई के दौरान बरामद नशीले पदार्थों को सुरक्षित रखने और मुकदमों की न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें नष्ट कराने के लिए समिति गठित की गई थी। संबंधित मामलों में न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद प्रक्रिया पूरी की गई। सबसे अधिक मात्रा में गांजा नष्ट कराया गया। पुलिस का कहना है कि जब्त मादक पदार्थों के नष्ट होने से उनके दोबारा अवैध कारोबार में पहुंचने की संभावना समाप्त हो गई। नशीले पदार्थों की तस्करी का सीधा असर युवाओं और समाज पर पड़ता है। ऐसे में तस्करों के खिलाफ कार्रवाई के साथ बरामद मादक पदार्थों को नियमानुसार नष्ट करना अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।लोगों से सहयोग की अपीलगौतमबुद्ध नगर पुलिस ने लोगों से भी नशे के खिलाफ अभियान में सहयोग करने की अपील की। पुलिस ने कहा कि किसी व्यक्ति के मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री या अन्य संदिग्ध गतिविधि में शामिल होने पर तत्काल स्थानीय पुलिस अथवा डायल-112 पर सूचना दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

शादी का झांसा देकर युवती से तीन वर्ष तक दुष्कर्म

नोएडा। सेक्टर-113 थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती ने एक विवाहित व्यक्ति पर शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी के खिलाफ फेज-3 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-117 स्थित एक अपार्टमेंट में रहने वाली युवती ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह पिछले दो वर्ष से सेक्टर-70 स्थित एक कंपनी में कार्यरत थी। उसी दौरान उसकी मुलाकात कंपनी के कर्मचारी जंग बहादुर से हुई। दोनों के बीच दोस्त हो गई। उसने खुद को अविवाहित बताया। इसके बाद आरोपी ने शादी करने का प्रस्ताव रखा।

विश्वास जीतकर धीरे-धीरे करके उसे करीब 15 लाख रुपये उधार ले लिए। दोनों लिवइन में रहने लगे। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने कई बार उसे साथ दुष्कर्म किया। गर्भवती होने पर जबरन गर्भपात भी करा दिया। पीड़िता ने जब नवंबर 2023 में शादी करने के लिए कहा तो आरोपी ने गाली-गलौज कर मारपीट की। इस दौरान पीड़िता के कान का पर्दा भी फट गया। इसकी शिकायत सेक्टर-113 थाने पर की गई। जहां आरोपी ने गलती मानते हुए समझौता कर लिया और भविष्य में ऐसी घटना ने करने का विश्वास दिलाया।पीड़िता के मुताबिक फरवरी 2026 में पीड़िता ने दोबारा शादी करने के लिए कहा तो आरोपी ने फिर से गाली-गलौज कर मारपीट की। उसने इसकी शिकायत दो मार्च 2026 को पुलिस से की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे आरोपी के हौसले बढ़ गए। आरोपी लगातार मानसिक और शारीरिक शोषण करता रहा। उसने 17 मार्च 2026 को एक बार फिर मारपीट की। इस बार पुलिस आरोपी को थाने ले गई। जहां कुछ पूनम नामक महिला पहुंच गई। उसने खुद को आरोपी की पत्नी होने का दावा किया। इसके बाद आरोपी के दो पुत्र, दो अन्य लोग पहुंच गए। उन्होंने पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी।

पृथला ब्रिज धरने का 17वां दिन बिजली विभाग ने डूब क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर व हर घर बिजली देने का किया वादा

नोएडा। भारतीय किसान परिषद के आह्वान पर पृथला ब्रिज के पास चल रहा धरना-प्रदर्शन बुधवार को 17वें दिन भी महिलाओं की भारी मौजूदगी में जारी रहा। धरने में एक अनूठा मोड़ तब आया जब पिछले 8 दिनों से पेंशन कर रहीं महिलाओं की दशा देखकर लगभग 10 पुरुषों ने अनशन पर बैठने का फैसला किया। अब आंदोलन की रणनीति में बदलाव करते हुए महिलाएं जन-जागरण अभियान चलाएंगी और विभिन्न कॉलोनियों में जाकर अन्य महिलाओं को धरना-प्रदर्शन में शामिल होने के लिए आग्रह करेंगी। वहीं, पुरुष अमरन इंसान पर बैठकर अनशन करेंगे।

बीती रात 3 घंटे चली वार्ता: बीते कल दिनांक 22 सितंबर 2026 को रात्रि लगभग 8:00 बजे तक सेक्टर-37 स्थित सर्किट हाउस में लगभग 3 घंटे तक चली वार्ता में जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, 2 एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस तथा बिजली विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

वार्ता के निष्कर्ष:क बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा जल्द ही डूब क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करके प्रत्येक घर को बिजली उपलब्ध कराने का वादा किया गया।

क डूब क्षेत्र में रह रहे लोगों की समिति ने सहमति से निर्णय लिया कि अगले 15 दिनों तक केवल धरना स्थल पर ही धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

क महिलाएं प्रत्येक कॉलोनी में जाकर लोगों को जागरूक करेंगी।

सुखवीर खलीफा का बयान:सुखवीर खलीफा ने कहा कि कामगार वर्ग के लोगों को बिजली का अधिकार दिलाने के लिए शासन-प्रशासन के सम्मुख हर प्रकार का विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

सर्दी में ही क्यों जागता है सिस्टमः दिल्ली के 80-85% प्रदूषण का स्रोत शहर के भीतर, वाहन सबसे बड़ा कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की खराब हवा के लिए केवल बाहरी स्रोतों को जिम्मेदार मानना सही तस्वीर नहीं है। सच यह है कि इसमें स्थानीय स्रोतों की भूमिका सर्वाधिक है। विशेषज्ञ दिल्ली के प्रदूषण में इसकी हिस्सेदारी 80 से 85 प्रतिशत तक मानते हैं।

पर्यावरण विशेषज्ञों ने भी स्वीकार किया है कि यह दिल्ली का अपना ही प्रदूषण है, जो साल भर यहां की हवा खराब रखता है। साथ ही साल भर प्रदूषण नियंत्रण के उपाय न होने से सर्दियों में विकराल रूप में नजर आता है।

आइआइटीएम पुणे की निर्णय सहयोग प्रणाली (डीएसएस) के आंकड़ों पर किए गए सीएसई विश्लेषण पर गौर करें तो भी यह प्रमाणित हो जाता है। इसके अनुसार स्थानीय स्रोतों में वाहनों की हिस्सेदारी सबसे अधिक 46 प्रतिशत रही, जबकि उद्योग 22 प्रतिशत के साथ दूसरे बड़े स्रोत रहे।

घरेलू स्रोत 11, निर्माण छह, कचरा जलाना चार और सड़क की धूल तीन प्रतिशत रही। इससे स्पष्ट है कि शहर के भीतर होने वाला उत्सर्जन हवा की गुणवत्ता सुधारने की बड़ी चुनौती है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के अध्ययन भी वाहन, उद्योग, निर्माण, सड़क की धूल, घरेलू ईंधन

और कचरा जलाने को प्रमुख स्थानीय स्रोतों में गिनाते हैं।

सभी नियम तात्कालिक, वर्ष भर के लिए कुछ नहीं: स्थानीय स्रोतों पर नियंत्रण के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) और डीपीसीसी की ओर से कहने के लिए अनेक उपाय लागू हैं। सीएक्यूएम ने 2026 में उद्योगों के कण उत्सर्जन के लिए अलग निर्देश जारी किए हैं।

निर्माण और विध्वंस गतिविधियों में धूल नियंत्रण तथा मलबे के प्रबंधन के लिए भी निर्देश जारी किया गया है। सड़क की धूल नियंत्रित करने के लिए यांत्रिक सड़क सफाई मशीनों के संचालन के मानक भी तय किए गए हैं।

वाहनों के मामले में सीएक्यूएम ने मई 2026 से वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) के बिना वाहनों में ईंधन भरने पर रोक लगाई है। साथ ही दिल्ली एवं एनसीआर में नए पंजीकृत तिपहिया वाहनों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को अनिवार्य करने का निर्देश भी जारी किया गया है।

नया अध्ययन, नई उम्मीद

स्थानीय स्रोतों की सही हिस्सेदारी तय करने के लिए सीएक्यूएम ने 500म500 मीटर के ग्रिड स्तर पर उच्च-रिजोल्यूशन उत्सर्जन सूची और सोर्स अपार्शन्मेंट का नया ढांचा तैयार किया है। इसका उद्देश्य अलग-अलग अध्ययनों के आंकड़ों में मौजूद अंतर को कम कर एक समान वैज्ञानिक आधार तैयार करना है। यानी चुनौती अब नियम बनाने की ही नहीं, उनके सालभर प्रभावी क्रियान्वयन की भी है। ऐसे में वाहनों, उद्योग, निर्माण और धूल जैसे स्थानीय स्रोतों पर लगातार नियंत्रण के बिना हवा की गुणवत्ता में स्थायी सुधार मुश्किल रहेगा। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) अगस्त में 100 से नीचे था, लेकिन सितंबर आते- आते यह 170 के पार पहुंच चुका है, जबकि अभी तापमान में उल्लेखनीय गिरावट नहीं आई है। यह स्थिति संकेत देती है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या केवल सर्दियों तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसून के कुछ महीनों को छोड़कर पूरे वर्ष बनी रहती है।

ऐसे में प्रदूषण नियंत्रण की कार्रवाई केवल सर्दियों में तेज करने के बजाय पूरे साल चलने वाली कार्ययोजना के तहत होनी चाहिए। इस योजना को सही समय पर लागू करने के साथ उसकी नियमित निगरानी भी जरूरी है। सितंबर से ही यातायात जाम और वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। सभी निर्माण स्थलों की नियमित निगरानी होनी चाहिए। पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय कर पराली के समय पर निस्तारण की योजना प्रभावी ढंग से लागू करनी होगी, ताकि खुले में जलाने की घटनाओं को रोका जा सके। इसके लिए एक मजबूत और पूर्ण निगरानी तंत्र तैयार करना भी आवश्यक है, ताकि तय उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

डीपीसीसी की व्यवस्था में भी निर्माण स्थलों की धूल, उद्योग, वाहन, जनरेटर सेट और खुले में कचरा जलाने जैसे स्रोतों की निगरानी शामिल है। समिति के पास वास्तविक समय में प्रदूषण के स्रोतों की पहचान और पूर्वानुमान की व्यवस्था भी है।

लेकिन ये सभी नियम मुख्यतया सर्दियों के लिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

शालीमार बाग में रातभर चला बुलडोजर, मदीना मस्जिद का हिस्सा और कई घर जमींदोज

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के शालीमार बाग में मंगलवार को देर रात सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत मदीना मस्जिद के ऊपरी हिस्से और इसके आसपास बने कई मकानों पर बुलडोजर कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान हंगामा न हो इसके लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासन की ओर से की गई इस कार्रवाई से आधी रात को सियासत गरमा गई है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस रोड को चौड़ा करने के लिए पहले भी कई बार डिमोलिशन ड्राइव चलाई जा चुकी है। इस बार रात के अंधेरे में की गई कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। वहीं मस्जिद पर कार्रवाई की सूचना मिलते ही एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई मौके पर पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

शोएब जमई ने इस कार्रवाई को पूरी तरह से असंवैधानिक और गैर-कानूनी करार दिया है। शोएब ने कहा कि जिस तरह उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में रात के अंधेरे में मस्जिद पर बुलडोजर चलाया गया था, उसी पैटर्न पर दिल्ली के शालीमार बाग में भी कार्रवाई की गई है।

दिल्ली को सहारनपुर पार्ट-2 नहीं बनने दिया जाएगा। इस कार्रवाई को लेकर आप नेता सौरव भारद्वाज भी मौके पर पहुंचे और इस कार्रवाई को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

अब रील के जरिए बच्चे बताएंगे देश-समाज के लिए अपनी जिम्मेदारी, दिल्ली में शुरू हुई प्रतियोगिता

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र अब रील के जरिए भी समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश दे सकेंगे। शिक्षा निदेशालय ने मेरी सेवा, मेरा संकल्प रील प्रतियोगिता शुरू की है। यह प्रतियोगिता 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान का हिस्सा है।

प्रतियोगिता में विद्यार्थी छोटे वीडियो बनाकर बताएंगे कि आम नागरिक अपने आसपास के समाज और देश के लिए किस तरह योगदान दे सकते हैं। रील के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सेवा और जिम्मेदार नागरिक बनने जैसे विषयों पर अपनी सोच रखने का मौका मिलेगा।

शिक्षा निदेशालय ने रील के लिए कई विषय तय किए हैं। इनमें जनभागीदारी के जरिए राष्ट्र निर्माण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण, नागरिक जिम्मेदारी, सामुदायिक सेवा, बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों की मदद, दया और सेवा के कार्य तथा सार्वजनिक संपत्ति और राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान शामिल हैं।

विद्यार्थी इन विषयों को अपने आसपास होने वाली घटनाओं और रोजमर्रा के उदाहरणों के जरिए रील में प्रस्तुत कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से अपनी बात रखने का अवसर देना और उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

साथ ही इन गतिविधियों को विकसित भारत ञ्च2047 की सोच से भी जोड़ा गया है। सेवा संकल्प अभियान के तहत रील प्रतियोगिता के साथ चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं।

चित्रकला प्रतियोगिता में पांच से 12 वर्ष और 12 से 18 वर्ष के दो आयु वर्ग होंगे। वहीं, भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 10 से 12 तक के विद्यार्थी हिस्सा ले सकेंगे।

बिना पहचान शव का अंतिम संस्कार क्यों? युवराज मनचंदा केस में गुरुग्राम पुलिस पर भड़का कोर्ट; रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में 31 वर्षीय रियल एस्टेट प्रोफेशनल युवराज सिंह मनचंदा की मौत और उनके शव की पहचान किए बिना अंतिम संस्कार किए जाने के मामले में दिल्ली की अदालत ने गुरुग्राम पुलिस के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने पुलिस की ओर से दाखिल जवाब को 'क्रिप्टिक' (अस्पष्ट और अधूरा) बताते हुए इसे पहले दिए गए आदेश का अनुपालन नहीं माना और गुरुग्राम के पुलिस अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत में पेश रिकॉर्ड और शिकायत के अनुसार, युवराज का शव 10 सितंबर को गुरुग्राम में हरियाणा पुलिस के एक नाले से बरामद हुआ था। परिवार का आरोप है कि उन्हें युवराज के शव के बरामद होने की जानकारी 16 सितंबर को दी गई जबकि 14 सितंबर को अंतिम संस्कार कर दिया गया। अदालत अब यह जानना चाहती है कि जब शव की पहचान नहीं हुई थी, तब उसकी पहचान की प्रक्रिया क्या अपनाई गई और उसे बिना पहचान के अंतिम संस्कार के लिए कैसे भेज दिया गया। युवराज के परिवार की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अमित प्रसाद, अधिवक्ता रजत जैन और निहारिका कुशवाहा ने पुलिस की कार्रवाई पर कई सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि परिवार ने पुलिस से संपर्क करने पर कथित तौर पर उन्हें युवराज के शव से मिलते-जुलते व्यक्ति की तस्वीरें भेजी गई थीं। परिवार की ओर से यह भी सवाल उठाया गया कि शव की पहचान की प्रक्रिया पूरी तरह क्यों नहीं अपनाई गई।

दिल्ली में कॉलेज छात्रा के साथ छेड़खानी, बाइक सवार लोगों ने की अश्लील हरकतें; धक्का देकर हो गए फरार

नईदिल्ली, एजेंसी। लाडो सराय स्थित कार्यालय से देर रात स्कूटी से घर लौट रही 21 वर्षीय युवती का पंचशील पार्क मेट्रो स्टेशन के पास बाइक सवार दो युवकों ने पीछा किया और अश्लील टिप्पणियां कीं। इसके बाद उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी।

हादसे में युवती करीब 100 से 150 मीटर तक सड़क पर घिसटती चली गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। चिकित्सकों ने उसे प्लास्टिक सर्जरी की सलाह दी है। घटना 11 सितंबर की रात की है। युवती की शिकायत के आधार पर मंगलवार को हौजखास थाने में दो अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

पीछा कर अश्लील टिप्पणियां करने लगे: युवती के मुताबिक, वह लाडो सराय स्थित आर्ट फर्म में इंटर्नशिप करने के बाद कालकाजी स्थित घर लौट रही थी। पंचशील पार्क मेट्रो स्टेशन के पास बाइक सवार दोनों युवक उसके पीछे लग गए। इन युवकों ने उसका पीछा जारी रखा और उसके पास आकर अश्लील टिप्पणियां कीं। युवती ने शिकायत में बताया कि उसने स्कूटी आगे बढ़ाकर दोनों से बचने का प्रयास किया, लेकिन दोनों बाइक सवार उसके साथ चलते रहे।

टक्कर के बाद सड़क पर घिसटती रही: आरोप है कि दोनों युवकों ने बाइक से उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। इससे युवती स्कूटी से गिर गई और सड़क पर करीब 100 से 150 मीटर तक घिसटती चली गई। सड़क पर

पत्थर, गिट्टी और धूल होने के कारण उसके शरीर पर कई जगह गहरे कट आए और काफी खून बहा।

हादसे के बाद दोनों युवक बाइक लेकर मौके से फरार हो गए। सड़क पर घायल पड़ी युवती की राहगीरों ने मदद की और एंबुलेंस बुलाकर उसे अस्पताल पहुंचाया।

गंभीर चोटों के बाद प्लास्टिक सर्जरी: युवती को पहले साकेत स्थित मैक्स अस्पताल ले जाया गया। चोटों की गंभीरता को देखते हुए बाद में उसे नोएडा के मेदांता अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे प्लास्टिक सर्जरी कराने की सलाह दी।

वह ओखला के एक डिजाइन इंस्टीट्यूट में चौथे वर्ष की पढ़ाई कर रही है और लाडो सराय की आर्ट फर्म में इंटर्नशिप कर रही थी। चिकित्सकीय राय लेने के लिए वह कानपुर भी गई थी।

यमुना सफाई के लिए दिल्ली में बड़ा प्लान, नए एसटीपी और पुराने प्लांट होंगे अपग्रेड; खर्च होंगे, 1090 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना की सफाई के लिए गंदे पानी को नदी में जाने से रोकना होगा। इसके लिए नए सीवेज उपचार संयंत्र स्थापित (एसटीपी) स्थापित किए जा रहे हैं। पुराने (एसटीपी) को अपग्रेड करने का भी कार्य चल रहा है, इसके लिए लगभग 1090 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इन परियोजनाओं के साथ ही दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अधिकारियों के साथ बैठक कर जल आपूर्ति व यमुना सफाई से संबंधित अन्य परियोजनाओं की समीक्षा की।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि लगभग 2012 करोड़ रुपये की लागत से 114 अनधिकृत कआलोनियों में सीवर नेटवर्क का काम पूरा हो चुका है, जबकि इन क्षेत्रों में 1,28,633 घरों को घरेलू सीवर कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

276 कॉलोनियों में चल रहा है सीवर नेटवर्क का कामः 276 कालोनियों में सीवर नेटवर्क का काम फिलहाल चल रहा है, जबकि

647 अनधिकृत कालोनियों में लगभग 5,44,680 घरों को घरेलू सीवर कनेक्शन प्रदान करने की प्रक्रिया चल रही है। उपराज्यपाल ने सीवर नेटवर्क की कमी वाले क्षेत्रों से सेप्टेज सफाई मशीनों की तैनाती कर गंदगी को सीवेज उपचार संयंत्र तक ले जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। अधिकारियों ने कहा कि सभी क्षेत्रों में सीवर लाइन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए काम चल रहा है।

कालकाजी घटना के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज का बड़ा फैसला, ऑनलाइन क्लासेज हुईं शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के कालकाजी स्थित आस्था कुंज पार्क के पास हुई घटना के बाद कॉलेजों में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वुमेन ने बुधवार को कॉलेज में ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की। इससे पहले मंगलवार को भी नियमित कक्षाएं रद कर दी गई थीं।

कॉलेज से तीन किमी दूर हुई वारदातः कॉलेज से करीब तीन किलोमीटर दूर हुई इस घटना के बाद कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। कॉलेज की प्राचार्या कनिका के. आहूजा ने बताया कि जैसे ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी मिली, तत्काल कक्षाएं स्थगित करने का निर्णय लिया गया। छात्राओं की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य कॉलेज के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। दो दिन कॉलेज में कक्षाएं ऑनलाइन लगाई जाएंगी। बृहस्पतिवार से आफलाइन कक्षाएं लगेंगी।

नजफगढ़ की अनियोजित कॉलोनियों में विकास की दस्तक

58 करोड़ की 17 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

नईदिल्ली, एजेंसी। बदहाल सड़कों, जलभराव और सीवेज की जटिल समस्याओं से जूझ रही नजफगढ़ विधानसभा क्षेत्र की अनियोजित कालोनियों को अब बड़ी राहत मिलने जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राज्य सरकार की ओर से क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 58 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कुल 17 विकास परियोजनाओं का प्रदेश की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नजफगढ़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शिलान्यास किया। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा, क्षेत्रीय विधायक नीलम कृष्ण पहलवान सहित अनेक व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि ''विकसित दिल्ली'' का लक्ष्य तभी हासिल होगा जब विकास केवल चुनिंदा इलाकों तक सीमित न रहकर अनियोजित कालोनियों तक पहुंचे।

उन्होंने वर्षों से अटके सर्किल रेट के रिवीजन का काम पूरा होने और इसे जल्द लागू करने की घोषणा की। साथ ही दिल्ली के मास्टर प्लान को आगे बढ़ाते हुए गरीबों, किसानों के हितों की रक्षा और पुनर्विकास के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त किया।

इन कार्यों से होगा जीवन सुगमः जिन कार्यों का यहां शिलान्यास किया गया, उनमें ईस्ट कृष्णा विहार (भाग-1 से भाग-6) और शिव विहार जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में सड़कों और नालियों का पुनर्निर्माण शामिल है।

इसके अलावा, क्षेत्र की 6 अन्य अनियोजित कालोनियों जिनमें नजफगढ़ एक्सटेंशन, दीपक विहार, डाबर एन्क्लेव, सैनिक एन्क्लेव-3 (विनोबा एन्क्लेव), चिनार एन्क्लेव और विनोबा एन्क्लेव शामिल है, वहां 33 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 10 इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर निर्माण कार्य पहले से ही तेजी से चल रहा है।

डिसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से सीवेज प्रबंधन में आसानीः क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सरकार ने जलभराव और सीवेज प्रबंधन के स्थायी समाधान की रणनीतिक योजना बनाई है। इसके तहत 46.5 एमजीडी की कुल क्षमता वाले 12 डिसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डीएसटीपी) स्थापित किए जाएंगे, जिससे आसपास की कालोनियों और गांवों का सीवेज सिस्टम पूरी तरह सुधर जाएगा। साथ ही, यातायात को सुगम बनाने के लिए नजफगढ़ नाले के दोनों किनारों पर सड़क संपर्क को मजबूत किया जा रहा है।

दिल्ली एसआईआर में वोटर बनने की दौड़ तेज, 3.11 लाख से ज्यादा फॉर्म-6 आवेदन; नाम हटाने की 53000 अर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रहे विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फार्म-6 के आवेदन लगातार बढ़ रहे हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) की 22 सितंबर की दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, 31 अगस्त से 21 सितंबर के बीच 13 जिलों में फार्म-6 के 99,439 आवेदन मिले। 30 अगस्त तक मिले 2,12,400 आवेदनों को मिलाकर अब तक कुल 3,11,839 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। वहीं, 31 अगस्त से 21 सितंबर के बीच मतदाता

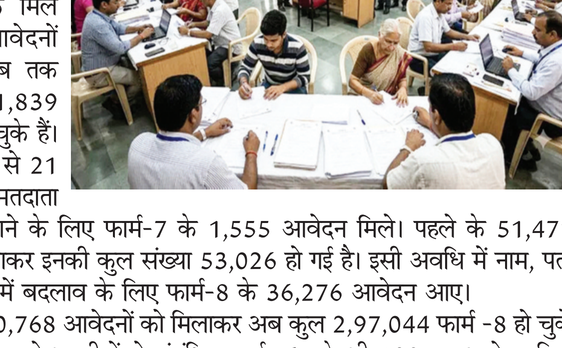

सूची से नाम हटाने के लिए फार्म-7 के 1,555 आवेदन मिले। पहले के 51,471 आवेदनों को मिलाकर इनकी कुल संख्या 53,026 हो गई है। इसी अवधि में नाम, पता या अन्य विवरण में बदलाव के लिए फार्म-8 के 36,276 आवेदन आए।

पहले के 2,60,768 आवेदनों को मिलाकर अब कुल 2,97,044 फार्म -8 हो चुके हैं। विदेश में रहने वाले भारतीयों से संबंधित फार्म -6ए के भी 190 नए आवेदन मिले हैं। पहले के 1,351 आवेदनों को मिलाकर इसकी कुल संख्या 1,541 हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

रोशिबिना देवी क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

एशियन गेम्स में लगातार तीसरा वुशु मेडल पक्का

नागोया । भारत की रोशिबिना देवी ने महिलाओं के 60 किग्रा वुशु क्वार्टर फाइनल में मकाऊ, चीन की चू मैन सिन को 5–0 से शिकस्त दी। मंगलवार को आइची प्रीफेक्चरल मार्शल आर्ट्स हॉल में इस जीत के साथ रोशिबिना ने एशियन गेम्स में अपना तीसरा मेडल सुनिश्चित कर लिया है। 2018 और 2022 एशियन गेम्स की मेडलिस्ट रोशिबिना ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना तीसरा

कॉन्टिनेंटल मेडल पक्का कर लिया है। उन्होंने प्वाइंट्स के अंतर से मैच 5–0 से अपने नाम करते हुए बुधवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में जगह बनाई। रोशिबिना ने इससे पहले सोमवार को प्री–क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश की शिखा खातून को मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। मौजूदा एशियन गेम्स में वुशु में भारत का यह पहला पक्का मेडल है। रोशिबिना एशियन गेम्स 2023 में सिल्वर मेडलिस्ट रह चुकी हैं, जब वह सांडा 60 किग्रा कैटेगरी में दूसरे स्थान पर रही थीं। उन्होंने 2018 जकार्ता खेलों में भी इसी वेट कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उनके अलावा, भारत के आर्यन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं, जो अब मेडल के लिए मुकाबला करेंगे। आर्यन ने पुरुषों के 56 किग्रा प्री–क्वार्टर फाइनल में अफगानिस्तान के साफी शहजादा को 2–0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

नेपाली मुक्केबाज को 5-0 से हराकर

जदुमणि सिंह प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

निशियो । एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को भारतीय मुक्केबाज जदुमणि सिंह ने पुरुषों के 55 किग्रा प्रिलिमिनरी राउंड में नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को शिकस्त दी। इसी के साथ जदुमणि ने प्री–क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिल्वर मेडलिस्ट ने यह बाउट निशियो जिम्नेजियम में जीती। जदुमणि ने शानदार मुकाबला करते हुए थापा पर 5–0 से सर्वसम्मत जीत हासिल की। ??जदुमणि ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट के खिलाफ धीमी

शुरुआत की, लेकिन मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और तीनों राउंड में सटीक पंच से जजों को प्रभावित किया। शुरुआती दो राउंड जीतने के बाद जदुमणि ने अपना दबदबा बनाए रखा और तीसरे राउंड में एक लेफ्ट हुक लगाया, जिससे थापा को 'स्टैंडिंग काउंट' का सामना करना पड़ा। भारतीय बॉक्सर ने तीसरा राउंड भी जीता और तीन 30–27 और दो 29–28 स्कोरकार्ड के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।
जदुमणि अब शनिवार को प्री–क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के बॉक्सर कार्लो पालाम से भिड़ेंगे, जो 2020 टोक्यो ओलंपिक गेम्स के सिल्वर मेडलिस्ट हैं।

एशियन गेम्स
वेटलिफ्टिंग

खत्म हुआ 28 साल का सूखा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अपना पहला सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मीराबाई ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए देश को वेटलिफ्टिंग में 1998 के बाद पहला एशियन गेम्स मेडल दिलाया है। 49 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई ने कुल 198 किलोग्राम का भार उठाते हुए एशियन गेम्स में अपना पहला मेडल जीता। पिछले एशियन गेम्स में वह मेडल लाने से चूक गई थीं और चौथे स्थान पर रही थीं। स्नैच राउंड के अपने पहले प्रयास में मीराबाई ने 83 किलो का वजन उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह 85 किलो का भार उठाने में कामयाब रहीं। तीसरे प्रयास में मीराबाई ने 87 किलो वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क राउंड में भी मीराबाई का प्रदर्शन शानदार रहा। मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क राउंड के पहले प्रयास में 107 किलो का भार उठाया। वहीं, दूसरी कोशिश में वह 111 किलो का वजन उठाने में सफल रहीं। वहीं, नॉर्थ कोरिया की खिलाड़ी री सोंग-गम ने गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। साल 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने भारत के लिए वेटलिफ्टिंग में आखिरी मेडल जीता था। इसके बाद से कोई भी खिलाड़ी एशियन गेम्स में देश के लिए मेडल नहीं ला सका था। हालांकि, मीराबाई का गोल्ड मेडल जीतने का सपना साकार नहीं हो सका। मीराबाई चानू ने एशियन गेम्स में अपने मेडल का सूखा भी खत्म कर दिया है।

साल 2014 में वह 9वें स्थान पर रही थीं। वहीं, जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई चोट के चलते हिस्सा नहीं ले सकी थीं। हांगझोऊ में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई ने 49 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया था, लेकिन वह चौथे स्थान पर रही थीं और मेडल लाने से चूक गई थीं।

महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्कीट टीम का कमाल, ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्कीट टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। भवतेघ सिंह गिल, अनंतजीत सिंह नारुका और मैराज अहमद खान की तिकड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया है। भारतीय स्कीट टीम ने फाइनल में कुल 346 का स्कोर करते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। कुवैत ने 348 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि कतर की टीम 353

स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही। अनंतजीत ने इस स्पर्धा के व्यक्तिगत फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। इससे पहले भारत की महिला स्कीट टीम ने भी देश को इसी स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। परिनाज धालीवाल, रजिया ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान ने कुल 331 का स्कोर करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, शूटिंग में भारत की उम्मीदों को उस समय करारा झटका लगा, जब मनु भाकर 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में मेडल लाने से चूक गईं। मनु 181.1 के स्कोर के साथ फाइनल मुकाबले में पांचवें स्थान पर रहीं। मनु अपने प्रदर्शन से खुद निराश नजर आईं। इसके साथ ही 10 मीटर एयर पिस्टल के टीम इवेंट में भी मनु, ईशा और सुरुचि की तिकड़ी मेडल जीतने से मामूली अंतर से चूक गई। भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही।

जय मीणा ने रचा इतिहास

सॉफ्ट टेनिस में भारत को दिलाया पहला ब्रॉन्ज मेडल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में जय मीणा ने इतिहास रच दिया है। उन्होने पुरुषों के सॉफ्ट टेनिस में भारत के लिए पहला मेडल जीता है। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जापान के ताकुया कुरोसाका से 2-4 से हार का सामना करना

पड़ा। सेमीफाइनल में हार के बावजूद वह ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम करने में सफल रहे हैं। मीणा ने क्वार्टर फाइनल में शेरविन नुगुइट के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए एशियन गेम्स में सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला मेडल पक्का किया था। उस मैच में वे आखिरी गेम में पीछे चल रहे थे, लेकिन फिर वापसी करते हुए लगातार चार प्वाइंट जीते और क्वार्टर फाइनल 4-3 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां वे कुरोसाका से हार गए और ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल के साथ अपना सफर खत्म किया। सॉफ्ट टेनिस में मीणा का सफर एक दिलचस्प संयोग से शुरू हुआ। शुरुआत में उनकी रुचि क्रिकेट में थी और वे क्रिकेटर बनना चाहते थे।

मगर जब उन्होंने देवास के पायनियर पब्लिक स्कूल में दाखिला लिया, तो वहां बने सॉफ्ट टेनिस कोर्ट ने उनका ध्यान खींचा। पहले वे खिलाड़ियों को खेलते हुए देखते थे और बाद में बॉल बॉय के रूप में मदद करने लगे। धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी सॉफ्ट टेनिस में बढ़ी और उन्होंने खुद यह खेल खेलना शुरू कर दिया। स्कूल और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं से शुरुआत करने के बाद वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे।

भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी

ईरान को 37-23 से हराया

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने कड़े मुकाबले में ईरान को 37-23 से हराते हुए टूर्नामेंट की अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

भारत और ईरान के बीच पहले हाफ में खासतौर पर कांटे की टक्कर देखने को मिली। ईरान ने मुकाबले में शुरुआती बढ़त बनाई। 10-6 के स्कोर पर भारतीय टीम ऑलआउट होने की दहलीज पर थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी पूजा ने बेहतरीन रेड करते हुए दो प्वाइंट अर्जित किए। पूजा की यह रेड मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई और इसके बाद भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की। जल्द ही भारतीय टीम ने स्कोर को 11-11 से बराबर कर दिया। हाफ टाइम का अंत होने तक भारत ने 19-15 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ईरान के डिफेंस पर पूरी तरह से हावी नजर आई। हालांकि, ईरान के रेडर ऐनाज जोब्रान की तीन प्वाइंट की सुपर रेड ने टीम को मैच में वापस लाने का काम किया।

दबाव में भारतीय डिफेंस और रेडर्स ने कमाल का संयम दिखाया।

व्यक्तिगत इवेंट में मेडल लाने से चूकीं राइज़ा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में महिला स्कीट टीम स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वालीं भारतीय शूटर राइजा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल व्यक्तिगत स्पर्धा में देश के लिए मेडल लाने से चूक गईं। राइजा चौथे स्थान पर रहीं जबकि परिनाज ने

आठवां स्थान हासिल किया। तीन दिनों के क्वालिफिकेशन राउंड के बाद राइजा और परिनाज ने 125 में से 111 शॉट लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और क्रमशः आठवें और नौवें स्थान पर रहीं। हालांकि भारतीय जोड़ी फाइनल में कोई खास असर नहीं दिखा पाई और नतीजतन व्यक्तिगत इवेंट से खाली हाथ लौटीं। टीम इवेंट में परिनाज, राइजा और माहेश्वरी ने क्वालिफिकेशन में कुल 331 का स्कोर किया और पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत की उम्मीदों को लगा करारा झटका

मेडल से चूकीं मनु भाकर, फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं

नागोया । दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट शूटर मनु भाकर को एशियन गेम्स में निराशा हाथ लगी है। वह महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में पोडियम तक नहीं पहुंच सकीं और बुधवार को फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं। वहीं, साउथ कोरिया की गाउन चू ने 246.3 के स्कोर के साथ एशियाई रिकॉर्ड और गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता।

चीन की यियाओ शेन (241.3) और रैनक्सिन जियांग (221.6) ने क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पोडियम पर अपनी जगह बनाई। मनु क्वालिफिकेशन राउंड में 579 के स्कोर (जिसमें 20 'इनर 10' शामिल थे) के साथ तीसरे स्थान पर रहकर व्यक्तिगत फाइनल में पहुंची थीं। आठ महिलाओं के फाइनल में उन्होंने 181.1 का स्कोर किया। टीम मेडल से बहुत कम अंतर से चूकने के बाद, महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भारत को कोई मेडल

नहीं मिला। अब मनु अपना ध्यान 25 मीटर पिस्टल इवेंट पर लगाएंगी, जहां वह ईशा और 2018 एशियन गेम्स की चैंपियन राही सरनोबत के साथ शामिल होंगी।

महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में हारीं पीवी सिंधु

जापान ने बनाई 1–0 की बढ़त

इचिनोमिया सिटी । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

यह मुकाबला इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेला गया, जहां यामागुची ने सिंधु को हराकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। पहला गेम टाई-ब्रेक में जीतने के बाद सिंधु तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन

यामागुची से 21-23, 21-18, 21-11 से हार गईं, जिससे जापान को क्वार्टर फाइनल में 1-0 की बढ़त मिल गई। उन्नति हुड्डा दूसरे मुकाबले में टोमोका मियाजाकी के खिलाफ भारत के लिए स्कोर बराबर करने की कोशिश करेंगी। इस मैच से पहले, दोनों खिलाड़ी 30 बार आमने-सामने हो चुकी थीं, जिसमें सिंधु 16 जीत के साथ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में आगे थीं। मंगलवार की हार के बाद दोनों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 16-15 हो गया है, जो अभी भी सिंधु के पक्ष में है।

सिंधु ने 6-10 के अंतर को पाटते हुए अच्छा खेल दिखाया और स्कोर 12-12 तक पहुंचाया। इसके बाद 15-18 से पिछड़ने के बाद वापसी की और एक गेम प्वाइंट बचाकर पहला गेम 23-21 से जीता।

साक्षी ने पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता विलेगास को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

निशियो । कॉमनवेल्थ गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता साक्षी चौधरी ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के शुरुआती राउंड में पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता विनर आइरा विलेगास को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

चौधरी ने निशियो जिमनैजियम में अपने एशियन गेम्स डेब्यू में शानदार परफॉर्मेंस देते हुए फिलिपिनो बॉक्सर को 5-0 के एकमत फैसले से हराया। उन्होंने 10-9 के स्कोर के साथ तीनों राउंड एकमत से जीते और दोनों में से बेहतर बॉक्सर थीं। उनके सटीक पंच पेरिस की कांस्य पदक विजेता के लिए संभालना मुश्किल था।

कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अब प्री-क्वार्टर में पहुंच गई हैं। गुरुवार को उनका मुकाबला मौजूदा 51 किग्रा वर्ल्ड चैंपियन

अलुआ बाल्किबेकोवा से होगा।

साक्षी पहले से ही एक मशहूर बॉक्सर हैं और उन्होंने इस खेल की कुछ बड़ी मुक्केबाजों को हराया है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल्स में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निकहत जरीन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा को हराया। उन्होंने ट्रायल्स के सेमीफाइनल में निकहत को हराया, जबकि फाइनल में चैंपियन हुड्डा को हराया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में साक्षी ने फाइनल में इंग्लैंड की रूबी व्हाइट को 5-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। एक सफल कॉमनवेल्थ के बाद, साक्षी ने एशियाड पर अपनी नजरें टिकाए रखीं।

साक्षी ने कहा था, 'कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है।